वार्षिक प्रतिवेदन 2024

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग
उत्तराखण्ड सरकार

वार्षिक प्रतिवेदन 2024

प्रकाशक
© उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट)
विज्ञान धाम, झाजरा, देहरादून, उत्तराखण्ड (भारत)
दूरभाष : +91 – 0135-2976266
ई–मेल : ucost@ucost.in
वेबसाईट : https://ucost.uk.gov.in

उत्तराखण्ड शासन

महानिदेशक की कलम से

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अधीनस्थ एक स्वायत्तशासी निकाय है। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 A(H) में उल्लेखित मूल कर्तव्यों को आम जनमानस तक पहुंचाने तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करने हेतु भारत सरकार की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति के प्रावधानों को राज्य में लागू करना और नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और आर्थिक क्षेत्र की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, परिषद दूरस्थ क्षेत्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2024–25 में परिषद् ने राज्य को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों के समकक्ष लाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि परिषद द्वारा प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों एवं राष्ट्रीय शोध और तकनीकी संस्थानों के सहयोग से राज्य हित में विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित कई बहुआयामी कार्यक्रमों का संचालन, क्रियान्वयन और अनुश्रवण किया। इसके माध्यम से हमें राज्य में वैज्ञानिक शोध, अनुसंधान और शोधकर्ताओं के लिए एक सृजनात्मक वातावरण तैयार करने में आशातीत सफलता प्राप्त हुई है।

एक सुनियोजित रणनीति के तहत परिषद् ने राज्य को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रीय पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने हेतु निम्नलिखित तीन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया है।

1. राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माणः–

विज्ञान के लोकव्यापीकरण, वैज्ञानिक शोध कार्यों में सहयोग और वैज्ञानिक चेतना के प्रचार–प्रसार के लिए ग्रामीण क्षेत्रों सहित राज्य के सभी जनपदों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना परिषद की पहली प्राथमिकता रही है। इस सन्दर्भ में परिषद् ने युद्धस्तर पर जिन महत्वाकांक्षी योजनाओं पर इस वित्तीय वर्ष में कार्य आरम्भ किया है उसका विवरण इस तरह हैः–

- अल्मोड़ा में मानसखंड विज्ञान केंद्र का सफल कार्यान्वयन जिसके फलस्वरूप अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, नैनीताल और बागेश्वर जिलों के सैंकड़ों विद्यार्थियों, वैज्ञानिक जिज्ञासाओं का समाधान कर पा रहे हैं।
- देहरादून में देश की पाँचवी साइंस सिटी का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रारम्भ हो चुका है।
- सीमान्त जनपद चम्पावत में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है।
- माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा जुलाई 2024 में लैब्स ऑन व्हील्स परियोजना का शुभारम्भ किया गया। परियोजना के अंतर्गत प्रयोगशाला, व्यवहारिक प्रदर्शनों/मॉडलों, विज्ञान गतिविधियों और प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदेश के कक्षा छः से दसवीं तक के छात्र–छात्राओं को जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, गणित आदि विषय के पाठ्यक्रम को ओर अच्छे से सीखने एवं समझ पाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। प्रथम चरण में राज्य के 04 जिलों क्रमशः देहरादून, पौड़ी, चम्पावत एवं अल्मोड़ा में लैब ऑन व्हील्स का संचालन किया जा चुका है तथा दूसरे चरण में राज्य के सभी जनपदों में परियोजना का संचालन का कार्य गतिमान है।

- प्रदेश के 95 में से 72 विकास क्षेत्रों में STEM लैब्स की स्थापना के साथ सुचारु रूप से संचालन प्रगति पर है।
- प्रदेश के हर जनपद में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केन्द्रों की स्थापना हेतु राज्य सरकार की संस्तुति के पश्चात् एवं भूमि आवंटन की प्रक्रिया प्रगति पर है।
- राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों एवं में तीस पेटेंट सूचना केंद्रों (पी.आई.सी.) की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।
- देहरादून स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की गयी है, जिसमें ई–पुस्तकों, शैक्षणिक पत्रिकाओं, शोध पत्रों का संग्रह उपलब्ध है।

2. राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास हेतु राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोगः–

- परिषद् द्वारा राज्य स्थित केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित संस्थानों सहित राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग की दिशा में अभूतपूर्व पहल की गयी है। इन संस्थानों के साथ संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए तकनीकी संसाधन केंद्रों, विज्ञान ग्राम संकुलों और महिला प्रौद्योगिकी केन्द्रों की स्थापना के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- वर्ष 2024–25 में, विज्ञान लोकव्यापीकरण के अंतर्गत परिषद द्वारा कई कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और वेबिनार का आयोजन किया गया। सीमांत जनपदों के विद्यार्थियों तक विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से जनपद पिथौरागढ़ में प्रसिद्ध भू–वैज्ञानिक पद्मश्री एवं पद्मभूषण प्रो. के. एस. वल्दिया की स्मृति में सीमांत बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन नवम्बर 2024 में किया गया।
- इसके अतिरिक्त, 28 नवम्बर से 30 नवम्बर 2024 तक सिलक्यारा विजय अभियान के एक वर्ष पूर्ण होने पर 'सिलक्यारा विजय अभियान' पर आधारित पुस्तक का विमोचन माननीय मुख्यमंत्री महोदय और महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा किया गया और 19वीं राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी सम्मेलन का भी आयोजन दून विश्वविद्यालय, देहरादून में किया गया, जिसमें देश भर से विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्र–छात्राओं और नीति निर्माताओं ने भाग लिया।

3. राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रयोग से जमीनी स्तर पर नवाचार को प्रोत्साहित करना :–

- जिला चम्पावत में आई0आई0पी0, देहरादून के साथ फरवरी, 2025 में पाटी ब्लॉक के भिंगराड़ा गॉव में पिरूल के ब्रिकेटस बनाने के लिए एक इकाई की स्थापना का सफल संचालन भी हुआ है यह इकाई पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित की जा रही है। इस इकाई में प्रति घंटे लगभग 50 किलोग्राम पिरूल का उपयोग कर ब्रिकेट्स तैयार किए जाएंगे। इस प्रकार के प्रयोग अन्य जनपदों में भी किये जायेंगे। यह पहल महिला आजीविका, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ–साथ जंगलों में लगने वाली आग की समस्या के समाधान में भी कारगर सिद्ध होगी।
- परिषद द्वारा राज्य में पहली बार 5 अगस्त, 2024 को 'एआई कॉन्क्लेव' का आयोजन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री महोदय के मार्गदर्शन में राज्य के लिए ए.आई.सेन्टर फॉर ऐक्सीलेन्स की स्थापना की घोषणा के साथ रोडमैप तैयार करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है।
- राज्य में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में महिलाओं की भागीदारी और जागरूकता के लिए परिष्द द्वारा विज्ञानशाला इंटरनेशनल के साथ मिलकर *She for STEM* कार्यक्रम

की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ दिनांक 10 अगस्त, 2024 महामहिम राज्यपाल महोदय लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया।

वर्ष 2024–25 में, परिषद ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के कार्य को प्रगति पर रखा है:–

1. साइंस सिटी, देहरादून–एन.सी.एस.एम., कोलकाता के सहयोग से।
2. राज्य के 10 जनपदों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केन्द्रों की स्थापना
3. साइंस सेंटर, चम्पावत।
4. स्टेम लैब्स की स्थापना
5. लैब्स ऑन व्हील्स की स्थापना ।

परिषद, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभागीय मंत्री भी हैं, के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है, जिनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से परिषद उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में भी परिषद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर रहेगी।

प्रो. दुर्गेश पन्त
महानिदेशक

कार्यक्रमों की एक झलक

शोध, विकास एवं प्रदर्शन

- राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस
- युवा वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- उत्कृष्ट केन्द्रों की स्थापना तथा ग्रीष्मकालीन विद्यालय
- विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन
- नये क्षेत्रों की पहचान
- सेवा निवृत्त वैज्ञानिक कार्यक्रम
- अन्वेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के कार्यक्रम

विज्ञान लोकव्यापीकरण एवं विज्ञान धाम

- क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र
- लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला
- सेमिनार/संगोष्ठी/अधिवेशन/कार्यशाला
- यात्रा अनुदान
- पुस्तकालय सह–प्रलेखन केन्द्र
- प्रकाशन
- जनसम्पर्क तथा सूचना
- विज्ञान शिक्षा तथा प्रसार
- कार्यक्रम कैलेण्डर
- विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम
- समन्वयक
- उत्तराखण्ड साइंस फोरम
- राज्य स्तरीय पुरस्कार
- राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत, उत्तराखण्ड अध्याय

हिमालय व्यवस्था विज्ञान

- मौसम परिवर्तन अध्ययन
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
- औषधीय एवं सुगंध वनस्पतियों का संरक्षण
- हिननद तथा तालों का संरक्षण

विज्ञान तथा समाज कार्यक्रम

- महिलाओं तथा कमजोर वर्ग के लिए

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

- प्रौद्योगिकी प्रबन्धन
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबन्धन
- प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम
- प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण
- प्रौद्योगिकी का लोकव्यापीकरण
- प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्रों की स्थापना

अनुक्रमणिका

1 उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद 01

2 वित्तीय वर्ष 2024–25 में विमुक्त राशि के सापेक्ष दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 तक व्यय 05

3 नीतिगत विशेषताएं एवं कार्य योजनायें 07

4 उपलब्धियाँ 12

मुख्य कार्यक्रम

39

प्रकाशन / पुस्तकालय

71

सारांश

76

लेखा परीक्षा रिपोर्ट (वित्तीय वर्ष 2024–25)

84

आंचलिक विज्ञान केंद्र

89

1

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिशद

सामान्य निकाय

क्रम सं.	नाम / पदनाम	अध्यक्ष / सदस्य
1	मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन	अध्यक्ष
2	प्रमुख सचिव / सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन	सदस्य
3	प्रमुख सचिव / सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
4	प्रमुख सचिव / सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
5	प्रमुख सचिव / सचिव, वन एवं ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
6	प्रमुख सचिव / सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
7	प्रमुख सचिव / सचिव, औद्योगिकी विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य
8	निदेशक, आई0आई0टी0 रूड़की के प्रतिनिधि।	सदस्य
9	डॉ0 डी0के0 असवाल, ग्रुप निदेशक, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण ग्रुप, भाभा एटोमिक रिसर्च सेन्टर, मुम्बई।	सदस्य
10	डॉ0 राम मोहन राव, विभागाध्यक्ष, जियोइन्फॉरमेटिक्स डिविजन, एन0आर0एस0सी0, इसरो, हैदराबाद।	सदस्य
11	डॉ0 आर0पी0 पंत, प्रतिष्ठित प्रोफेसर, राष्ट्रीय भू–भौतिकी प्रयोगशाला (एन.पी.एल.), नई दिल्ली।	सदस्य
12	डॉ0 जी0एस0 रावत, पूर्व डीन व निदेशक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।	सदस्य
13	प्रोफेसर वी0पी0 पाण्डे, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष–विज्ञान, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
14	प्रो0 (श्रीमती) सुरेखा डंगवाल, कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।	सदस्य

15	डॉ. डी.एस.रावत, कुलपति, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल।	सदस्य
16	डॉ. हरेन्द्र सिंह बिष्ट, निदेशक, सी.एस.आइ.आर.–आइ.आइ.पी., मोहकमपुर, देहरादून (सचिव, वैज्ञानिक एवं अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नामित सदस्य)	सदस्य
17	आचार्य बालकृष्ण, प्रबन्ध निदेशक, पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, हरिद्वार	सदस्य
18	श्री नरेन्द्र सिंह लडवाल, प्रोपराईटर, सीहॉक प्रा0लि0, लडवाल ईस्टेट, चंपावत।	सदस्य
19	डॉ. मनमोहन सिह चौहान, कुलपति, जी0बी0 पन्त विश्वविद्यालय, पंतनगर।	सदस्य
20	प्रो. दुर्गेश पंत, महानिदेशक, उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, यूकॉस्ट, उत्तराखण्ड।	सदस्य
21	श्री नितेश कुमार झा, आई.ए.एस. सचिव, सूचना एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखण्ड शासन।	सदस्य सचिव

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

परिचय –

वैज्ञानिक जागरूकता एवं विज्ञान के क्षेत्र को प्रभावशाली बनाये जाने के उद्देश्य से देश के अन्य राज्यों की भांति उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् का गठन मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में श्रम सेवायोजन वि0 एवं प्रौ0 विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्याः 549, 334 दिनांकः 21 फरवरी, 2005 के द्वारा किया गया।

विशेषताएं –

1 राज्य सरकार को वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी विषयों पर परामर्श प्रदान करना।

2 समाज के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अधिक से अधिक उपयोगी क्षेत्रों का चिन्हांकन एवं क्रियान्वयन करने की दिशा में निरन्तर प्रयास करना।

3 उत्तराखण्ड शासन द्वारा परिषद् का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी गतिविधियों के लिए नोडल ऐजेन्सी के रूप में कार्य करना।

दायित्व –

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का दायित्व जनसाधारण में विज्ञान का प्रचार–प्रसार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर का विकास किया जाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन् 1958 में संसद द्वारा अनुमोदित वैज्ञानिक नीति तथा वर्ष 1981 में बैंगलोर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों की स्थापना हेतु आयोजित कार्यशाला की अनुशंसाओं एवं उत्तराखण्ड राज्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अगस्त, 2005 से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने कार्य प्रारम्भ किया। परिषद के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:–

1. किसानो विशेषकर गरीब एवं पिछड़े कृषक, भूमिहीन कृषक, छोटे कृषक, छोटे कामगार एवं अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान तथा दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी दूर करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों की पहचान करना और विकास के लिये उनका उपयोग करना।

2. सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये शासन की नीतियों एवं उनके परिपालन हेतु उठाये जाने वाले आवश्यक कदमों के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में शासन को परामर्श देना।

3. राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के समन्वित विकास के लिये अनुसंधान एवं प्रदर्शन तथा विकासीय योजनाओं, कार्यक्रमों की पहल, प्रायोजन एवं समन्वय करना।

4. विकास को बढ़ावा देने हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की आवश्यकतानुसार प्रयोगशालायें स्थापित करना अथवा उनकी स्थापना हेतु सहायता देना।
5. पुस्तकालय एवं प्रलेखन केन्द्र की स्थापना एवं संचालन करना।
6. राज्य के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की अन्य संस्थाओं से प्राप्त होने वाली योजनाओं का अनुमोदन, योजनायें तैयार करना एवं उनकी तैयारी हेतु अनुदान, ऋण एवं विशेषज्ञों को सहायता प्रदान करना।
7. विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिये जन सामान्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का प्रचार एवं प्रसार तथा संगोष्ठियों आदि का आयोजन करना।
8. राज्य शासन द्वारा परिचालित तकनीकी प्रयासों में परिपूरक बनना।
9. समान उद्देश्य की राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थाओं के साथ परस्पर कार्य करना।
10. राज्य की समस्याओं के निराकरण के लिये उपयुक्त प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित कार्यवाही करना तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा को बढ़ावा देना।
11. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान एवं विकास कार्यों को पुरस्कृत करना।
12. सामान्यतः समस्त ऐसे उपाय करना, जिससे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से उत्तराखण्ड राज्य का सर्वांगीण विकास तीव्रता से हो सके।

संगठनात्मक संरचना एवं सृजित पद –

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के स्वरूप में उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या 494(1)/XXXVIII/09-01/2001(TC) दिनांक 10 दिसम्बर, 2009 के द्वारा निम्नलिखित पदों को स्वीकृत किया गया है:–

परिषद मुख्यालय हेतु –

क्रमांक	पदनाम	वेतन बैंड (रू0 में)	ग्रेड वेतन (रू0 में)	पदों की संख्या
1.	महानिदेशक	37400–67000	10,000	01
2.	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	6,600	02
3.	वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	5,400	02
4.	प्रशासनिक अधिकारी	9300–34800	4,200	01
5.	वैज्ञानिक सहायक	9300–34800	4,200	04
6.	लेखाकार	9300–34800	4,200	01
7.	कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	5200–20200	2,800	02
8.	आशुलिपिक	5200–20200	2,400	02
9.	कनिष्ठ सहायक	5200–20200	2,000	02
10.	पुस्तकालय सहायक	5200–20200	2,000	01
11.	चपरासी / चौकीदार	4440–7440	1,300	03

क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र हेतु –

क्रमांक	पदनाम	वेतन बैंड (रू0 में)	ग्रेड वेतन (रू0 में)	पदों की संख्या
1.	परियोजना अधिकारी	15600–39100	6,600	01
2.	प्रबन्धक मार्केटिंग	15600–39100	5,400	01
3.	प्रबन्धक जनसम्पर्क	15600–39100	5,400	01
4.	कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	9300–34800	4,200	02
5.	डी0टी0पी0 आपरेटर	9300–34800	4,200	02

6.	प्रदर्शक	9300–34800	4,200	02
7.	कनिष्ठ सहायक/डाटा एन्ट्री आपरेटर	5200–20200	2,000	02
8.	प्लान्ट ऑपरेटर	5200–20200	2,000	01
9.	अनुसेवक	4440–7440	1,300	04

बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र हेतु –

क्रमांक	पदनाम	वेतन बैंड (रू0 में)	ग्रेड वेतन (रू0 में)	पदों की संख्या
1.	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	6,600	01
2.	वैज्ञानिक अधिकारी	15600–39100	5,400	01
3.	चपरासी/चौकीदार	4440–7440	1,300	02

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा स्वीकृत पद–

उपरोक्त के अतिरिक्त भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा महानिदेशक, एक संयुक्त निदेशक, दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, तीन वैज्ञानिक अधिकारी एवं दो तकनीकी सहायक के पदों की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

2

वित्तीय वर्ष 2024–25

वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु विमुक्त धनराशि एवं दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 तक का व्यय विवरण

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु परिषद को कुल रूपये 53,09,80,000.00 (रूपये तिरेपन करोड़ नौ लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि का प्रावधान किया गया एवं दिनांक 31 दिसम्बर, 2024 तक परिषद को कुल रूपये 38,09,80,000.00 (रूपये अड़तीस करोड़ नौ लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि प्राप्त हुई है।

प्राप्तियां	
उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्राप्त अनुदान	38,09,80,000.00
योग (अ)	**38,09,80,000.00**
भुगतान	
निदेशन / प्रशासन	5,86,95,664.00
अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम	1,46,10,640.00
विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम	1,48,72,376.00
उद्यमिता विकास कार्यक्रम	
बौद्धिक संपदा अधिकार	16,24,797.00
राज्य स्तरीय विज्ञान पुरुस्कार	5,02,050.00
बाल विज्ञान कांग्रेस	66,000.00
पारम्परिक ज्ञान प्रणाली	8,00,000.00
प्रोफेसर एमेरेटस स्कीम	24,10,000.00
व्यावसयिक तथा विशेष सेवायें	11,07,870.00
सीमान्त बाल विज्ञान कांग्रेस	37,37,031.00
स्टेम लैब	89,21,086.00
सांइस सिटी की स्थापना	20,00,00,000.00
विज्ञान केन्द्र अल्मोड़ा की स्थापना	99,90,000.00
पी.एल.ए. खाते में अवशेष (31.12.2024)	5,52,69,679.00
योग (ब)	38,09,80,000.00

3

नीतिगत विषेशताएं कार्य योजनाएं

(क) नीतिगत विशेषताएं

1. अन्वेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।
2. संस्थाओं को एक साथ समन्वय स्थापित करना।
3. विभिन्न मंत्रालयों के मध्य समन्वय।
4. उद्योग तथा शैक्षणिक जगत के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं समन्वयन।
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव संसाधन का विकास।
6. प्रौद्योगिकी आधारित व्यापार को प्रोत्साहन।
7. आधारी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान के विकास हेतु प्रोत्साहन।

(ख) कार्य योजनाएं

राज्य में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने तथा सुदृढ़ करने हेतु परिषद द्वारा निम्न पांच प्रमुख क्षेत्रों में विभिन्न कार्य योजनाएं संचालित की जा रही है:

1. शोध एवं विकास, प्रदर्शन एवं विस्तार।
2. विज्ञान लोकव्यापीकरण तथा विज्ञान धाम की स्थापना।
3. हिमालयी व्यवस्था विज्ञान।
4. विज्ञान एवं समाज – विशेषकर महिलाओं एवं कमजोर वर्गों के लिए।
5. उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।

शोध एवं विकास, प्रदर्शन एवं विस्तार

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों को प्रायोजित कर इच्छुक समूहों द्वारा रचनात्मक क्रियाकलापों के लिये मंच प्रदान कर रहा है।

राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस

परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम के द्वारा वैज्ञानिकों को अपने शोध कार्यों तथा उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के लिये सामुहिक मंच मिलता है। विज्ञान कांग्रेस में युवा वैज्ञानिकों को आपस में विचार–विमर्श कर भविष्य की योजनाएं तैयार करने में मदद मिलती हैं। प्रतिभागी वैज्ञानिक, उत्तराखण्ड की विभिन्न शोध संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं में अध्ययनरत अथवा कार्यरत होते हैं। विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों जैसे कृषि विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जैव रसायन एवं सूक्ष्म जैविकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान,

पृथ्वी विज्ञान सह भू–विज्ञान, भू–भौतिकी, भूगोल, अभियान्त्रिकी विज्ञान एवं तकनीकी, पर्यावरण विज्ञान एवं वानिकी, गृह विज्ञान सह वस्त्र, भोजन, पोषण एवं बाल विकास, मैटिरियल साइंस एण्ड नैनो टैक्नोलॉजी, गणित, सांख्यिकी तथा कम्प्यूटर विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान एवं फार्मास्यूटिकल साइंसेज, भौतिक विज्ञान, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं समाज/विज्ञान संचार, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान एवं जन्तु विज्ञान से सम्बंधित आमंत्रित शोध पत्रों पर प्रतिभागियों द्वारा गहन विचार–विमर्श किया जाता है।

विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत सभी शोध पत्रों का आंकलन विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक वर्ग के सर्वोत्तम शोध पत्र को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कृत वैज्ञानिकों को अपने शोधकार्य को आगे बढ़ाने के लिये राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

सेमिनार/संगोष्ठी/अधिवेशन/कार्यशाला

इस योजना के अर्न्तगत उत्तराखण्ड में स्थित विभिन्न शैक्षणिक, शोध संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न मुद्दों पर गोष्ठी आयोजित करने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार के आयोजन से नवोदित शोधकर्त्ताओं को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों के साथ अपनी शोध गतिविधियों तथा उपलब्धियों पर विचारों के आदान–प्रदान का अवसर प्राप्त होता है।

यात्रा अनुदान

शोधकर्त्ताओं तथा वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली वैज्ञानिक कार्यशालाओं में सम्मिलित होने के लिये परिषद द्वारा यात्रा अनुदान दिया जाता है। यात्रा का 50 प्रतिशत व्यय इस योजना के अर्न्तगत राज्य के शोधकर्त्ताओं तथा वैज्ञानिकों को दिये जाने की व्यवस्था है।

समन्वयक इकाईयों की स्थापना तथा उनका सबलीकरण

परिषद का उद्देश्य है कि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विकास हेतु केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शोध संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं तथा उद्योग जगत के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिये परिषद विभिन्न संस्थाओं में समन्वयक इकाईयों की स्थापना करने का कार्य करती है।

विज्ञान लोकव्यापीकरण

आम जनता, विशेष रूप से युवा वर्ग में विज्ञान लोकव्यापीकरण द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिये परिषद द्वारा विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम संचालित किये जा रहें हैं।

युवा वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

विज्ञान कांग्रेस में 40 वर्ष तक की आयु के पुरस्कृत शोधकर्त्ता या किसी अन्य उत्कृष्ट शोधकर्त्ता को राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में शोध कार्य से सम्बधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों मे प्रतिभाग करने हेतु परिषद द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैं।

उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना तथा ग्रीष्मकालीन स्कूल

परिषद राज्य में विद्यमान विश्वविद्यालयों तथा शोध संस्थाओं को तकनीकी एवं आर्थिक सहायता प्रदान कर शोध कार्य हेतु विश्वस्तरीय सुविधाएं तथा तकनीकों का विकास करने की ओर अग्रसर हैं। परिणामतयाः इन शैक्षिक संस्थानों को राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। परिषद विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता केन्द्रों के संचालन हेतु विभिन्न विषयों में ग्रीष्मकालीन स्कूलों के आयोजन से भी सहायता मिल रही है।

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में संचालित शोध एवं विकास की गतिविधियों का विष्लेषण किया जाता है, जिससे कि विकास सम्बन्धी भविष्य की योजनाएं बनाने में सहायता मिलती हैं।

नये क्षेत्रों की पहचान

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को राज्य में और अधिक प्रभावी बनाने तथा उसे विकसित करने के लिये परिषद द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों, प्रौद्योगिकीविदों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं का एक कार्यदल का गठन किया गया है जो कि शोध एवं विकास के लिये नये क्षेत्रों की पहचान करने में मददगार हैं।

सेवानिवृत्त वैज्ञानिक कार्यक्रम

सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों के अनुभव तथा विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिये परिषद उनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों

में प्रारम्भ की गयी परियोजनाओं तथा कार्यों को आर्थिक रूप से सहायता के साथ–साथ उन्हें अन्य स्तरो से भी मदद करती हैं।

अन्वेशी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का कार्यक्रम

परिषद द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये व्यक्तियों तथा संस्थाओं द्वारा तृणमूल स्तर पर लोगों की पहचान करके उनके अन्वेषण तथा उनकी प्रतिभा को विकसित करने के लिये हर सम्भव प्रयास तथा सहायता प्रदान की जाती हैं।

साइंस सिटी तथा तारामंडल की स्थापना

आम जनमानस विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिये उत्तराखण्ड में एक अत्याधुनिक साइंस सिटी तथा तारामंडल की स्थापना करने का कार्य परिषद द्वारा गतिमान है। विज्ञान धाम एवं तारामंडल का अवलोकन करके बच्चे प्रकृति में छिपी वैज्ञानिक प्रवृत्तियों के साथ–साथ वैज्ञानिक सिद्धान्तों तथा विज्ञान के नये आयाम को समझने का अवसर प्रदान होगा।

लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला

परिषद द्वारा राज्य में वैज्ञानिक मानसिकता को बढावा देने के उददेश्य से प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को विज्ञान तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े विशेष मुद्दों पर व्याख्यान देने के लिये आमन्त्रित किया जाता है।

पुस्तकालय–सह–प्रलेखन केन्द्र

परिषद राज्य में एक ऐसे पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र की स्थापना हेतु प्रयत्नशील है, जिसके माध्यम से राज्य में विभिन्न विषयों में शोध कार्य कर रहे शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों तथा शोधार्थियों को आवश्यक जानकारियां प्राप्त हो सके। ऐसे पुस्तकालय में विज्ञान के संदर्भ ग्रन्थ, शोध पत्रिकायें, विज्ञान पत्रिकायें संग्रहित की जायेगी ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर सुगमता से उपलब्ध हो सकें।

प्रकाशन

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक ज्ञान को लोगों तक पहुंचाने के लिये परिषद राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में उच्चकोटि के शोध पत्रों, शैक्षणिक पुस्तकों के प्रकाशन तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के साहित्य का अनुवाद तथा प्रकाशन की व्यवस्था भी कर रहा है।

जनसम्पर्क तथा सूचना

परिषद विज्ञान लोकव्यापीकरण हेतु प्रदर्शनी, विज्ञान मेला तथा वैज्ञानिकों द्वारा आम जन के बीच जाकर आपसी संवाद करने जैसी योजनाओं को भी चला रहा है, जिसमें दृश्य तथा श्रवण मीडिया का भी उपयोग किया जा रहा है।

विज्ञान शिक्षा तथा प्रसार

समय–समय पर घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं एवं विशेष अवसरों से सम्बन्धित जानकारी देने के लिये परिषद कार्यशाला तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है, जिसमें गणित ओलम्पियाड भी शामिल है।

कार्यक्रम केलेण्डर

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस तथा अन्य ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय अवसरों पर परिषद द्वारा स्थापित विज्ञान प्रसार केन्द्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम

परिषद ऐसे सभी कार्यक्रमों को आयोजित और उनमें हिस्सेदारी भी कर रहा है, जो विज्ञान लोकप्रियकरण में सहायक है, जैसे राज्यस्तरीय आविश्कार प्रर्दशनी, राष्ट्रीय विज्ञान सेमीनार, विज्ञान मेला, राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी तथा बाल विज्ञान कांग्रेस इत्यादि।

उत्तराखण्ड साइंस फोरम

परिषद उत्तराखण्ड साइंस फोरम के गठन हेतु सभी सम्भव सुविधाएं तथा सहायता प्रदान कर रहा है। उत्तराखण्ड साइंस फोरम में विभिन्न शोध संस्थाओं के विचारवान व्यक्तियों, बुद्धिजीवियों, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों इत्यादि को सम्मिलित किया जा रहा हैं। साइंस फोरम की विभिन्न गतिविधियों को आगे बढ़ाने और उन्हें विकसित करने के लिये कोर पैनल द्वारा निर्णय लिया जाता हैं।

राज्यस्तरीय पुरस्कार

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार नकद धनराशि तथा प्रशस्ति–पत्र के रूप में दिया जाता हैं। सामान्यतः पुरस्कार पाने वाले को उत्तराखण्ड में ही स्थित संस्था में शोध कार्य करना होता हैं। इस प्रकार के पुरस्कार स्कूल के अध्यापकों, माध्यमिक स्तर के

विद्यार्थियों तथा तृणमूल आविष्कारकों को भी विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके द्वारा किये गये विशिष्ट योगदान हेतु प्रदान किये जाते हैं।

हिमालय व्यवस्था विज्ञान

उत्तराखण्ड राज्य की स्थलाकृति में उच्च स्थलों की पारिस्थितिकी, हिमनद, चारागाह, जैव विविधता, ताल तथा कृषि व्यवस्था से सम्बन्धित शोध कार्यों को परिषद द्वारा हर सम्भव सहायता दी जाती है।

प्राकृतिक संसाधन व्यवस्थापन

हिमालयन पारिस्थितिकी में विद्यमान विभिन्न जंतु एवं वानस्पतिक जैव विविधता के संरक्षण हेतु प्राथमिकता के आधार पर शोध कार्य एवं इनके सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी को सूचीबद्ध करने के लिए परिषद प्रयत्नशील हैं।

औषधीय एवं सुगंध वनस्पतियों का संरक्षण

इस योजना के अन्तर्गत प्राकृतिक सम्पदा तथा पर्यावरण सम्बन्धी अध्ययन, जिसमें भूगर्भिक आपदाएं, हिमनदों का पीछे की ओर खिसकना, हिमनद ढाल, स्थायित्व तथा नदियों एवं तालों का अध्ययन शामिल है।

विज्ञान एवं समाज–महिलाओं तथा कमजोर वर्गों के लिये

समाज में महिलाओं, कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं ग्रामीण वर्गों के लिये विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के निवेश द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक जीवन स्तर का उन्नयन करना तथा आय के अधिक अवसर प्रदान करने सहित जीवन की कठोरता को कम करते हुए बेहतर स्वास्थ्य, चिकित्सा सेवा, पोषण, स्वच्छता एवं शुद्ध पर्यावरण सुविधा प्रदान करना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ विज्ञान शिक्षा को प्रोत्साहित करना भी इस योजना में निहित है।

प्रौद्योगिकी प्रबंधन

देश में औद्योगिक विकास के लिये आधुनिक तकनीक एवं व्यापार की नयी अवधारणाओं का उपयोग और उनका व्यवस्थापन करते हुये विभिन्न उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि कर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता करने के लिये परिषद द्वारा औद्योगिक जगत् के मुद्दों के विषय में सम्बधित लोगों को नवीन जानकारी देने तथा विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबन्ध

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत लोगों में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विषय में जागरूकता विकसित की जाती है। विश्वविद्यालयों, उद्योगों, सरकारी शोध संस्थाओं को इससे अपनी बौद्धिक सम्पदा का पेटेंट हासिल करने में सहायता मिलती है। इस सम्बन्ध में पेटेंट सूचना का समय–समय पर विश्लेषण किया जाता है और पेटेंट हेतु नये आविश्कारों के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश तथा सुझाव भी दिये जाते हैं, इस दिशा में दो तरह के बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्रों की भी स्थापना की गई है। इसके अन्तर्ग शोध संस्थाओं, विश्वविद्यालयों इत्यादि के लिए पेटेंट इंफोरमेशन सेंटर (PIC) सूक्ष्म, लधु एवं मध्यम उद्यमों के लिए बौद्धिक सम्पदा सुविधा केन्द्र (IPFC) कार्य करता है।

उद्यमिता विकास एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

नवीनतम एवं उच्च तकनीक के माध्यम से अन्वेषी प्रवृत्ति को विकसित करने के कार्यक्रम परिषद द्वारा गतिमान एवं प्रस्तावित है। उद्देश्य यह है कि उत्तराखण्ड की वैज्ञानिक आवश्यकताओं के अनुरूप नयी तकनीकों का उपयोग करते हुये आम जन में उद्यमिता भावना का निरंतर विकास किया जा सके।

प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम

नैनो टैक्नोलॉजी, अनुवांषिकी अभियांत्रिकी, उच्च तकनीक आधारित जलीय जैव विकास, रेशम कीट पालन जैसे नवीन उभरते हुये क्षेत्रों को विकसित करने के लिये परिषद, वित्तीय संस्थाओं को शोध कार्य हेतु धन उपलब्ध कराने के साथ–साथ मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन भी करती है।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रौद्योगिकी के उच्चीकरण एवं हस्तांतरण हेतु राष्ट्रीय शोध संस्थाओं के साथ समन्वय तथा सहयोग करने की नीति पर परिषद कार्य करती हैं।

प्रौद्योगिकी का विपणन

परिषद उत्तराखण्ड की आर्थिक प्रगति को त्वरित करने के लिये उन क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के विपणन पर बल दे रही हैं, जहां उत्पाद जल्दी खराब हो जाते हैं। परिषद

इस कार्य हेतु उत्तराखण्ड की विभिन्न संस्थाओं को नई तकनीक तथा सुविधाओं को उपलब्ध कराने में पूरी सहायता प्रदान करती हैं।

प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र तथा ग्रामीण तकनीक मिशन की स्थापना

इस परियोजना के अन्तर्गत परिषद स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिये प्रयुक्त की जा रही तकनीकों के विकास एवं उच्चीकरण का कार्य करती हैं। वर्तमान में यह कार्य जनपद स्तर पर संचालित किया जा रहा है, अतिशीघ्र इसको ब्लॉक स्तर पर क्रियान्वित किया जायेगा। इन केन्द्रों से पारम्परिक अनुभव तथा ज्ञान के साथ–साथ आधुनिक तकनीक तथा विज्ञान का उपयोग कर लोगों को लाभ पहुंचाया जायेगा।

कार्यक्रम कैलेण्डर

प्रदेश के विद्यालयों में परिषद द्वारा विज्ञान प्रसार केन्द्रों के माध्यम से निम्नलिखित दिवसों पर विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं :–

1.	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	–	28 फरवरी
2.	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	–	08 मार्च
2.	विश्व जल दिवस	–	22 मार्च
3.	विश्व पृथ्वी दिवस	–	22 अप्रैल
4.	विश्व बौद्धिक सम्पदा अधिकार दिवस	–	26 अप्रैल
4.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	–	11 मई
5.	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस	–	22 मई
6.	विश्व पर्यावरण दिवस	–	05 जून
7.	ओजोन दिवस	–	16 सितम्बर
8.	अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	–	10 नवम्बर
9.	पर्यावरण संरक्षण दिवस	–	25 नवम्बर
10.	राष्ट्रीय गणित दिवस	–	22 दिसम्बर

4

उपलब्धियाँ

साइंस सिटी

राज्य में विज्ञान लोकव्यापीकरण एवं वैज्ञानिक चेतना बढ़ाये जाने के उद्देश्य से राजधानी देहरादून अन्तर्गत विज्ञान धाम, झाजरा में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से साइंस सिटी का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। यह राज्य के लिये गौरव की बात है एवं शिक्षा जगत एवं वैज्ञानिक समुदाय के लिये प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरेगा। उक्त परियोजना रू० 173 करोड़ में बनकर तैयार होगी।

18वां राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मलेन

उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून द्वारा प्रतिवर्ष राज्य स्तरीय उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस का आयोजन किया जाता है जिसमें राज्य भर से लगभग 500 शोधार्थी अपने सारांश को देश के विभिन्न संस्थानों से आये विषय विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुतिकरण करते हैं। विज्ञान कांग्रेस के रूप में शोधार्थियों को एक ऐसा मंच उपलब्ध होता है जहां उनके शोध को पहचान मिलती है।

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित 18वां राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मलेन का आयोजन दिनांक 8–9 फरवरी 2024 को उतराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में किया गया। इस विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय **"भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा, विभव शांति और सद्भाव"** रहा, जिसका उद्देश्य पारंपरिक स्वदेशी ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच एक समन्वय स्थापित करना है, ताकि हम परम्पराओं को संयोजित करते हुए आधुनिकता की ओर अग्रसर हों। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन (य0एस0एस0टी0सी0) का वार्षिक आयोजन विचार–विमर्श तथा ज्ञान विनिमय का एक ऐसा सशक्त मंच है, जहाँ राज्य के समेकित विकास हेतु वैज्ञानिक एवं तकनीकी मानव संसाधन तथा उनकी अद्यतन उपलब्धियों के बेहतर उपयोग की रणनीति तैयार करने के लिए अनुसंधान युवा वैज्ञानिकों को राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सम्मेलन में युवा शोधकर्ताओं द्वारा अनुसंधान प्रस्तुतियों के तकनीकी सत्रों के साथ–साथ प्रख्यात वैज्ञानिकों, विद्वानों, विचारकों और नीति एवं विकास प्रयासों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाती है।

इस 18वें उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन का विमर्श पारंपरिक एवं स्वदेशी ज्ञान प्रणाली पर केन्द्रित रही हैं, इसका उद्देश्य पारंपरिक स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और आधुनिक विज्ञान के मध्य बढ़ते अलगाव को कम करने की दिशा में से एक नये चिन्तन का सूत्रपात करना है कि किस प्रकार भिन्न से प्रतीत होते हुए भी पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान प्रणालियाँ एक दूसरे से सामंजस्य रखते हुए स्वयं को निरन्तर समृद्ध कर सकती हैं। यह सम्मेलन एक समावेशी मंच के रूप में प्राचीन भारतीय मनीषा और समकालीन युग में उसकी प्रासंगिकता की खोज के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों और प्रयोगकर्ताओं को एक साथ विमर्श का अवसर प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपरा को उसके समकालीन एवं आधुनिक आयामों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन0ई0पी0), 2020 में परिकल्पित विभिन्न शैक्षिक धाराओं में शामिल करने के तरीके भी खोजना है।

पूर्व राज्यपाल, महाराष्ट्र और पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड, श्री भगत सिंह कोश्यारी उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विज्ञान और भारतीय परम्पराओं के बीच सामंजस्य का काम करेगा। पदमश्री डॉ0 अनिल प्रकाश जोशी, ने प्रकृति संरक्षण, इकोनॉमी और इकोलॉजी पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो0 सुरेखा डंगवाल ने नई शिक्षा नीति, स्थानीय भाषाओं का महत्व, वैदिक ज्ञान और वर्तमान समय में उसकी उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ एजुकेटर कॉन्कलेव, डायरेक्टरस कॉन्कलेव, भारतीय ज्ञान परम्परा पर मंथन सत्र, पारम्परिक ज्ञान और आध्यात्म पर विचार मंथन सत्र का भी आयोजन किया गया। डा0 दीपांकर बैनर्जी, निदेशक, आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान ने आदित्य एल वन मिशन और उससे जुड़ी तकनीकी और स्पेस वैदर तकनीक से जानकारी से सबको अवगत कराया। इस अवसर पर अभिनेता दिलीप ताहिल ने फिल्म इंडस्ट्री और अध्यात्म विषय पर एक व्याख्यान दिया। प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकॉस्ट ने सबका स्वागत करते हुए कहा कि यह कांग्रेस हमारे पारम्परिक और वैदिक ज्ञान को पहचान दिलाने का काम करेगी। उन्होंने कहा यह विज्ञान कांग्रेस भारतीय पारंपरिक ज्ञान को फिर से पुनर्जीवित और प्रदर्शित करने का भी एक प्रयास है। इसके साथ ही विज्ञान कांग्रेस में शषि, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, गृह विज्ञान, भूविज्ञान, गणित, अभियांत्रिकी, भौतिकी, ग्रामीण विज्ञान, जीव विज्ञान आदि विषयों में उत्तराखंड के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों के विज्ञान और प्रौद्योगिकी कॉलेजों में अध्ययनरत, कार्यरत शोधार्थियों और युवा वैज्ञानिकों के शोध कार्यों पर भी तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के दौरान राज्य में स्थित केंद्र सरकार और राज्य सरकार के विभिन्न संस्थानों द्वारा उनके विशिष्ट कार्यों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम में राज्यभर से आए 400 से अधिक शोधार्थी, विभिन्न शिक्षण और शोध संस्थाओं के वैज्ञानिक, शिक्षाविद और विशेषज्ञ शामिल हुए।

18वाँ उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन 2024
''भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा-विश्व शान्ति और सद्भाव''
आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन
8 से 9 फरवरी 2024

18th Uttarakhand State Science and Technology Congress 2024
08-09 February, 2024 | **UOU, Haldwani**

LIST OF AWARDEES

DISCIPLINE	O/P	CAT.	NAME & ADDRESS OF THE AWARDEES
1- AGRICULTURAL SCIENCES	Oral	I	**Ms Roopam Kunwar** Department of Entomology, G. B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, Uttarakhand, India
		II	**Ms Akanksha Ruhela** Department of Entomology, College of Agriculture, Govind Ballabh Pant University of Agriculture and technology, Pantnagar
	Poster	I	**Ms Krishna** Department of Entomology, College of Agriculture, Govind Ballabh Pant University of Agriculture and technology, Pantnagar
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
2-BIOTECHNOLOGY, BIOCHEMISTRY & MICROBIOLOGY	Oral	I	**Ms Yogita Bisht** G B. Pant National Institute of Himalayan Environment, Gharwal Regioanl Centre, Srinagar Garhwal-246174, Uttarakhand, India
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Mr Saif Ali** University of Petroleum & Energy Studies (UPES), Bidholi Dehradun
		II	**Mr Vibhash Dhyani** Centre for Biodiversity Consrvation and Management, GBP-NIHE, Kosi-Katarmal, Almora
3- Botany, Environmental Science and Forestry	Oral	I	**Ms Shweta Rawat** Forest Tree Seed Laboratory, Forest Research Institute, Dehradun-248001
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Reetika Binjola** Veer Chandra Singh Garhwali Uttarakhand University of Horticulture & Forestry, College of Forestry, Ranichauri, Uttarakhand

		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
4-CHEMISTRY	Oral	I	**Ms Samiksha Bisht** Functional Food Packaging Lab IIT Roorkee, Uttarakhand, India
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Kavita Mishra** Department of Chemistry, Doon University, Dehradun
		II	**Mr Ankit Pandey** Uttaranchal University Dehradun, 248007, Uttarakhand
5-EARTH SCIENCES INCLUDING GEOLOGY, GEOMORPHOLOGY, GEOPHYSICS, GLACIOLOGY AND GEOGRAPHY	Oral	I	**Ms Pooja** HNB Garhwal University, SRT Campus Badshahithaul Tehri
		II	**Ms Sita Bora** Wadia Institute of Himalayan Geology, Dehradun
	Poster	I	**Ms Pooja Chand** Centre of Advanced Study in Geology, Kumaun University,Nainital
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
6- Engineering Sciences, Material Science and Nano Technology	Oral	I	**Ms Diksha Bhatt** PRS-NSNT Centre, Department of Chemistry, D.S.B. Campus, Kumaun University, Nainital
		II	**Mr Dakuri Ramakanth** Department of polymer & Process Engg. IIT Roorkee, Roorkee
	Poster	I	**Mr Rohit Kumar** Graphic Era (Deemed to be University), Dehradun
		II	**Ms Shreejaya Sivadas** College of Technology, G. B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar-263145, Uttarakhand, India
7- Home Science, Health and Nutrition	Oral	I	**Ms Anjali Danai** Department of Clothing & Textiles G. B. Pant University of Agriculture and Technology Pantnagar, Uttarakhand
		II	**Ms Nidhi** MB Government PG College, Haldwani Nainital-263139

	Poster	I	**Ms Charu Bisht** G. B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar-263145, Uttarakhand, India
		II	**Ms Premlata** IDP-NAHEP, GBPUAT, Pantnagar
8- MATHEMATICS, STATISTICS AND COMPUTER SCIENCE	**Oral**	I	**Ms Diksha Dumka** Department of Mathematics, National Institute of Technology, Srinagar
		II	**Mr Anurag Bhatt** Uttarakhand Open University, Behind Transport Nagar, Haldwani
	Poster	I	**Ms Avantika Gaur** Department of Computer Science, Doon University, Dehradun
		II	**Ms Radha** Department of Mathematics, School of Science Uttarakhand Open University, Haldwani, Uttarakhand
9- MEDICAL SCIENCE AND PHARMACEUTICAL SCIENCE	**Oral**	I	**Ms Esther Lalringzo** Department of Psychiatry AIIMS, Rishikesh
		II	**Ms Sikha Morang** All India Institute of Medical Sciences, Rishikesh, Uttarakhand
	Poster	I	**Ms Riyakshi Negi** Department of biotechnology School of Health Sciences and technology,UPES,Bidholi,via,Premnagar,Dehradun
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
10- Physics	**Oral**	I	**Mr Pramesh Tamta** Department of Physics, Kumaun University, Nainital
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
11- RURAL SCIENCE, TECHNOLOGY AND SOCIETY	**Oral**	I	**Ms Shefali Tripathi** Department of Paper Technology, IIT Roorkee
		II	**Ms Sugandha** Silviculture and Forest Management Division FRI, Dehradun, Uttarakhand
	Poster	I	**Mr Ankit Sati** Department of Rural Technology, HNB Garhwal University

		II	**Mr Bipin Sati** Uttarakhand State Council for Science and Technology UCOST, Dehradun And **Ms Monika Sharma** IDP-NAHEP, G. B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar-Uttarakhand
12- ZOOLOGY, VETERINARY SCIENCE AND ANIMAL HUSBANDRY	**Oral**	I	**Ms Shobha Upreti** Soban Singh Jeena University Campus, Almora, Uttarakhand, India, and Department of Zoology, Kumaun University, Nainital Uttarakhand, India
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Ranjana Goswami** Ecology and Biodiversity Lab MB Govt PG College, Haldwani. Nainital - 263139" And **Ms Saurabhi Bisht** Ecology and Biodiversity Lab MB Govt PG College, Haldwani. Nainital - 263139"
		II	**Ms Sangeeta Rawat** Department of Zoology, Kumaun University, S.S.J. Campus Almora, Uttarakhand, India And **Mr Narendra Singh Lotani** Ecology and Biodiversity Lab MB Govt PG College, Haldwani. Nainital - 263139"
13- Vedic, Indigenous and Traditional Knowledge Systems etc.	**Oral**	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	**Mr Abhishek Jamloki** High Altitude Plant Physiology Research Centre (HAPPRC), HNB Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand, India
	Poster	I	**Mr Sachin Kumar** Department of Botany and Microbiology, Gurukula Kangri (Deemed to be University), Haridwar-249404
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
14 INNOVATORS OF THE YEAR			**Mr Hemant Kumar Sharma** G. B. Pant University of Agriculture and Technology Pantnagar Uttarakhand

19वां राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मलेन

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित 19वां राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मलेन का आयोजन दिनांक 28–30 नवम्बर, 2024 को दून विश्वविद्यालय, देहरादून में किया गया।

उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा आयोजित 19वां उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्मेलन (यूएसएसटीसी) सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। युकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने वैज्ञानिक संवाद, अनुसंधान सहयोग और नवाचार के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया। जिसमें प्रतिदिन 1,500 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति ने सम्मेलन को विज्ञान और सतत विकास को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर बनाने में अपनी भूमिका निभाई है।

दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने यूकॉस्ट को सहयोगी भागीदार बनने के लिए धन्यवाद दिया और विभिन्न संस्थानों के शोधकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सिलक्यारा विजय अभियान की सफलता का उल्लेख करते हुए इसे उम्मीद और दृढ़ता का प्रतीक बताया।

यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक व 19वें यूएसएसटीसी के आयोजन सचिव डॉ. डी.पी. उनियाल, ने अपने समापन संबोधन में दून विश्वविद्यालय में यूकॉस्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में 1,500 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी रही। इस दौरान जल सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और रक्षा में एआई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन में 13 विभिन्न तकनीकी सत्रों में शोधार्थियों को यंग साइंटिस्ट पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर डॉ उनियाल ने देश प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी व इस सम्मेलन में प्रतिभाग के करने के लिए सभी प्रतिभागियों का विशेष धन्यवाद दिया।

डॉ. उनियाल ने उत्तराखंड में विज्ञान को आगे बढ़ाने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यूकॉस्ट की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

मुख्य अतिथि सुश्री ऋतु खंडूरी भूषण ने वैज्ञानिक अनुसंधान में जमीनी स्तर पर भागीदारी और स्थानीय समुदायों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को अपनाने का आह्वान किया।

यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा, "हिमालय हमेशा मार्गदर्शक रहे हैं और आगे भी रहेंगे। 2047 तक उत्तराखंड वैश्विक स्तर पर अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए पहचाना जाएगा।" उन्होंने प्रधानमंत्री जी का सिलक्यारा विजय अभियान को समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त किया और जलवायु परिवर्तन और जल सुरक्षा में वैज्ञानिक अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन की मुख्य उपलब्धियां

- तकनीकी सत्रः 13 सत्रों में 200 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत।
- युवा वैज्ञानिक पुरस्कारः 24 पुरस्कार प्रदान किए गए, जिनमें 16 महिला शोधकर्ताओं को।
- प्रदर्शनीः 50 से अधिक स्टॉलों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति को प्रदर्शित किया गया।
- स्वास्थ्य जांचः ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के स्वास्थ्य विंग के सहयोग से 3,000 छात्रों की जांच।
- केंद्र स्थापनाः उत्तराखंड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जल संसाधन प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की घोषणा।

प्रमुख सत्र

1. हिमालय में जल सुरक्षा और संसाधन प्रबंधन।
2. भावनात्मक अनुकूलन का विज्ञान और कला।
3. हिमालयी क्षेत्र में जल आपदाओं और फ्लैश फ्लड के लिए रणनीतियां।
4. भारतीय ज्ञान प्रणालीः संस्कृत और विज्ञान।
5. सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन।
6. विज्ञान संचार का हिमालय क्षेत्र में महत्व।
7. रक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का रणनीतिक उपयोग।

इस अवसर पर पद्म भूषण प्रो. के.एस. वाल्दिया और डॉ. धीरेंद्र स्वामी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

19 वां उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन - 2024

19th Uttarakhand State Science and Technology Congress 2024
28-30 November 2024 | **Doon University, Dehradun**

LIST OF AWARDEES

DISCIPLINE	O/P	CAT.	NAME & ADDRESS OF THE AWARDEES
1- AGRICULTURAL SCIENCES	Oral	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Radha Joshi** Dept of Entomology, College of Agriculture, GB Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, US Nagar
		II	**Mr Rahul Anand** Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, Uttarakhand
2- BIOTECHNOLOGY, BIOCHEMISTRY & MICROBIOLOGY	Oral	I	**Ms Anamika Jangra** Plant Physiology Discipline, Division of Genetics & Tree Improvement, Forest Research Institute, Dehradun
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Nikita Bhadri** Department of Biotechnology, Govind Ballabh Pant Institute of Engineering and Technology, Ghurdauri, Pauri Garhwal
		II	**Ms Shivani Rohilla** Genetics and Tree Improvement Division, Forest Research Institute, P.O. New Forest, Dehradun
3- Botany, Environmental Science and Forestry	Oral	I	**Ms Anjali Koranga** LSM Campus, S.S.J. University, Almora
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Deepa Rana** DSB Campus, Kumaun University, Nainital
		II	**Shri Padam Singh** College of Forestry, Ranichauri P.O. Ranichauri, Distt. Tehri Garhwal
4-CHEMICAL SCIENCES	Oral	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Mr Suraj Purohit** Department of Chemistry School of Physical Sciences, Doon University, Dehradun
		II	**Mr Suresh Chand Andola** Gurukula Kangari (Deemed to be University), Haridwar
5-EARTH SCIENCES INCLUDING	Oral	I	**Mr Sumit** HNB Garhwal University, SRT Campus Badshahithaul, Tehri

GEOLOGY, GEOMORPHOLOGY , GEOPHYSICS, GLACIOLOGY AND GEOGRAPHY		II	**Ms Sana Rafi** HNB Garhwal University, SRT Campus Badshahithaul, Tehri
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
6- Engineering Sciences, Material Science and Nano Technology	**Oral**	I	**Mr Abhishek Raturi** Department of Physics, HNB Garhwal University, Srinagar
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Nivedita** Shri Guru Ram Rai University, Dehradun
		II	**Mr Siddharth Kashyap** G.B. Pant Institute of Engineering and Technology, Pauri Garhwal
7- Home Science, Health and Nutrition	**Oral**	I	**Ms Akansha** Gurukula Kangri (Deemed to be University), Haridwar
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
8- MATHEMATICS, STATISTICS AND COMPUTER SCIENCE	**Oral**	I	**Ms Nikita Garg** Department of Computer Science & Engineering, HNB Garhwal University (A Central University), Srinagar Garhwal, Uttarakhand, India
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
9- MEDICAL SCIENCE AND PHARMACEUTICAL SCIENCE	**Oral**	I	**Ms Priyanka Uniyal** UPES, Dehradun
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	**Ms Rashmi Sikha** Devsthali Vidhyapeeth College of Pharmacy, Lalpur, Rudrapur, U.S. Nagar
10- Physical Sciences	**Oral**	I	**Ms Neelam Sharma** DSB Campus, Kumaun University, Nainital, Uttarakhand
		II	**Ms Taufiq Ahmad** Maya Devi University, Uttarakhand, India
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
11- RURAL SCIENCE, TECHNOLOGY AND	**Oral**	I	**Mr Nabdeep Singh** Department of Rural Technology, HNB Garhwal University Srinagar Garhwal

SOCIETY		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
12- ZOOLOGY, VETERINARY SCIENCE AND ANIMAL HUSBANDRY	**Oral**	I	**Ms Suman Upadhyay** Department of Zoology, SSJ Campus, Almora
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
	Poster	I	**Ms Sonali Khali** Fly lab, Department of Zoology, HNB Garhwal University, Srinagar
		II	-------- NONE FOUND SUITABLE----------
14 GRASSROOT INNOVATORS OF THE YEAR			-------- NONE FOUND SUITABLE----------

तृतीय सीमान्त पर्वतीय जनपदीय बाल विज्ञान महोत्सव

पिथौरागढ़ में उत्तराखण्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा आयोजित तृतीय सीमान्त पर्वतीय जनपदीय बाल विज्ञान महोत्सव का शुभारंभ आज हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस महोत्सव का आयोजन प्रसिद्ध भू–वैज्ञानिक पद्मश्री एवं पद्मभूषण प्रो. के. एस. वल्दिया की स्मृति में किया जा रहा है। यह दो दिवसीय आयोजन उत्तराखंड के सीमांत पर्वतीय जनपदों के छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अनूठा अवसर प्रदान कर रहा है, जो उनकी वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि माननीय कैबिनेट राज्यमंत्री, भारत सरकार एवं अल्मोड़ा–पिथौरागढ़ लोकसभा के सांसद अजय टम्टा जी द्वारा किया गया। उन्होने अपने उद्बोधन में विज्ञान शिक्षा को दूरस्थ क्षेत्रों में पहुँचाने के यूकॉस्ट के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अपने ज्ञान और कौशल को समाज के हित में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने स्वागत उद्बोधन देते हुए सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और छात्रों का अभिनंदन किया। उन्होंने बाल विज्ञान महोत्सव के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए इसे सीमांत क्षेत्रों के छात्रों में विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने सीमांत क्षेत्रों के छात्रों को विज्ञान की मुख्यधारा से जोड़ने और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रेरित किया। मैती आन्दोलन के संस्थापक पद्मश्री कल्याण सिंह रावत जी ने पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक प्रयासों के महत्व पर अपने विचार साझा किए। मानस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के अध्यक्ष डॉ. अशोक पंत ने छात्रों को शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार की महत्ता बताई। डीएसटी भारत सरकार के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी. के. पाण्डे ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग के विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया, वहीं सोबन सिंह जीना आवासीय विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा के पूर्व कुलपति प्रो. एन. एस. भण्डारी ने वैज्ञानिक सोच के विकास और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। बीरबल साहनी संस्थान, लखनऊ के पूर्व निदेशक डॉ. सी. एम. नौटियाल ने विज्ञान की जटिलताओं को समझने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। इस महोत्सव का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों के छात्रों में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के प्रति रुचि उत्पन्न कर उन्हें भविष्य में समाज की उन्नति में योगदान के लिए प्रेरित करना है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के उद्यमिता विकास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम उत्तराखंड में पंजीकृत गैर–सरकारी संगठनों (NGO), स्वयं सहायता समूहों (SHG) और विभिन्न संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है, ताकि वे उद्यमिता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, टैक्नोलाजी रिर्सोस सेन्टरस की स्थापना एवं सामान्य सुविधा केन्द्र की स्थापना करने की दिशा में कार्य कर सकें।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों एवं जंगली खाने योग्य फलों, औषधीय एवं सगंध पौधों का संवर्धन एवं प्रसंस्करण, मधुमक्खी पालन एवं प्रसंस्करण, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार के अवसरों को विकसित करना और स्वरोजगार को एक स्थायी एवं वैज्ञानिक ढांचे के तहत प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जाता है।

यूकॉस्ट के इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं को न केवल व्यवसायिक कौशल सिखाए जाते हैं, बल्कि उन्हें व्यापार प्रबंधन, विपणन रणनीतियाँ, वित्तीय योजना, सरकारी योजनाओं की जानकारी और बाजार तक पहुंचने के लिए आवश्यक संसाधनों के बारे में भी विस्तार से बताया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 में जिलावार स्वीकृत परियोजनाएं

क्रम संख्या	जनपद का नाम	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या
1	अल्मोडा	01
2	नैनीताल	03
3	चम्पावत	02
4	पिथौरागढ	01
5	देहरादून	06
6	टिहरी गढवाल	01
7	उत्तरकाशी	01

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

क्रम संख्या	जनपद का नाम	लाभार्थियों की संख्या
1	नैनीताल	65
2	चम्पावत	80
3	पिथौरागढ	110
4	देहरादून	35
5	टिहरी गढवाल	65
6	रूद्रप्रयाग	50
7	चमोली	90
8	उत्तरकाषी	100
9	हरिद्वार	50

19वें उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस (USSTC-2024) में गैर–सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को अपने उत्पादों की मार्केटिंग के लिए स्टॉल प्रदान किए गए, जिससे उन्हें व्यापक स्तर पर अपने उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री करने का अवसर मिला। इस पहल से स्थानीय कारीगरों, महिलाओं और उद्यमियों को न केवल अपने उत्पादों को वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और आम जनता के सामने प्रस्तुत करने का मंच मिला, बल्कि उनके कार्यों को सराहना भी मिली। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने उनके नवाचारों और उत्पादों की गुणवत्ता की प्रशंसा की, जिससे उन्हें नए बाजारों तक पहुंचने और अपने व्यवसाय को सशक्त बनाने में मदद मिली। इस आयोजन ने स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और बिक्री को बढ़ावा देने के साथ–साथ आत्मनिर्भरता और सतत उद्यमिता को प्रोत्साहित किया।

वर्ष 2024–25 में स्वीकृत विज्ञान लोकव्यापीकरण परियोजना का विवरण

S.No.	ORGANIZER DETAILS	CONFERENCE/SEMINAR/ SYMPOSIUM/WORKSHOP	GRANT SANCTIONED (RS.)
1	**Apni Dharohar Society**, Apni Dharohar Society, apnidharoharsociety@gmail.com, 8126399733	Workshop/Seminar, Protection of spiritual heritage in technical age	Rs. 2,00,000/-
2	**INDIAN ASSOCIATION OF SOIL AND WATER CONSERVATIONISTS** (IASWC), INDIAN ASSOCIAITON OF SOIL AND WATER CONSERVATIONISTS (IASWC), ICAR-IISWC, secretary@iaswc.com, 8630353276	Conference, National Conference on Living with Nature: Soil, Water And Society In Ecosystem Conservation (LNSWSEC-2024)	Rs.3,50,000/-
3	**Dr. Arvind Ayyer**, Department of Mathematics, Indian Institute of Science, arvind@iisc.ac.in, 9901640616	Conference, 2nd Meru Conference 2024	Rs.3,00,000/-
4	**Prof. (Dr) Manoj Bisht**, PHARMACY, DEVSTHALI VIDYAPEETH COLLEGE OF PHARMACY, dvcp.rdr@gmail.com, 8445947373	Conference, CONFERENCE	Rs.1,50,000/-
5	**Shaurya Naman welfare Society**, Education Department, shauryanamanwelfaresociety@gmail.com, 9897037870	Workshop/Seminar, Training Workshop for Teachers to teach Science through Fun and Interesting activities for School Children	Rs.4,50,000/-
6	**Dr Hayat Singh Rawat**, Kumauni bhasha, sahity awm sanskriti prachar Samiti., pahru.uttarakhand@gmail.com, 9412924897	Workshop/Seminar, Seminar on Folk science and its conservation.	Rs.1,00,000/-
7	**INTEGRATED MOUNTAIN INITIATIVE**, INTEGRATED MOUNTAIN INITIATIVE, secretary.imi@inmi.in, 8617018871	Workshop/Seminar, Seminar on: Water and disasters: moving towards resilience in Uttarakhand	Rs.2,00,000/-
8	**Prof. Rajendra Singh Negi**, Department of Rural Technology, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University, rsnegi6474@gmail.com, 9412079426	Conference, Publication of proceedings/Edited Book of the National Conference- Prospects and Challenges: Promoting Sustainable Farming Systems in Mountain Regions of Uttarakhand	Rs.1,00,000/-
9	**Mr. Rajbahadur Saini ,** Agriculture and Horticulture, Village Development Society, vdshardwar@gmail.com, 9719255509	Workshop/Seminar, Empowering Farmers: Advanced Agriculture and Horticulture Practices with Extension Activities in Haridwar	Rs.2,00,000/-
10	**Gulshan Kumar Dhingra, Botany** (Dehradun district Coordinator UCOST)), Pt. L.M.S Campus, Rishikesh (Sridev Suman Uttarakhand University), gulshan_k_dhingra@yahoo.com, 7017976632	Workshop/Seminar, Science Awareness Activities/ Exposure Visits/Scientific Writing/ Hands-on Training	Rs.3,00,000/-
11	**Ms. Chinta Rawat**, Education, Swami Omkaranand Saraswati Junior High School Jajal, Tehri Garhwal, Uttarakhand, sosjhjajal@gmail.com, 9720504470	Workshop/Seminar, Workshop	Rs.2,50,000/-
12	**Dr. Rajendra Singh Kweera**, Educational society, Surmount Public School welfare educational society, kweerarajendra@gmail.com, 9837326427	Workshop/Seminar, Scientific documentation on traditional heritage sites of Champawat	Rs.3,00,000/-

13	**Deepak Joshi**, Awareness, Aadars Jan Jagran Evam Jan Kalyan Samiti, dj217280@gmail.com, 8449026627	Workshop/Seminar, Waste Managment	Rs.3,00,000/-
14	**Krishna Singh**, Environment, JARI-BUTI & PARYAVARN SHODH SAMITI, ks3728973@gmail.com, 9528363928	Workshop/Seminar, Himalayan System Science - Biodiversity Conservation & effect of climate change on biodiversity, Human-wildlife Conflict	Rs.3,00,000/-
15	**Jal Vayu Towers Residential Society**, Residential society, Jal Vayu Towers Residential Society, jvtrwajhajjraoffice@gmail.com, 9307066986	Workshop/Seminar, Biodiversity Park between residential colony Jal Vayu Towers and River Tons	Rs.3,00,000/-
16	**Dr. Poonam Miyan,** Devbhoomi Vigyan Samiti Uttarakhand (State Unit Of Vibha), poocares4u@gmail.com, 9917914414	Workshop/Seminar, One Day Workshop on Relevance of Ancient Knowledge Systems in the present Scenario	Rs.75,000/-
17	**Daya Shankar, Bhartiya Shikshan Mandal uttarakhand,** Bhartiya Shikshan Mandal, bsmuttrakhand@gmail.com, 9720615304	Conference, Ancient Indian Wisdom in the Modern Era: Science, Technology, and Innovation	Rs.1,25,000/-
18	**Dr. Ravish Joshi**, Kumaun Agriculture and Greenery Advancement Society (KAGAS), Kumaun Agriculture and Greenery Advancement Society (KAGAS), kagas_in@yahoo.com, 9412095649	Workshop/Seminar, "Skill Development Workshop: Aipan and Handloom Training for Women in Champawat"	Rs.4,50,000/-
19	**Mr. Sanjeev Pant**, State Coordinator, Management, Gramin Avam Parvatiya Utthan Samiti, hr.gpus@gmail.com, 9412987052	Workshop/Seminar, Workshop on Role of Forest in Water Conservation And Water quality awareness Among Community	Rs.1,50,000/-
20	**Rajendra Singh Negi**, The Himalyan Environmental Rural Development (T.H.E.R..D), The Himalyan Environmental Rural Development (T.H.E.R..D), rajendranegi.hecmt@gmail.com, 9368800893	Workshop/Seminar, Organization of various skill enhancements workshop for the women of Rudraprayag District	Rs.2,50,000/-
21	**Prof. Hemwati Nandan**, Devbhoomi Vigyan Samiti Uttarakhand (State Unit of Vibha), hemwati.nandan.physics@gmail.com, 7017907069	Workshop/Seminar, From Waste to Wonder: Exploring Science through Recycled Creations	Rs.2,00,000/-
22	**Dr. Archana Tripathi**, IPR Cell, Swami vivekanand government postgraduate college, lohaghat, dr.archana1816@gmail.com, 7535845171	Conference, GI Tags: Enhancing global recognition	Rs.1,00,000/-

23	**Mr. Nand Kishore Hatwal President,** HIMWAL SOCIETY, Engineering, Gaura Devi Government Polytechnic Joshimath, gpjoshimath@gmail.com, 8126357877	Conference, Enhancing Health through Water & Nutrition: Empowering students and Rural Women in Joshimath, Uttarakhand	Rs.1,00,000/-
24	**Mrs. Sarojni Kaintura,** President, Parvatiya Mahila Chetna Sewa Samiti, Kaintura Bhawan, Devi Road, Shibhu Nagar, Kotdwar, Pauri Garhwal (Uttarakhand)-246149,	Workshop on Waste Management"	Rs.3,00,000/-
25	**Mr. Inder Singh,** Director, Devbhoomi Swaraj Foundation, Ramola Niwas, Shivpuram, Nakaraunda, Dehradun, Uttarakhand.	Workshop on Impact of climate change on ecosystem and Biodiversity"	Rs.5,00,000/-
26	**Mrs. Sunita Nautiyal,** President, Mahila avam bal uthan samiti, 19C Shubhas Road, Dehradun, Uttarakhand	"Dun Ghati Swatch Ghati (Waste Management)"	Rs.4,00,000/-
27	**Dr. Richa Chauahan & Dr. Tarun Kumar Gupta,** Dept. of Botany and Mathematics, Chaman Lal Mahavidhyalaya, Landhora, Haridwar, Uttarakhand-249404.	Workshop on "Agri-Entrepreneurship: Opportunities and Challenges"	Rs.60,000/-
28	**Mr. Rajesh Thapliyal,** Uttaranchal Utahan Parisad, Seva Niketan, Haridwar road Negrugram, Dehradun, Uttarakhand	Water Education: A Workshop on Water Conservation Techniques	Rs.1,00,000/-
29	**Sparsh Himalaya Foundation,** Lekhak Gaanv, Thano, Dehradun	International Literature, culture, and Arts festival (Sahitya, Kala & Sanskrtiti Mahotsav),	Rs.10,00,000/-
30	**Dr. Sudhir Joshi,** Dept. of Aerospace Engineering, Graphic Era (Deemed to be University), Dehradun	"International Conference on IC Engine, Propulsion and Combustion- 1.0)	Rs.5,00,000/-
31	**Mr. Kunwar Bahadur** Asthana, (President) 02, Raj Residency, Rajaram Vihar, Sahastradhara Road, Dehradun	"5th Dehradun International Science & Technology Festival-2024 (5th DISTF-2024)".	Rs.11,80,000/-
32	**Dr. Poonam Singhal** Dev Bhoomi Campus, Chakrata Road, Manduwala, Naugaon, Uttarakhand -248007, Tel- 8302389668 Email-pcm.manvir@dbuu.ac.in	International conference on green sustainable solutions	Rs.2,00,000/-

33	**Dr. Biharilal Jalandharer** Secretary –Trust (Ubhaan) G-4/86-87. Sant Mohalla (Chhuriya Mohalla) Village; Post Tughlakabab ,New Delhi -110044 Tel- 9650188494	Present unified literature using words similar to the folk languages of Uttarakhand.	Rs.2,00,000/-
34	**Sh. Kunj Mendapara** Senior Manager, E-Summit'25 IIT Roorkee Tel- 8140458290 Email- kunj_bm@me.iitr.ac.in	E-Summit 2025	Rs.2,50,000/-
35	**Prof. Asha Chandola** Saklani Fellow Indian Academy of Science Dept of Community Medicine, Medicine,HIMS, SRHU Jolly Grant, Doiwala, Dehradun-248016 Tel:1352471262, 9958885335 Email:ashachandola@srhu.ed.in	Workshop on Biology & Medicine in AI Era with hands on Workshop 'Datamining Statistics &ML tools in Biomedicine (Exclusively for Garhwal Kumaun participants)	Rs.3,00,000/-
36	**Prof.(Dr.) Preeti Kothiyal** Dev Bhoomi Campus,Chakrata Road, Naugaon Manduwala, Dehradun-248007 Uttarakhand Tel: 7579031357 Email: dean.sopr@dbuu.ac.in	Pharma Connect – Integrating Science, Industry & Technology for a Sustainable Furure "PC-ISIT25	Rs.2,00,000/-
37	**Sh. Prateek Panwar** A 15, PC Treasure Valley,Gangotri,Vihar,Canal Road, Dehradun -248005 Tel: 9412054216 Email: arch.birdcount@gmail.com	The 12th GREAT HIMALAYAN BIRD COUNT 2024	Rs.6,00,000/-
38	**Sh. Kunwar Raj Asthana** Organising Secretary 5th Dehradun International Science and Technology Festival -2024 Tel: 8433456398,9410353164 Email: sradstauk@gmail.com	5th Dehradun International Science and Technology Festival -2024 (Meditech)	Rs.5,00,000/-
39	**Prof. Reena Chandra** Head, Dept. of Education DAV(P.G.) College, Dehradun Email: reenachandra1963@gmail.com Mob:8755453591	International Conference on Innovative Sustainable Agricultural and Livestock Technology.	Rs.40,000/-
40	**Sh. Uday Kiraula** Children's Literature Institute Almora, Uttarakhand Registered Society Darbarinagar, Almora, Uttarakhand -263601 Tel: 9412162950 Email: balprahri@gmail.com	Lok Vigyan or Vigyan ki awdharana	Rs.1,00,000/-

41	**Sh. Naresh Chandra Ghildiyal** Secretary, Adharshila Sansthan Village Kumaldi Post Office Dhamdhar Block Rikhnikhal District Pauri Garhwal Uttarakhand-246179 Email: Adharshila.sansthan2005@gmail.com	The core focus of the seminar highlighting the dual emphasis on fostering STEM careers and leveraging technology to enhance rural development.	Rs.2,00,000/-
42	**Dr. Narendra Kumar Singh** M. B. Govt. P.G. College Haldwani,Nainital -263139 Tel: 7536881605, 9760388538 Email: nsijwali@gmail.com novalkishor@gmail.com	Basic Concepts of Mathematics and Recent Trends in Quantum Mechanics	Rs.1,50,000/-
43	**Mrs. Jyoti Juyal Pant** Sushila Institute of Medical Sciences Sheeshambara, Singhniwala, Chakrata Road, Dehradun	Breathing a new life-Role of Physiotherapy in public health for copd prevention	Rs.50,000/-
44	**Dr. Jogindra Kumar** Dept. of Physics DIT University, Makkawala, Mussoorie-Diversion Road, Dehradun-248009 **Email:***jogendra.kumra@dituniversity.edu.in*	6th National Conference on Recent Advancement in Physical Sciences	Rs.50,000/-
45	**Pram Seva Samiti** Village-Papgad, P.O. Charchalihakhan, Dist-Almora, Uttarakhand-263623 Email:paramseva@gmail.com	Health & Sanitization	Rs.2,00,000/-
46	**Kavita Karnataka** Lakshya Jan Swadhar Samiti, Haldwani R.K. Tent House Road Kusumkhera-263139	Water Health Hygiene and Nutrition	Rs.2,50,000/-
47	**Mr. Madhusudan** President, Chandan Vihar Kandoli, Dehradun ,Uttarakhand-248001	Seminar on water preservation and water conservation: Uttarakhand Prospective	Rs.1,00,000/-
48	**Darshana Pathak** Uttarakhand Lokvidhya Foundation Gwaldam Kafal Farm, Gwaldam, Chamoli, Uttarakhand	Samya-4 day residential workshop on Holistic Development of adloscence using Psychosomatic practices	Rs.1,00,000/-

49	**Dr. Raghav Upadhyai and Piyush Duwa** Doon School of Business and Doon School of Advance Computing,122 MI, Behaving Pharma City, Selaqui, Dehradun (UK) Email:Raghav.u@doonbusinessschool.com,piyush.dua@dgu.ac.in	Next-Gen Teaching Strategies: Harnessing Prompt Engineering and Case Teaching Techniques	Rs.50,000/-
50	**Dr. Poonam Singhal** Dev Bhoomi Campus, Chakrata Road, Manduwala, Naugaon, Uttarakhand -248007, Tel- 8302389668 Email-pcm.manvir@dbuu.ac.in	International conference on green sustainable solutions	Rs.2,00,000/-
51	**Prof. Kanchan Joshi,** Dept. of Yogic Science Dehradun, Shri Guru Ram Rai University, Pathribagh, Dehradun, Uttarakhand-248001	Conference on **Health (Nutrition)**	Rs.1,00,000/-
52	**Dr. Ajay Singh,** Professor and Dean Research (Convenor) Dept. of School of Applied and Life Sciences, Uttaranchal University, Dehradun, Uttarakhand-248007.	***"Green Chemistry and Material Science for sustainability: Quality Innovation & Challenges (ICNMGT-2024)"***	Rs.70,000/-

वर्ष 2024–25 में स्वीकृत यात्रा अनुदान परियोजना का विवरण

S.No.	Name & Organization	Event	Conference Venue
1	**Suchitra Awasthi** Uttarakhand Open University Haldwani	TS Eliot International Summer School on 07.06.2024	Merton College Oxford University United Kingdom
2	**Dr. Meera Sharma**	USCS, Uttaranchal University, Premnagar, Dehradun on 08.08.2024	IBTSS 2024 International Conference Integration of Business,Digital Technologies and social science for sustainable ASEAN and Beyond
3	**Sanjay Kumar** Department of LPM, College of Veterinary Science, UCB,Delhi	Spain Networking seminar on Higher Education on 07.07.2024	Barcelona,Madrid,Valiadolid
4	**Garima Mishra** Forest Research Institute, Dehradun	International conference of German Society for Plant Sciences(Botanik Tagung 2024) on 15.09.2024	Martin-Luthar University Halle Wittenberg, Saale, Germany
5	**Avinash Gangal** DIT University Dehradun	ISEO-2024 (International Symposium on Essential Oil) on 08.09.2024	Balatanolmadi
6	**Hemwati Nandan** HNBGU Srinagar Garhwal, Uttarakhand	East Asian Workshop on Exotic Hadrons Southeast University, Nanjing ,China on 0n 12.08.2024	Southeast University,Nanjing,China

वर्ष 2024–25 में स्वीकृत शोध एवं विकास परियोजना का विवरण

S No	Project Investigator	Project Title	Sanctioned Amount	Project Duration
1	**Dr. Kamal Kant Joshi**, Professor, Environmental Science, Graphic Era Hill University, **Mob:** 9412903496, **Email:** kamal_josi@yahoo.com	Role of Citizen Sciences for the Assessment and Conservation of Local Biodiversity in Champawat District of Kumaun, Uttarakhand	6,00,000	2 Year
2	**Dr. K P Chamoli**, Assistant Professor, Department of Botany, Government Post Graduate College, 9412921082, **Email:** kpchamoli5@gmail.com	Reassessment of Traditional Medicinal Knowledge in Rudraprayag district of Garhwal Himalaya for Community health management	4,00,000	1 Year
3	**Dr. Tripti Khanduri**, Associate Professor and Head, Civil Engineering Department, Tulas' Institute Dehradun, **Mob:** 9149186479, **Email:** triptikhanduri06@gmail.com	Mapping of deforestation induced heat islands in the state of Uttarakhand	6,00,000	1 Year
4	**Neeraj Bisht**, Assistant Professor, Mechanical Engineering, GBPUA&T, **Mob:** 9760995811, **Email:** neerajbisht30@gmail.com	Development of Agricultural equipments from hemp and grewiaoptivia based bio-composites	6,00,000	2 Year
5	**Dr Rommila Chandra**, Assistant Professor, School of Environment and Natural Resources, Doon University, **Mob:** 9634955884, **Email:** rommilac27@gmail.com	Socio-Economic and Environmental Impact Assessment of Mountain Eco-tourism in Uttarakhand	5,00,000	1 Year
6	**Dr. Ram Kumar Sahu**, Associate Professor, Department of Pharmaceutical Sciences, H. N. B. Garhwal University **Mob:** 9893577279, **Email:** ramsahu79@gmail.com	Preparation and Evaluation of Antidiabetic Terminalia bellirica-Phospholipid Complex to Increase Oral Bioavailability by Improving Intestinal Permeability	7,50,000	2 Year
7	**Dr. Subhajit Basu**, Associate Professor, School of Health Sciences, UPES, **Mob:** 9830675426, **Email:** subhajit.basu@ddn.upes.ac.in	Development of plant probiotics consortia to promote disease-resilient hydroponics cultivation in rural and urban areas of Uttarakhand	6,00,000	2 Year
8	**Dr. Rohit Mahar**, Assistant Professor, Chemistry, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University), **Mob:** 9557559849, **Email:** rohitmahar4u@gmail.com	Investigation of Steroidal Glycosides in Dioscorea Bulbifera as Anticancer Agents via Targeting Metabolic Homeostasis of Cancer Cells	5,00,000	2 Year

9	**Dr. Divya Juyal**, Professor & Dean, School of Pharmaceutical Sciences, Shri Guru Ram Rai University, **Mob:** 9997713930, **Email:** dean.spcs@sgrru.ac.in	Repurposing of Ethnobotanically claimed toxic phytoconstituents from plants of Uttarakhand region in treatment of Metabolic and associated disorders using Network Pharmacology integrated with Experimental Studies	4,00,000	2 Year
10	**Dr Mahendra Kumar Pant**, Professor and Head, Anatomy, GOVERNMENT DOON MEDICAL COLLEGE ,DEHRADUNN, **Mob:** 9897470722, **Email:** pant.mahendra@gmail.com	Kinenthropometric profile of middle age working females under the influence of aerobic exercises paradigm in managing the state of obesity :A comparative study in Dehradun District	3,00,000	1 Year
11	**Dr Ravinder Kumar**, Assistant Professor, Department of Chemistry, Gurukula kangri (Deemed to be University), **Mob:** 9868077342, **Email:** ravinder.kumar@gkv.ac.in	Exploration of the removal of pesticides, heavy metals and dyes from contaminated water using nanomaterials and its composite	8,50,000	1 Year
12	**Dr. Aneeta Kharkwal**, Assistant Professor, Chemistry, S.V.G.P.G. College, **Mob:** 9968595918, **Email:** kharkwalaneetaa@gmail.com	Synthesis of Graphene Quantum Dots-Hybrid Composites from Biowaste for Environmental Remediation and Energy Applications	5,00,000	2 Year
13	**Neetu Pandey**, Assistant professor, applied Chemistry, Sardar Bhagwan Singh University,, **Mob:** 9410314963, **Email:** neetu_bhtt@yahoo.co.in	Isolation and Tropical Pharmaceutical Formulation of Active Components from seeds of Moringa oliefera and Celastrus paniculatus.	5,00,000	1 Year
14	**Dr. Pradeep Singh Rawat**, Assistant Professor, Computer Science & Engineering, DIT University, **Mob:** 7906220760, **Email:** ps.rawat@dituniversity.edu.in	Smart Agriculture & Horticulture: Real-Time Crop Prediction with IoT, Cloud, and Machine Learning	4,00,000	2 Year
15	**Dr. Suyash bhardwaj**, Assistant Professor, Computer Science and Engineering, Gurukula Kangri Deemed to be University, **Mob:** 9719580167, **Email:** suyash.bhardwaj@gkv.ac.in	Study and Development of Effective Machine learning model for Monitoring of Solar Erythemal Ultraviolet Radiation and preparation of UV Map of Uttarakhand Region	6,00,000	2 Year
16	**SANJAY PANT**, PROFESSOR & CONVENER, DEPARTMENT OF PHYSICS, KUMAUN UNIVERSITY, **Mob:** 9411198359, **Email:** sanjayphotophys@gmail.com	Exploring Photophysics of some Natural Dyes for Fluorescence Sensing applications: A Spectroscopic Approach	4,00,000	2 Year
17	**Dr.Sumit Chaudhary**, Director, Uttaranchal Institute of Technology, uttaranchal University, **Mob:** 9917155889, **Email:** dr_sumit@gmail.com	Optimizing Rice Production in Uttarakhand through Soil Fertility Analysis	3,50,000	1 Year

18	**Mr. Aayush Joshi** Assistant professor, Civil engineering department, women Institute of Technology, **Mob:** 9456575000, **Email:** aayushjoshi@wit.ac.in	Determination of residual stress of concrete using Ultrasonic Pulse velocity	7,50,000	2 Year
19	**Dr. Rajendra Singh Negi,** Professor and Head, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar (Garhwal), Uttarakhand	**"Dynamics and Formulating Strategies for Indigenous and Scientific Knowledge Integration for Sustainable Livelihoods Improvement in the Rawain Region of the Yamuna Valley, Uttarakhand"**	3,00,000	1 Year
20	**Mr.Rakshit Pandey,** President (Architect), Centtral Himalayan Research & Rehabiliation Centre, Haldwani, Uttarakhand	**"Research & Development on the Architectural Materials, Methodologies, And Typologies of Uttarakhand (Almora)".**	**3,50,000.00**	1 Year
21	**Dr Pradeep Mamgain,** Assistant Professor, HNB Garhwal (A Central) University, Chauras Campus, Uttarakhand	**Exploring the Role Of Agripreneurship In Growing Traditional Crops Of Uttarakhand For Sustainable Livelihood**	**3,00,000.00**	1 Year
22	**Dr. Nabeel Ahmad,** Dean Research & Development, and Professor, Dev Bhoomi Uttarakhand University, Naogaon, Dehradun	**Exploring the effect of sulfur on biodiversity at Sahastradhara in Dehradun, Uttarakhand and exploring the microbial diversity for Nanobiotechnological Approaches**	**4,00,000.00**	1 Year
23	**Dr. Nidhi Kaeley,** Associate Professor AND Head, AIIMS Rishikesh	**Risk Factors for Glycemic Emergencies in Patients With Diabetes Mellitus- A Prospective Observational Study**	**4,50,000.00**	18 Month
24	**Dr. Rakesh Kumar Dwivedi,** Assistant Professor, B.D. Govt PG College Jaiharikhal, Near Gumkhal, Dist. Pauri Garhwal, Uttarakhand	**Studies on the variability of spring flow in the Shivalik and Middle Himalaya regions and its impact on water quality, specifically focusing on the semi-aquatic diatom communities in the Pauri Garhwal district**	**5,00,000.00**	1 Year
25	**Dr. Ashish Bagwari,** HOD, Assistant Professor, Women Institute of Technology, Campus Institute, VMSBUTU, Suddhowala, Dehradun	**Student Behavior Recognition System (SBRS) using AI**	**4,00,000.00**	1 Year

26	**Dr.Anoop Badoni,** Sr. Scientist and Director, Plantica Foundation, Madhur Vihar Phase-2, Lane No.-3, Near Bangali Kothi, Dehradun, Uttarakhand	**Soil Testing, Crop and Fertilizer/Manure Recommendation through Establishment of "Soil Testing Laboratory" in Garhwal Hills of Uttarakhand (A Pilot Project to increase the farmer's income by providing them Crop and Fertilizer/Manure recommendation by Soil Testing in Uttarkashi District of Uttarakhand**	**4,00,000.00**	18 Month
27	**Dr. Smriti Arora,** Assistant Professor, Energy Acres, UPES, Bidholi, via Prem Nagar, Uttarakhand-248007	**"River health estimate using diatoms as pollution indicators and remediators of microplastic and heavy metal pollution"**	**5,00,000.00**	1 Year
28	**Prof. Kirtiraj Gaikwad,** Associate Professor, Indian Institute of Technology Roorkee, Uttarakhand	**Eco-Innovation Utilizing Uttarakhand Temples Floral Waste: Development of Sustainable Water-Based Ink for a Greener Tomorrow**	**5,00,000.00**	1 Year
29	**Dr. Prem Bahukhandi,** Director, Friends of Himalaya, 1585 Indira Nagar Colony, Post Office-New Forest, Dehradun, Uttarakhand	**Heritage of Hydrology: Traditional Knowledge and S&T Documentation".**	**4,00,000.00**	1 Year
30	**Prof Bimal Pande,** Professor, Kumaun University, Nainital, Uttarakhand	**"Study of CG Lightning Activity and micro-zonation of Lightning activity for Uttarkhand using ground and space borne data**	**6,00,000.00**	1 Year
31	**Prof (Dr.) Shalendra Kumar,** Professor and PhD Coordinator, University of Petroleum and Energy Studies (UPES), Dehradun	**"Development of flexible MXene/Oxides based layered electrodes for energy storage devices"**	**6,00,000.00**	1 Year
32	**Dr. Vineet Ahuja,** Assistant Professor, Department of Physics, Dev Bhoomi Campus, Chakrata Road, Manduwala, Naugaon, Uttarakhand, 248007	**Artificial Neural Network Model in Prediction of Meteorological Parameters in North Western Indian Himalayan Region: A Case Study of Uttarakhand**	**2,56,000/-**	1 Year
33	**Mr. Kshitij Jain,** Assistant Professor, Department of CSE, Tulas Institute Dhoolkot Near Selaqui, Dhulkot Rd, Dehradun, Uttarakhand 248197	**App on Optimizing Energy Efficiency in Uttarakhand: A Data-Driven Approach**	**6,00,000/-**	2 Year

सूचना का अधिकार

वर्ष 2024 में सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त सूचनाओं का परिषद द्वारा समय से निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

क्र0सं0	वर्ष	प्राप्त सूचनाएं	निस्तारित सूचनाएं
01	2024	08	06

5

मुख्य कार्यक्रम

विज्ञान लोकव्यापीकरण परिषद का एक अतिमहत्वपूर्ण अधिधेय है, इसके अन्तर्गत वर्ष भर कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इनमे से प्रमुख कार्यक्रम निम्नलिखित है–

आंचलिक विज्ञान केन्द्र का आंठवा वार्षिक स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 3 फरवरी 2024 को आंचलिक विज्ञान केंद्र, देहरादून का आंठवा स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री एस एस श्रीमाली, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून थे। कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में डॉ0 डी पी उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकॉस्ट ने विज्ञान केंद्र के एवं परिषद् के कार्यों से सबको अवगत कराया। प्रोफेसर दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकॉस्ट ने परिषद् द्वारा संचालित विभिन्न विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रमों से सबको अवगत कराया और परिषद् के नए प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास से ही सामाजिक और आर्थिक विकास की परिकल्पना की जा सकती है। इस अवसर पर साइंस सिटी के सलाहकार और पूर्व महानिदेशक एन0सी0एस0एम0, श्री जी एस रौतेला ने नवाचार, उसके महत्त्व और केंद्र के मेम्बरशिप प्रोग्राम की जानकारी सबको दी। इंजी0 एस एस श्रीमाली जो कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भी थे उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के महत्त्व, उनके संरक्षण और वाटरशेड मैनेजमेंट पर एक व्याख्यान दिया। डॉ जी एस रावत, एमेरिटस साइंटिस्ट यूकॉस्ट, ने हिमालयन जैव विविधता पर एक व्याख्यान दिया और प्रकृति शोध के महत्त्व से सबको अवगत कराया। डॉ पीयूष जोशी, प्रभारी आंचलिक विज्ञान केंद्र ने केंद्र की गतिविधियों की जानकारी सबको दी। कार्यक्रम का संचालन कंचन डोभाल, वैज्ञानिक अधिकारी, यूकॉस्ट ने किया। इस अवसर पर केंद्र के वार्षिक प्रतिवेदन और आंचलिक विज्ञान केंद्र तथा इनोवेशन हब/नवाचार केंद्र के विवरणिका का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर विज्ञान केंद्र की नयी पहल वर्चुअल रियलिटी किओस्क एप्लीकेशन का भी उद्घाटन किया गया, इसके द्वारा आगंतुकों/विजिटर्स को वर्चुअल रियलिटी तकनीक की जानकारी दी जायेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम में कम तापमान पर वस्तुओं की स्थिति, विषय पर एक साइंस डेमोंस्ट्रेशन लेक्चर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रिवर वैली स्कूल, डिफेन्स पब्लिक स्कूल, तुलाज इंस्टिट्यूट सहित कई शिक्षण संस्थानों के लगभग 200 से अधिक छात्र – छात्राएं मौजूद रहे।

तीन दिवसीय इनोवेशन फेस्टिवल/नवाचार महोत्सव और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024, का आयोजन

नवोन्मेशी छात्रों को अपनी कल्पना को साकार करने के लिए किसी न किसी मंच की आवश्यकता होती है। इनोवेशन हब मौजूदा विज्ञान केंद्रों, संग्रहालयों, गैर–औपचारिक शिक्षा संस्थानों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सह–स्थापित किये जाते हैं और इनका उद्देश्य नवाचारों को प्रेरित करना है । आंचलिक विज्ञान केंद्र में स्थापित नवाचार केंद्र, भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) की SPoCS योजना के तहत स्थापित किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं और छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक समाधान ढूंढने की क्षमता विकसित करना, नवाचार कौशल और अनुभवात्मक ज्ञान के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में नवाचार केंद्र (इनोवेशन हब), आंचलिक विज्ञान केंद्र में द्वारा वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से नासी उत्तराखंड अध्याय, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन (NCSTC), और विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से 26 से 28 फरवरी 2024 तक तीन दिवसीय नवाचार महोत्सव (इनोवेशन फेस्टिवल) का आयोजन किया गया।

इस तीन दिवसीय इनोवेशन फेस्टिवल का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा को उजागर करना और उन्हें अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित करना था। इस तीन दिवसीय इनोवेशन फेस्टिवल के दौरान, स्कूल और कॉलेज के छात्रों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और प्रतिभागियों के लिए विभिन्न अभिनव/ रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। नवीन उत्पादों / विचारों / प्रक्रियाओं का प्रदर्शन, नवप्रवर्तकों/ स्टार्टअप से मिलना, विशेषज्ञ व्याख्यान और उत्तराखंड–विशिष्ट नवाचारों और अन्य विविध गतिविधियों का अभिनंदन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रचनात्मकता कार्यशालाएं जैसी गतिविधियां भी इस उत्सव का हिस्सा थीं। रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, मनोरंजक विज्ञान गतिविधियाँ, विभिन्न व्यावहारिक प्रशिक्षण, प्रेरक नवाचारों की सुविधा, स्कूलों में नवाचार क्लबों की स्थापना और कई अन्य दिलचस्प कार्यक्रम और गतिविधियाँ भी इस उत्सव का हिस्सा थीं। इस इनोवेशन मेले/विज्ञान मेले में क्रिएटिव रोबो डिजाइन, आइडिया कॉन्टेस्ट, साइंस क्विज, इनोवेटिव चुनौतियाँ, मेक इट इन साइंस सेंटर (स्क्रैप से निर्माण), इनोवेटर्स द्वारा व्याख्यान और इंटरेक्शन, समस्या–समाधान प्रतियोगिता,

क्रिएटिविटी वर्कशॉप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी गतिविधियाँ भी शामिल हैं। नवोन्मेशी विचारों/उत्पादों की प्रदर्शनी भी इस आयोजन का हिस्सा थी। इस महोत्सव के दौरान, 27 फरवरी 2024 को छात्रों के लिए सतत भविष्य के लिए विज्ञान विषय पर एक विज्ञान नाटक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर, 28 फरवरी 2024 को यूकॉस्ट में वर्तमान विज्ञान और प्रौद्योगिकी मुद्दों पर आधारित एक विज्ञान मार्च भी आयोजित किया गया था।

विभिन्न श्रेणियों के तहत देहरादून, हरिद्वार, टिहरी, अल्मोडा, हल्द्वानी, पिथौरागढ, चंपावत, पौडी गढ़वाल और राज्य के कई अन्य क्षेत्रों से विभिन्न आयोजनों और प्रतियोगिताओं में 150 से अधिक छात्रों/स्टार्टअप/इनोवेटर्स को पंजीकृत किया गया था। विभिन्न कॉलेजों/शैक्षणिक संस्थानों/स्कूलों/अनुसंधान संगठनों से 500 से अधिक प्रतिभागी इस आयोजन का हिस्सा थे।

अगस्त्या इंटरनेशनल फाउंडेशन की ओर से विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों और सूचनाओं को प्रदर्शित करने वाली एक मोबाइल साइंस वैन भी महोत्सव का हिस्सा थी। विशेषज्ञ वार्ता, विचार–मंथन सत्र और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप, क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रग्स को ना कहें आदि विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चाएं महोत्सव का हिस्सा थीं। इस गतिविधि का उद्देश्य युवाओं में नवाचार की भावना को प्रेरित करना और बढ़ावा देना था। इनोवेशन हब छात्रों को वार्षिक सदस्यों के रूप में पंजीकृत करता है ताकि वे विभिन्न सदस्यता श्रेणियों के तहत एक वर्ष तक रचनात्मक और समस्या–समाधान परियोजनाओं पर काम कर सकें। इस आयोजन ने छात्रों की रचनात्मकता को बढ़ावा दिया है, उन्हें नवाचार के लिए प्रेरित किया है, अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान की है और उन्हें एस0टी0इ0एम0 में उनकी रुचि बढ़ाने और वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने में मदद की है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2024 का आयोजन किया गया

उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), आंचलिक विज्ञान केंद्र ने 14 मई, 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। जिसका विषय था स्कूलों से स्टार्टअप तक नवप्रवर्तन के लिए युवा दिमागों को प्रज्वलित करना। डॉ. डी.पी. उनियाल, संयुक्त निदेशक, यूकॉस्ट ने कार्यक्रम की शुरुआत की और हमारे सम्मानित अतिथि प्रोफेसर चेतन एस0 सोलंकी, आईआईटी–मुंबई, संस्थापक एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मध्य प्रदेश और अन्य उपस्थित लोगों को षुभकामनाएं दीं। श्री जी0एस0 रौतेला, सलाहकार साइंस सिटी, देहरादून ने प्रौद्योगिकी का परिचय दिया और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रोफेसर चेतन एस0 सोलंकी, आईआईटी–मुंबई, संस्थापक एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मध्य, प्रदेश ने जलवायु परिवर्तन और सुधारात्मक कार्यों की 6 बिंदुओं की समझ पर एक दिलचस्प प्रस्तुति दी। सीमित खपत के महत्व और जहां भी संभव हो ऊर्जा के उपयोग से बचने पर जोर देते हुए उन्होंने उपस्थित लोगों से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने स्कूलों से स्टार्टअप तक नवप्रवर्तन के लिए युवा दिमागों को प्रज्वलित करना विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए सभा को संबोधित किया, उन्होंने सौर ऊर्जा की क्षमता पर प्रकाश डाला, और नवाचार को बढ़ावा देने में ऐसे परिवर्तनकारी व्याख्यानों के महत्व को रेखांकित किया।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन

उत्तराखंड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा दिनांक 22 मई 2024 को आंचलिक विज्ञान केंद्र (आर०एस०सी०) देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया। इस वर्ष जैव विविधता दिवस के उत्सव का विषय था। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय Be a part of the plan था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म भूषण, पर्यावरणविद् एवं हरित कार्यकर्ता डॉ. अनिल प्रकाश जोशी थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन समारोह से हुई। यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ. डी पी उनियाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और जैव विविधता संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये, जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव श्री आर. के. मिश्रा ने जैव विविधता प्रबंधन समिति के कार्यों, लक्ष्यों और आगामी प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी। जैव विविधता बोर्ड द्वारा विगत वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में किये गये कार्यों एवं प्रस्तावित जैव विविधता स्थलों की जानकारी देने हेतु लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम में मण्डल द्वारा आयोजित राज्य प्रतीक फोटोग्राफी प्रतियोगिता तथा विभिन्न विद्यालयों में आयोजित कला प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नेस्ट मैन ऑफ इंडिया श्री राकेश खत्री ने अपने कार्य के बारे में सभी को जानकारी दी और कहा कि हम पक्षियों के लिए घोंसले और दाना की व्यवस्था करके भी पर्यावरण की मदद कर सकते हैं। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो दुर्गेश पंत ने कहा कि हमें प्रकृति के उपभोक्ता से प्रकृति के सेवक बनने की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने प्रकृति संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए और माता भूमि पुत्रो अहं पृथ्वीव्या पृथ्वी मेरी मां है और मैं उसका बच्चा हूं, वाक्यांश का हवाला देते हुए पृथ्वी पर जीवन के अंतर्संबंध के बारे में एक गहरा संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने हिमालय क्षेत्र की जैव विविधता एवं उसके संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर उत्तराखंड जैव विविधता बोर्ड द्वारा फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

उत्तराखंड बोर्ड, देहरादून के छात्रों को सम्मानित

मंथन वेलफेयर सोसाइटी और कुसुम कांता फाउंडेशन की सहयोगी पहल के तहत 29 मई 2024 को आंचलिक विज्ञान केंद्र, देहरादून में कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उत्तराखंड बोर्ड, देहरादून के छात्रों को सम्मानित किया गया। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने छात्रों को सम्मानित कर बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के महत्व को समझने और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह छात्र विज्ञान का भविष्य हैं।

कार्यक्रम में देहरादून के सरकारी स्कूलों के 10वीं और 12वीं कक्षा के कुल 27 छात्र उपस्थित थे। उन्हें विज्ञान केंद्र, देहरादून की दीर्घाओं का भ्रमण करने का भी अवसर मिला, जहां वे व्यावहारिक अनुभवों से जुड़े रहे। उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) ने इस पहल के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया। यूकॉस्ट के समर्थन ने छात्रों को प्रेरक वातावरण में सीखने और बढ़ने में सक्षम बनाया।

इस कार्यक्रम में मंथन वेलफेयर सोसाइटी की सचिव सुश्री पूजा पोखरियाल और कुसुम कांता फाउंडेशन की कार्यक्रम निदेशक सुश्री शिवानी गुप्ता के साथ–साथ सनराइज अकादमी से सुश्री मोनिका शर्मा, सुश्री नुपुर दत्ता, सुश्री प्रीति बख्शी भी उपस्थित थीं। इस प्रकार की पहल दोनों फाउंडेशनों द्वारा पिछले साल भी की गई थी, जो युवा विद्वानों को उनकी शैक्षिक यात्रा में समर्थन और प्रेरित करने के लिए उनकी चल रही प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

समर साइंस कैंप–2024 का आयोजन

आंचलिक विज्ञान केंद्र में पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन दिनाँक मे 21 मई 2024 से 29 जून 2024 तक किया गया। इस दौरान आयोजित समर कैम्प्स में प्रतिभागियों ने रोबोटिक्स एंड कोडिंग, आर्टिफीसियल इंटेलिजेन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, क्रिएटिव साइंस, लाइफ साइंस एवं ड्रोन मेकिंग में प्रतिभाग किया किया। छात्र–छात्राओं ने रोबोटिक्स के लिए लीगो किट्स का उपयोग कर टच सेंसर, अल्ट्रासोनिक सेंसर, साउंड सेंसर, लाइट सेंसर के साथ कोडिंग करके बेसिक रोबोट सेंसर टेस्टिंग, रोबोटआर्म, बॉल रोलर कोस्टर, बॉल हंटिंग रोबोट, ऑबस्टिकल डिटेक्टर आदि डिजाइन किये तथा उनका प्रदर्शन किया। स्क्रैच सॉफ्टवेयर का उपयोग कर बच्चों ने कोडिंग की जिसमें उन्होंने ब्लॉक कोडिंग विथ स्पिरिट, कांसेप्ट ऑफ सिक्वेंसिंग एन्ड लूप्स, ऑपरेटर्स तथा वेरिएबल्स आदि को समझ कर एनिमेटेड स्टोरीज तथा गेम्स बनाये। प्रतिभागियो के द्वारा क्रिएटिव फन साइंस सेशन मे वेस्ट मटेरियल से विभिन्न प्रकार के क्राफ्ट जैसे पेंसिल स्क्रैप आर्ट डिजाइन किये तथा साइंटिफिक मॉडल में वाटर टैंक अलार्म, फायरिंग अलार्म, रेन वाटर डिटेक्टर, एक्शन–रिएक्शन कार आदि मॉडल डिजाइन किये एवं उनका उनका सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। आर्टिफीसियल इंटेलिजेन्स सेशन में पाइथन के प्रयोग से छात्रों ने हार्ट डिजीज प्रेडक्शन, ओबेसिटी प्रेडिक्टर, वेदर फोरकास्टिंग प्रेडिक्शन आदि प्रोजेक्ट बनाये तथा उनका सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। आयोजित किये गए समर कैम्प्स के दौरान प्रतिभागियों ने प्रोफेसर दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकॉस्ट, श्री जी० एस० रौतेला, सलाहकार साइंस सिटी देहरादून एवं डॉ० पियूष जोशी, प्रभारी आंचलिक विज्ञान केंद्र के समक्ष अपने रोबोट्स, प्रोजेक्ट तथा मॉडल्स का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

विश्व पर्यावरण दिवस–2024

आंचलिक विज्ञान केंद्र में 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और पर्यावरण जागरूकता हेतु बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत के नेतृत्व में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुई। पहले पैनल सत्र का आयोजन हिमालय में पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए मृदा और पानी का संरक्षण विषय के अंतर्गत किया गया। इस अवसर पर ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) के.जी.बहल की तकनीकी कविता पुस्तक का विमोचन भी किया गया, इस पुस्तक की डिजिटल कॉपी यूकॉस्ट की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगी। डॉ. आर.के. सिंह, वैज्ञानिक (एसडब्ल्यूसीई) और प्रमुख, जल विज्ञान और इंजीनियरिंग प्रभाग ने जल, जीवन, जंगल, जमीन, और जानवर के महत्व और महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. प्रशांत राय ने यूकॉस्ट में वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित करने की योजना की घोषणा की। प्रो. जीएस राजवार ने कृषि पद्धतियों पर छात्रों की जागरूकता के महत्व पर जोर दिया।

दूसरे पैनल सत्र में यूकॉस्ट के एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ. जी.एस. रावत द्वारा हिमालयन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एच0ए0एस0टी0) का भी शुभारंभ किया गया। श्री प्रह्लाद अधिकारी ने पर्वत–विशिष्ट अध्ययन, अनुसंधान और तकनीकी हस्तक्षेप के लिए एक समुदाय–संचालित मंच को बढ़ावा देने के लिए एच0ए0एस0टी0 के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान के डॉ0 आर0पी0 सिंह ने पृथ्वी की सुंदरता और पर्यावरण की रक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर एक व्याख्यान दिया। शिक्षाविद् डॉ. रीमा पंत ने लैंगिक समानता पर चर्चा सहित भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया। साइंस सिटी के सलाहकार श्री जी0एस0 रौतेला ने समाज की सेवा में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन यूकॉस्ट की वैज्ञानिक अधिकारी कंचन डोभाल के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। सत्र का संचालन जागृति उनियाल, वैज्ञानिक अधिकारी, यूकॉस्ट और नलिन शर्मा, यूकॉस्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉल्फिन पीजी कॉलेज, बी0एफ0आई0टी0 इंस्टीट्यूट, ग्राफिक एरा और देहरादून के विभिन्न कॉलेजों के छात्र, विकल्प संस्था के स्कूली बच्चे, शोधकर्ता, विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के अधिकारी, यूकॉस्ट और आरएससी के अधिकारी और कर्मचारी, सदस्य शामिल हुए।

01 जुलाई से 03 जुलाई 2024 तक तीन दिवसीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला आयोजन

आंचलिक विज्ञान केंद्र द्वारा तीन दिवसीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन दिनांक 01 जुलाई से 03 जुलाई 2024 तक किया गया । इस कार्यशाला में बी0एल0एम0 अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हल्द्वानी, नैनीताल के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में शिक्षण पद्धतियों में विकास हेतु व्यावहारिक विज्ञान व्याख्यान और विशिष्ट गतिविधियों का आयोजन किया गया। श्री जी0एस0 रौतेला, सलाहकार, साइंस सिटी और शिक्षाविद् डॉ. रीमा पंत द्वारा विज्ञान शिक्षा पर व्यख्यान प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के दौरान परिषद् में संचालित हाइड्रोपोनिक्स सेटअप, जैव विविधता पार्क और विज्ञान पार्क सहित आंचलिक विज्ञान केंद्र की विभिन्न गैलरीज का भी भ्रमण किया। रोटरी क्लब देहरादून के अध्यक्ष डॉ. तरूण भाटिया ने कक्षा में छात्रों को प्रेरित करने के महत्त्व पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। दून स्कूल, देहरादून के श्री चंदन सिंह ने गणित में सक्रिय शिक्षण पर एक सत्र का संचालन किया। श्री जी एस रौतेला द्वारा साइंस डेमोंस्ट्रेशन लेक्चर का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने स्टेम एजुकेशन से सम्बंधित व्यावहारिक प्रयोग, रोबोटिक्स कार्यशाला और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस कार्यशाला में भी प्रतिभाग किया। कार्यशाला के समापन समारोह में यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने शिक्षकों के साथ व्यावहारिक ज्ञान और उसके महत्त्व पर वार्ता की और उन्होंने कहा कि व्यावहारिक ज्ञान और व्यावसायिक विकास को हमे निरंतर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक हमारे समाज की रीढ़ हैं और समाज के निर्माण में और छात्रों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ. पंत ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन0ई0पी0) और व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व पर भी अपने विचार व्यक्त किये। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी एवं प्रभारी आरएससी डॉ. पीयूष जोशी ने तीन दिवसीय कार्यक्रम का समन्वयन किया। उन्होंने यूकॉस्ट और आरएससी का परिचय देते हुए आने वाले दिनों में राज्य में लागू होने वाली साइंस कॉरिडोर और सम्बंधित गतिविधियों का विवरण दिया। इस कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों को विज्ञान शिक्षा में छात्रों को प्रेरित करने और व्यावहारिक विज्ञान गतिविधियों से अवगत कराया।

हरेला पर्व का आयोजन

16 जुलाई 2024, को हरेला पर्व के शुभ अवसर पर, आंचलिक विज्ञान केंद्र, उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), वन विभाग के साथ मिलकर प्रकृति और संस्कृति को समर्पित हरेला महोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में कई गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर यूकॉस्ट ने टोंस नदी के किनारे स्थानीय लोगों और जल वायु टॉवर सोसाइटी के साथ मिलकर एक वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया। प्रमुख प्रतिभागियों में कमांडर सौगत चट्टोपाध्याय, लेफ्टिनेंट रमेश चंद्र, शिक्षाविद् डा रीमा पंत, पुष्कर सिंह रावत और अन्य सदस्य शामिल थे। परिषद प्रांगण में भी महानिदेशक, प्रो0 दुर्गेश पंत के मार्गदर्शन में स्कूल के विद्यार्थियों और अन्य प्रतिभागियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। उत्सव की शुरुआत शक्ति, संस्कृति रचनात्मकता और कला के प्रतीक भगवान शिव की भव्य नटराज मूर्ति की स्थापना के साथ हुई। प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता श्री सच्चिदानंद भारती ने हरेला त्योहार के महत्व पर अपने विचार साझा किये। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन के स्वामी स्वरूपानंद जी ने विद्यार्थियों को वर्षभर वृक्षारोपण और प्रकृति संरक्षण हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री शैलेन्द्र जी ने सभी को हरेला की शुभकामनाएँ प्रेषित की और पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित प्रेरक कहानियाँ भी साझा की। प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकास्ट ने वृक्षारोपण पहल में उनकी भागीदारी और समर्पण के लिए सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्नल गिरिजा शंकर मुंगाली और सुरेंद्र मित्तल भी उपस्थिति रहे। उत्सव का समापन अतिथियों को स्वीकार स्मृति चिन्ह वितरण के साथ हुआ। यूकॉस्ट ऐसे सार्थक आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हरेला का लोकपर्व हमें प्रकृति संरक्षण की जिम्मेदारी की हमें याद दिलाता है। कार्यक्रम में आईटीआईटीआई झाजरा, रामकृष्ण मिशन देहरादून, स्वामी रामतीर्थ गर्ल्स स्कूल के छात्र–छात्राओं, शोधकर्ताओं, विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के अधिकारियों, यूकॉस्ट और आरएससी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया, और कार्यक्रम को सार्थक बनाने में सहयोग किया।

विज्ञान शिक्षकों के लिए प्रयोगशाला कौशल कार्यशाला (लैब स्किल वर्कशॉप)

आंचलिक विज्ञान केंद्र, देहरादून में इनोवेशन हब ने बॉम्बे एसोसिएशन ऑफ साइंस एजुकेशन (बीएएसई) और होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन (टी0आई0एफ0आर0) के विशेषज्ञों के सहयोग से अगस्त 2 से 4, 2024 से विज्ञान शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय प्रयोगशाला कौशल कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने विशेषज्ञों और भाग लेने वाले शिक्षकों का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यशाला एक स्व–शिक्षण और प्रेरक पहल के रूप में कार्य करती है जिसका उद्देश्य अनुभवात्मक शिक्षण कौशल को बढ़ाना है, जो विज्ञान शिक्षा की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को प्रयोगशाला कौशल प्रदान करना और प्रयोगों को डिजाइन करने में नवीन दृष्टिकोण से लैस करना है। इस कार्यशाला के दौरान प्रयोगशाला में कौशल विकास के लिए रचनात्मक गतिविधियों और व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया।

इनोवेशन हब के सदस्यों की बैठक

अनुसंधान/नवाचार परियोजनाओं, प्रेरणादायक नवाचारों और भविष्य के मार्गदर्शन के संबंध में इनोवेशन हब के सदस्यों की बैठक 3 अगस्त 2024 को आरएससी के मीटिंग हॉल में आयोजित की गई। इस बैठक में सलाहकार साइंस सिटी ने सभी छात्र छात्रों को विज्ञान के क्षेत्र में भविष्य की संभावनाएं और विभिन विज्ञानं सम्बंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से अवगत कराया।

शी फॉर स्टेम कार्यशाला का आयोजन/She for STEM

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), आंचलिक विज्ञानं केंद्र और विज्ञानशाला इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में 10 अगस्त 2024 को She for STEM कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में माननीय राज्यपाल ने She for STEM की महत्वता को रेखांकित करते हुए इसे महिलाओं के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे न केवल उनके करियर में अवसर बढ़ेंगे बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युग में बेटियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। इससे न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचान मिलेगी, बल्कि समाज को भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनकी संभावनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश के विकास और उसकी वैश्विक स्थिति को सशक्त बनाने में सहायक होगी। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि She for STEM जैसे कार्यक्रम उत्तराखण्ड को एक नई दिशा देंगे और देश व प्रदेश को विश्व गुरु बनने की दिशा में मजबूती प्रदान करेंगे। इस दौरान माननीय राज्यपाल द्वारा द्वारा STEM के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर महिला वैज्ञानिकों के सम्मान किया गया। समानित की गई महिला वैज्ञानिकों में बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ की डॉ० बिनीता फर्त्याल, फोर्ब्स एशिया की निधि पंत, शिक्षाविद् डॉ० रीमा पंत, आई०आई०टी० दिल्ली से डॉ० मनीषा ठाकुरती, व जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलुरु की डॉ० जयश्री सनवाल शामिल रही। माननीय राज्यपाल द्वारा इस मौके पर यूकॉस्ट के डिजिटल स्पेस का उद्घाटन किया गया। इस डिजिटल स्पेस के अंतर्गत डिजिटल लाइब्रेरी, She for STEM लैब व लैब ऑन व्हील योजनाएं संचालित की जाएंगी।

इस कार्यक्रम के संयोजक यूकॉस्ट महानिदेशक प्रो० दुर्गेश पंत ने इस दौरान बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया है। उद्घाटन सत्र के अंतिम पड़ाव में डॉ विजय वेणुगोपाल, सह–संयोजक, विज्ञानशाला इंटरनेशनल द्वारा सभी विशिष्ट अतिथियों एवं मौजूद सभी वैज्ञानिकों व शोधार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ विनीता फर्त्याल, विज्ञानशाला इंटरनेशनल की सी०ई०ओ० डॉ० दर्शना जोशी, व यूकॉस्ट के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी तथा छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) ने आंचलिक विज्ञान केंद्र (आर एस सी), देहरादून में 23 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वैज्ञानिक/इंजीनियर ममता चौहान, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आई0आई0आर0एस0) रही। कार्यक्रम की शुरुआत यूकॉस्ट के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. पीयूष जोशी के स्वागत उद्बोधन से हुई, जिन्होंने भारत की अंतरिक्ष गाथा विषय के अंतर्गत अपने विचार व्यक्त किये। साइंस सिटी के सलाहकार श्री जी.एस. रौतेला ने विज्ञान के क्षेत्र में अपने व्यावहारिक अनुभवों से दर्शकों को अवगत कराया। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य की संभावनाओं की जानकारी और उपलब्ध अवसरों के बारे मे छात्र– छात्राओं को बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वैज्ञानिक/इंजीनियर ममता चौहान, ने दर्शकों को चंद्रयान मिशन के सभी पहलुओ और विभिन्न शोध कार्यो की जानकारी दी। उन्होंने चंद्रयान–1, 2 और 3 मिशन की विस्तृत जानकारी, इसके प्रमुख वैज्ञानिक निष्कर्षों और मिशन के दौरान आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। कार्यक्रम में भारत के अंतरिक्ष इतिहास के गौरवशाली पलों को याद करते हुए, 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी/रुव पर चंद्रयान के सफल प्रक्षेपण को प्रदर्शित करने वाली एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए एक त्योहार की तरह है, और हम अपने वैज्ञानिकों के समर्पण और कड़ी मेहनत को सलाम करते हैं जिन्होंने इन उपलब्धियों को संभव बनाया है। यूकॉस्ट के वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. मनमोहन रावत ने जी0पी0एस0 तकनीक और उसके अनुप्रयोग पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. मनमोहन रावत और श्री संतोष रावत यूकॉस्ट द्वारा जी0पी0एस0 हैंडलिंग पर प्रदर्शन का संचालन भी किया गया। यूकास्ट द्वारा परिषद और अगस्त्या फाउंडेशन के लैब ओन व्हील और स्टेम कार्यक्रम पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

हिमालय संरक्षण सप्ताह

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) में हिमालय संरक्षण सप्ताह की शुरुआत बड़े उत्साह के साथ की गई। कार्यक्रम का आरंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वीडियो संदेश से हुई। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि हिमालय हमारी पहचान है, हमारी संस्कृति है, और हमारी जीवनरेखा है। उन्होंने कहा कि हमारी भावी पीढ़ियों के लिए हिमालय की सुंदरता और समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर माननीय मुख्यमन्त्री ने हर वर्ष 02 सितंबर को बुग्याल संरक्षण दिवस के रूप में मनाये जाने की घोषणा करते हुए कहा कि यह कदम हिमालय संरक्षण के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता की ओर एक नया कदम साबित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत के स्वागत उद्बोधन से हुई, जिन्होने कहा कि विश्व धरोहर हिमालय के भव्य बुग्याल, न केवल सुंदरता से भरे हुए हैं, बल्कि जैव विविधता और जीवनयापन के लिए महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र भी हैं।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पद्मभूषण डॉ अनिल प्रकाश जोशी रहे, जिन्होंने हिमालय की रक्षा करना सबका नैतिक दायित्व बताया। बुग्याल संरक्षण हमारे स्थानीय समुदायों के लिए भी महत्वपूर्ण है। हमें व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों स्तरों पर काम करना होगा ताकि हमारे हिमालय को संरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हिमालय से हम सबका अस्तित्व है और हमें एकजुट होकर हिमालय सरंक्षण की इस सकारात्मक पहल का हिस्सा बनना चाहिए, हमें समस्याओं के बजाय समाधानों पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस मौके पर पदमश्री कल्याण सिंह रावत ने कहा कि बुग्याल देवताओं का आगन हैं और इसका संरक्षण एक पवित्र कार्य है, जो हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और पर्यावरण के साथ जोड़ता है। हमें इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा ताकि हम अपनी मातृ प्रकृति की अनमोल सुंदरता को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करें। वन विभाग के प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन ने बुग्यालों को उत्तराखण्ड का एक अद्वितीय क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि बुग्याल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी एक विशेष भूमिका निभाते है, तथा इस मौके पर वन प्रमुख द्वारा एक समिति बनाने की भी घोषणा की गई, जो बुग्याल संरक्षण के हर पहलू पर विशेष योजना तैयार करेगी। कार्यक्रम के अंत में मैती संस्था द्वारा यूसैक के वैज्ञानिक डॉ. गजेंद्र सिंह को विगत वर्षो से हिमालयी क्षेत्र में किए गए विशेष वैज्ञानिक कार्यों हेतु 'गिरी गंगा गौरव सम्मान' से पुरस्कृत किया गया। इस दौरान यूकॉस्ट और मैती संस्था द्वारा आयोजित अल्पाइन मीडोज फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। प्रथम पुरस्कार चिनार शर्मा, द्वितीय पुरस्कार सृष्टि जोशी व तृतीय पुरस्कार संजय कुमार द्विवेदी व महिपाल सिंह गड़िया को दिया गया तथा सांत्वना पुरस्कार पाने वालो में श्री महेश पैनुली तथा डॉ. गजेंद्र सिंह शामिल रहे।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन

मानक संवर्द्धन को लेकर उत्तराखंड राज्य विज्ञान प्रौद्योगिकी परिषद व भारतीय मानक ब्यूरो मिलकर काम करेंगे। यह बात शिक्षक दिवस के अवसर पर आंचलिक विज्ञान केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में यूकास्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने कही। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश के भी कई विद्यालयों ने भागीदारी की। उपस्थित शिक्षकों को कार्यक्रम में सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि शिक्षक के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। शिक्षक से बड़ी कोई पदवी नहीं होती है। उन्होंने कहा कि यूकास्ट व बी0आई0एस0 जागरूकता के साथ ही अन्य विषयों पर भी मिलकर काम करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से सीखने व जिज्ञासा को बनाए रखने की बात कही। बीआईएस देहरादून षाखा के प्रमुख व निदेशक सौरभ तिवारी ने कहा कि आज के दिन यह महसूस करना है कि हमारे जीवन में गुरू का कितना महत्व है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सम्मान देना व्यवहार में शामिल होना चाहिए। सौरभ तिवारी ने विद्यार्थियों को मानकों की महत्ता व उपयोगिता समझाई और बच्चों से संवाद किया।

प्लान इंडिया कार्यक्रम का आयोजन

प्लान इंडिया ने अपना तीन दिवसीय कार्यक्रम (10–12 सितंबर) सफलतापूर्वक संपन्न किया, का आयोजन। ASHAYEIN & Bioscope of the World from Children's Lens, आंचलिक विज्ञानं केंद्र, देहरादून में, अपने समग्र बाल केंद्रित विकास कार्य के एक भाग के रूप में किया। यह कार्यक्रम 9 अलग–अलग राज्यों के 86 बच्चों को एक साथ लाया, जो सीखने, अंतर–सांस्कृतिक आदान–प्रदान और सामुदायिक विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है। कला के विभिन्न रूपों के माध्यम से, बच्चों को अपने अद्वितीय दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, झारखंड और सिक्किम के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन युवा कलाकारों ने गणमान्य व्यक्तियों, स्कूल शिक्षकों और यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत के सामने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

जल गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यशाला

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून एवं उत्तराखंड जल संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में आंचलिक विज्ञानं केंद्र, देहरादून में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 26 जिला एवं उपखंड प्रयोगशालाओं के कार्मिकों के लिए 24 से 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जल गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि विकासनगर विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान द्वारा किया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने जल गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की और कहा कि हमें जल प्रदूषण के विभिन्न कारकों जैसे बैक्टीरियल संक्रमण, रासायनिक प्रदूषण और माइक्रोप्लास्टिक्स पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने जल संरक्षण के उपायों पर जोर देते हुए कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में जल का सही उपयोग, जल संचयन और जल पुनर्चक्रण के लिए प्रयास करना होगा। महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत ने कार्यशाला में उपस्थित सभी लैब कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यशाला उत्तराखंड में जल संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य जल संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाना और क्षमता निर्माण करना है।

इस तीन दिवसीय कार्यशाला में सभी प्रशिक्षणार्थियों को जल गुणवत्ता परीक्षण और प्रबंधन के नए तरीकों से अवगत कराना गया। कार्यशाला के दौरान व्याख्यान, प्रायोगिक प्रशिक्षण और समूह चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने जल गुणवत्ता मानकों और उनके कार्यान्वयन के विषय में जानकारी साझा की। इस कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए जिसमें पदमश्री कल्याण सिंह रावत, विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सलाहकार डॉ. देवप्रिया दत्ता, उत्तराखंड जल संस्थान के अप्रेजल ई० मनीष सेमवाल शामिल रहे। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस कार्यशाला में 130 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। समापन समारोह के अवसर पर संयुक्त निदेशक, यूकॉस्ट डॉ. डी.पी. उनियाल, परियोजना समन्वयक प्रो० प्रशांत सिंह, श्री जी.एस. रौतेला, डॉ. विकास कंडारी, डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. मनमोहन सिंह रावत, अर्चित पाण्डेय, डॉ. आशुतोष शर्मा तथा यूकॉस्ट और उत्तराखंड जल संस्थान के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में डिजिटल उद्यमिता को बढ़ावा देने की पहल

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) ने उत्तराखंड राज्य में डिजिटल उद्यमियों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2024 में IBM के साथ उनके SkillsBuild पहल के लिए एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ऋचा संस्था को कार्यान्वयन साझेदार (Implementation Partner) के रूप में शामिल किया गया है। ऋचा टीम उत्तराखंड के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए इस कार्यक्रम को राज्य के विभिन्न कॉलेजों में आयोजित कर रही है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल उद्यमी एवं 21वी सदी की आई.टी स्किल्स में सक्षम एवं निपुण बनाना है। अब तक लगभग 1500 युवाओं को इस पहल के तहत ट्रेनिंग कराई जा चुकी है। टीम ने विभिन्न कॉलेजों में लगभग 15 से अधिक भौतिक सत्र (Physical Session) आयोजित कराये हैं। प्रोग्राम के अंतर्गत IBM के वॉलंटियर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जॉब रेडीनेस जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गये है। साथ ही, इस प्रशिक्षण से मिली सीख के आधार पर उत्तराखंड के कॉलेज के छात्रों ने 18 से 20 एप्लिकेशन–आधारित प्रोजेक्ट्स तैयार किए, और इस पहल को IBM के CSR वार्षिक कार्यक्रम 2024 में नई दिल्ली में प्रमुखता से प्रस्तुत किया एवं सराह भी गया। ऋचा एवं यूकॉस्ट के सहयोग से उत्तराखंड के अधिकतम युवाओं तक पहुँचने और उन्हें लाभान्वित करने की दिशा में काम चल रहा है। इस कार्यक्रम के क्रियान्वन में ऋचा संस्था का सराहनीय योगदान रहा है।

कोडिंग के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा की पहल

ONGC CSR उत्तराखंड में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का समर्थन कर रहा है, जिसमें कोडिंग के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल यूकॉस्ट और उत्तराखंड शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में, ऋचा संस्था को कार्यान्वयन भागीदार (Implementation Partner) के रूप में लेकर चलाई जा रही है। अगस्त 2024 से, ऋचा देहरादून के चार सरकारी विद्यालयों में कार्य कर रही है, जिसमें लगभग 1000 छात्र भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के लिए ऋचा के द्वारा एक स्वास्थ्य शिक्षा मॉड्यूल भी विकसित किया गया है। इस पहल के तहत 60 स्वास्थ्य जागरूकता शिविर (Health Awareness Camps), 9 कोडिंग सत्र, 2 संकाय विकास सत्र (Faculty Development Session), 3 कोडिंग मेंटरिंग सत्र और 1 पोषण स्वास्थ्य संगोष्ठी (Nutritional Health Seminar) जैसी गतिविधियाँ भी कराई गईं। यह पहल उत्तराखंड के युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है, क्योंकि यह न केवल स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ा रही है, बल्कि नई शिक्षा नीति (NEP 2022) के तहत छात्रों को कोडिंग सीखने का अवसर भी प्रदान कर रही है। इस कार्यक्रम में ऋचा संस्था का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।

केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनायें

साइंस सिटी देहरादून परियोजना

यूकॉस्ट के तत्वाधान में आंचलिक विज्ञान केंद्र को उच्चीकृत करके देश की 5वीं साइंस सिटी के रूप में विकसित करने की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार की "स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ कल्चर ऑफ साइंस (स्पोक्स)" योजना के तहत साइंस सिटी देहरादून का निर्माण एन0सी0एस0एम0, कोलकाता के सहयोग से किया जायेगा। एन0सी0एस0एम0 भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्तशासी संस्था है, जो देश में विज्ञान संग्रहालयों का निर्माण तथा संचालन करती है। साइंस सिटी एक प्रतिष्ठित एवं अति आकर्षक परिसर होगा, जिसके लिए लगभग 26 एकड़ में स्थापित होने वाली इस महत्वाकांक्षी साइंस सिटी परियोजना की कुल लागत 173 करोड़ रुपये है, जिसमें 88.20 करोड़ रुपये केंद्र सरकार तथा 84.80 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा वहन किये जा रहे हैं। साइंस सिटी राज्य में वैज्ञानिक चेतना, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार की समझ विकसित करने में मदद करेगी।

साइंस सिटी देहरादून में खगोल एवं अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की विरासत, भूगर्भीय जीवन, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, जैव प्रौद्योगिकी, वर्चुअल रियलिटी, ऑग्मेंटेड रियलिटी, आर्टिफीसियल इंटेलीजेन्स, आदि पर विषयगत दीर्घाओं के साथ स्पेस थियेटर सह तारामंडल, साइंस ऑन स्फेअर, हिमालय की जैवविविधता पर डिजिटल पैनोरमा, सिम्युलेटर, एक्वेरियम, उच्च वोल्टेज व लेजर विज्ञान पर विशेष शो तथा आउटडोर साइंस पार्क, थीम पार्क, बायोडोम, बटरफ्लाई पार्क, जीवाश्म पार्क एवं मिनिएचर उत्तराखंड आदि होंगे। साथ ही अन्य सुविधाओं के रूप में कन्वेंशन सेंटर तथा प्रदर्शनी हॉल आदि भी साइंस सिटी का हिस्सा होंगे। इस साइंस सिटी में एक विज्ञान प्रदर्शनी हॉल, विज्ञान अन्वेषण हॉल, स्पेस ओडिसी, सम्मेलन केन्द्र, साइंस पार्क और गेट कॉम्प्लेक्स भी शामिल हैं। इसमें नवीनतम वैज्ञानिक विकास को प्रदर्शित करने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी और उभरते क्षेत्रों को चित्रित करने के लिए आधुनिक सार्वजनिक सुविधाएं भी शामिल होंगी। साइंस सिटी की बॉउंड्री वाल का कार्य आरम्भ हो चुका है तथा साइंस सिटी के मास्टर प्लान पर कार्य गतिमान है।

मानसखंड विज्ञान केंद्र, अल्मोड़ा (एम.के.एस.सी.)

राज्य में विज्ञान की लोकप्रियता के लिए संसाधन केंद्र की स्थापना के लिए एक और मील के पत्थर के रूप में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, (यूकॉस्ट) द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एन सी एस एम), भारत सरकार के सहयोग से अल्मोड़ा में एक विज्ञान केंद्र विकसित किया है। यह विज्ञान केंद्र, मुख्य रूप से जलवायु परिवर्तन के विषय पर केंद्रित है। इस विज्ञान केंद्र में जलवायु परिवर्तन पर इंटरैक्टिव विज्ञान प्रदर्शनियाँ, मौलिक विज्ञान पर प्रदर्शनियाँ, विज्ञान पार्क, नवाचार केंद्र, छात्र और विज्ञान शिक्षक गतिविधियाँ और प्रशिक्षण केंद्र, वैज्ञानिकों और छात्रों/आम जनता के बीच चर्चा के लिए एक सभागार शामिल हैं। इसके साथ ही विज्ञान केंद्र द्वारा विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की जाती रही हैं ।

केंद्र में प्रदान की जानी वाली सुविधाएं निम्नानुसार हैं:

1. जलवायु परिवर्तन पर इंटरैक्टिव विज्ञान प्रदर्शनी।
2. बुनियादी विज्ञान पर इंटरैक्टिव प्रदर्शनी।
3. साइंस पार्क।
4. नवाचार पोषण केंद्र।
5. छात्र एवं शिक्षक विज्ञान गतिविधि तथा प्रशिक्षण केंद्र।
6. वैज्ञानिकों एवं छात्रों/आम जनता के बीच विमर्श के लिए सभागार।
7. विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक आउटरीच गतिविधियां।

विज्ञान केंद्र, चंपावत

चंपावत विज्ञान केंद्र का लक्ष्य राज्य के दूर–दराज के क्षेत्रों में प्रदर्शनियों, सेमिनारों, लोकप्रिय व्याख्यानों, विज्ञान शिविरों और विभिन्न अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करके छात्रों और आम जनता के लाभ के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना है। यह केंद्र छात्रों के बीच वैज्ञानिक शोध और रचनात्मकता की भावना को प्रेरित करने के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का संचालन करके विज्ञान शिक्षा के पूरक का कार्य करेगा, साथ ही युवाओं में नवाचार को बढ़ावा देगा और रचनात्मकता का पोषण करेगा। साइंस सेंटर चम्पावत केंद्र सरकार की स्पोक्स स्कीम के तहत निर्दिष्ट साइंस सेंटर की श्रेणी–2 के स्तर का होगा। लगभग 12 करोड़ रुपये में स्थापित होने वाला विज्ञान केंद्र चम्पावत निम्नलिखित सुविधाओं से युक्त होगाः (1) विज्ञान केंद्र (प्रदर्शनी दीर्घाएं, साइंस पार्क, सभागार, गतिविधि केंद्र एवं विजिटर फैसिलिटीज़, आदि), (2) नवाचार एवं रचनात्मकता केंद्र (3) तारामंडल (वैकल्पिक)। आदर्श चम्पावत योजना के तहत चम्पावत जनपद में विज्ञान केन्द्र की स्थापना का कार्य गतिमान है। चंपावत में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र आम जनमानस में विज्ञान शिक्षा को लोकप्रिय बनाने, जनता के बीच वैज्ञानिक सोच और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त उपकरण के रूप में काम करेगा। विज्ञान केन्द्र के निर्माण की दिशा में समर्पित प्रयास शुरू कर दिये गये हैं। यह केंद्र क्षेत्र में विज्ञान शिक्षा के लिए एक सहायता केंद्र के रूप में कार्य करेगा और प्रयोगात्मक शिक्षा के लिए एक आदर्श संस्थान साबित होगा, जैसा कि नई शिक्षा नीति–2020 में संदर्भित है। इसके अतिरिक्त, विज्ञान केंद्र स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में भी योगदान देगा तथा पर्यटकों के आकर्षण का भी केंद्र साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री लैब ऑन व्हील (मोबाइल साइंस लैब)

उत्तराखंड के सभी 13 जिलों के स्कूलों में, 13 लैब ऑन व्हील बसों द्वारा अनुभवात्मक विज्ञान शिक्षा प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री लैब ऑन व्हील्स' कार्यक्रम परिषद् के आगामी कार्ययोजनाओं लैब–ऑन–व्हील्स लॉन्च की गयी है। समाज के सुदूर वंचित और कमजोर वर्गों में एस0टी0ई0एम0 शिक्षा को मजबूत करने, राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन0ई0पी0) के मूल सिद्धांतों को आगे बढ़ाने, वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान कौशल एवं नवाचार को विकसित करने के, तथा शिक्षकों के क्षमता विकास के प्रभावी कदम के रूप में यह बस कार्य कर रही है। अगस्त्य फाउंडेशन के सहयोग से, लैब–ऑन–व्हील्स उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में विज्ञान लोकप्रियकरण का नया चेहरा बन जाएगा। हमारे पहाड़ी राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में, ये लैब–ऑन–व्हील्स अब स्कूली छात्रों के बीच विज्ञान के बारे में रुचि और जागरूकता पैदा करने वाले लाभार्थियों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचेंगी। इन प्रयोगशालाओं की गतिविधियों की निगरानी अग्रिम रूट–चार्ट के साथ गतिशील डैशबोर्ड के माध्यम से की जा रही है।

लैब ऑन व्हील बसों का उद्देश्य निम्नलिखित है:

1. एसटीईएम शिक्षा में व्यावहारिक प्रयोगों और गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान शिक्षा के पूरक के लिए मोबाइल प्रयोगशाला के रूप में कार्य करना।
2. अनुभवात्मक कौशल विकसित करना और सार्थक सीखने को प्रोत्साहित करना।
3. विज्ञान अधिगम में खोज उपागम की सुविधा प्रदान करना।
4. कक्षाओं में विज्ञान पढ़ाने के लिए रचनात्मक तरीके डिजाइन करने के लिए सरकारी स्कूल के शिक्षकों का कौशल विकास करना।
5. विज्ञान और गणित में छात्रों की जिज्ञासा, रुचि और प्रेरणा विकसित करना।
6. विज्ञान और गणित के शिक्षकों का व्यावसायिक विकास करना।
7. छात्रों में खोज और नवीनता की भावना को प्रेरित करना।

डिजिटल लाइब्रेरी

यूकॉस्ट में आंचलिक विज्ञान केंद्र में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की गयी है जिसका उद्घाटन माननीय राज्यपाल द्वारा उद्घाटन किया गया है। इस ई–लाइब्रेरी में 5362 से अधिक ई–पुस्तकें, 5185 ई–जर्नल और 17131 विश्व प्रौद्योगिकी पुस्तकों का विशाल संग्रह है। यह एक ऐसा मंच प्रदान करता है जो छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को शोध कार्यों में सहायता करेगा। लाइब्रेरी में ऑडियोबुक, बुकमार्किंग टूल और मल्टीमीडिया सामग्री एकीकरण भी शामिल है। ऐसी विशेषताएं ई–लाइब्रेरी को एक आकर्षक और गतिशील मंच बनाती हैं जो विभिन्न शिक्षण शैलियों को पूरा करती है।

विज्ञान रेडियो (88.8 FM) –

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का प्रचार–प्रसार परिषद का एक प्रमुख उद्देश्य है। वैज्ञानिक जागरूकता पैदा करने और युवाओं के कौशल विकास, विज्ञान संचार और विज्ञान लोकव्यापीकरण हेतु परिषद में एक रेडियो पॉडकास्ट स्टूडियो स्थापित किया गया है जिसके द्वारा विभिन्न विषयों और परियोजनाओं की जानकारियां सभी तक पहुंचाई जाती हैं। विज्ञान प्रचार–प्रसार की इस कड़ी में एक अहम् भूमिका यूकॉस्ट में स्थापित होने वाले आगामी सामुदायिक रेडियो स्टेशन, विज्ञान रेडियो (88.8 FM) के द्वारा निभाई जाएगी। यह विज्ञान रेडियो एक सशक्त माध्यम होगा परिषद् के कार्यक्रम, विभिन्न परियोजनाओं और दूर दराज के क्षेत्र में विज्ञान जागरूकता के संचार हेतु। इस विज्ञान रेडियो के माध्यम से वैज्ञानिक और विशेषज्ञ संवाद, विज्ञान के समाचार, वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी और विभिन्न वैज्ञानिक परियोजनाओं की जानकारी ग्रामीण समुदायों और समाज के सभी क्षेत्रों, गांवो, दूर दराज के क्षेत्रों, स्कूल, कॉलेज और आम जान मानस तक पहुंचाई जाएगी। यह विज्ञान लोकव्यापीकरण के क्षेत्र में परिषद् की एक अनोखी पहल है, जिसके विभिन्न कार्यक्रम निर्माण और स्टेशन सेटअप का कार्य प्रगति पर है।

स्टेम लैब

यूकॉस्ट द्वारा प्रथम फेज में प्रदेश के 73 विकासखंडो के 78 स्कूलों में स्टेम लैब की शुरुवात–

स्टेम एजुकेशन सिस्टम के द्वारा विज्ञान, तकनीक तथा गणित विषय को विद्यार्थियों की योग्यता एवं रुचि के अनुसार रोचक तरीके से सिखाया जाता है। स्टेम लैब विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने में बच्चों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो सकती हैं। इसमें विभिन्न प्रकार के हैंड्स ऑन किट्स होती है, जिससे की विद्यार्थियों को व्यायवहारिक तरीके से विज्ञान, तकनीक तथा गणित विषयो को सीखने में आसानी होती है। इसी परिपेक्ष में उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (यूकॉस्ट) देहरादून, राज्य के 95 विकासखंडो में स्टेम लैब को स्थापित करने हेतु प्रयासरत है, इसमें अब तक यूकॉस्ट द्वारा प्रदेश के 73 विकासखंडो 78 स्कूलों में स्टेम लैब स्थापित कर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, चम्पावत, चमोली, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, पौड़ी, नैनीताल एवं देहरादून जिलों के प्रत्येक विकासखंड में उक्त स्टेम लैब को स्थापित किया जा चुका है, शीघ्र ही शेष 22 विकासखंडो में प्रशिक्षक के साथ संपूर्ण 95 विकासखंडो में स्टेम लैब को स्थापित करने का प्रयास जारी है। स्टेम लैब प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में व्यायवहारिक तरीके से विज्ञान, तकनीक तथा गणित सरीखे विषयों को सीखने में मील का पत्थर साबित होंगी।

क्रम संख्या	जिला	ब्लॉक में स्टेम स्कूल की संख्या
1	देहरादून	10
2	पिथौरागढ	8
3	बागेश्वर	3
4	चम्पावत	4
5	उत्तरकाशी	6
6	चमोली	9
7	रुद्रप्रयाग	3
8	अल्मोड़ा	12
9	नैनीताल	8
10	पौड़ी	15
कुल योग		**78**

परियोजना – हाई–टेक बांस नर्सरी

(राष्ट्रीय बांस मिभान योजना भारत सरकार वित्तीय सहायता उत्तराखंड बांस और फाइबर विकास बोर्ड) यूबीएफडीबी उत्तराखंड सरकार देहरादून

उत्तराखण्ड राज्य जैवविविधता की दृष्टि से हॉट–स्पॉट होने के कारण यहां पर पाये जाने वाले प्राकृतिक संसाधन अल्प आय वर्ग एवं ग्रामीणों की आजीविका के महत्वपूर्ण संसाधन हैं, इन्ही संसाधनों में से बांस एवं रिंगाल के संसाधन ग्रामीण काष्तकारों के आजीविका के प्रमुख स्रोत है। बांस घास की प्रजाती का एक ऐसा पौधा है जिसे इसके बहुउपयोगी गुणों के कारण इसे हरा सोना के नामों से जाना जाता है। उत्तराखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति अत्यन्त विषम एवं संवेदनशील होने के कारण रोजगार के अल्प संसाधन है। बांस के संसाधनों को संरक्षण एवं काष्तकारों की क्षमता विकास के द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त किये जा सकते है। बांस पर्यावरण की दृष्टि से प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने, सामुदायिक विकास एवं मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ–साथ आयवर्धन व रोजगार का अतिउत्तम संसाधन हो सकता है। वर्तमान समय में कोविड–19 महामारी के प्रभाव से रोजगार के अवसरों में भारी कमी आयी है इसके साथ ही पिछड़े समुदाय के काष्तकार जो इस उद्यम से जुड़े हैं उनके लिए बांस एवं रिंगाल के संसाधन रोजगार एवं आयवर्धन हेतु सहायक सिद्ध हो सकते हैं। अतः इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद के अन्तर्गत राज्य में जीवोकोपार्जन हेतु बांस एवं रिंगाल पर आधारित पारम्परिक उत्पादों के मूल्यवर्धन हेतु व काष्तकारों के सामाजिक आर्थिक उन्नयन हेतु उनकी कार्यक्षमता में विकास एवं समस्त काष्तकारों को उत्पादों की बिक्रि हेतु विभिन्न संस्थाओं के साथ जोड़ कर श्रृंखला विकास की प्रक्रिया का अध्ययन किया जा रहा हैं। जैव विविधता, आजीविका और सतत विकास में योगदान उत्तराखंड राज्य जैव विविधता की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण हॉट–स्पॉट है, जहाँ प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता देखी जाती है। इन प्राकृतिक संसाधनों में बांस और रिंगाल का विशेष स्थान है, जो राज्य के ग्रामीण और अल्प आय वर्ग के लोगों के लिए आजीविका के प्रमुख स्रोत हैं। बांस एक बहुउपयोगी पौधा है जिसे हरा सोना और चमत्कारी घास के रूप में भी जाना जाता है। इसकी अनूठी विशेषताओं के कारण यह केवल पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में ही सहायक नहीं है, बल्कि यह रोजगार और आय के बेहतरीन साधन के रूप में भी कार्य करता है। उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति अत्यंत संवेदनशील और कठिन है, जिसके कारण यहाँ रोजगार के अवसर सीमित हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में आजीविका के साधन सीमित होने के कारण स्थानीय समुदायों को अपने जीवन–यापन के लिए पारंपरिक कृषि, पशुपालन और वानिकी पर निर्भर रहना पड़ता है। बांस और रिंगाल, इन क्षेत्रों के ग्रामीण काष्तकारों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन हैं, जो उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हैं। बांस की लकड़ी जैसी मजबूती, तीव्र वृद्धि और पर्यावरणीय अनुकूलता इसे कई प्रकार के उपयोगों के लिए उपयुक्त बनाती है। इसका उपयोग निर्माण, फर्नीचर, हस्तशिल्प, कागज निर्माण, खाद्य पदार्थ, और जैविक ऊर्जा उत्पादन में किया जाता है। उत्तराखंड में विशेष रूप से रिंगाल (छोटे व्यास का बांस) का उपयोग पारंपरिक टोकरी, चटाई, टोकरियाँ, फर्नीचर और अन्य हस्तशिल्प उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

उद्देश्य

- बांस की खेती के माध्यम से स्थायी ग्रामीण आजीविका सुधार करना। यह पारिस्थितिकी बहाली आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसके निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य हैं।
- बांस प्रजातियों की उच्च गुणवत्ता वाली पौध सामग्री का उत्पादन करना।
- बांस के लिए मौजूदा नर्सरी तकनीकों (मिस्ट चौंबर्स, हार्डनिंग चौंबर्स, माइक्रोप्रोपेगेशन) का मानकीकरण और सुधार करना।
- व्यावसायिक बांस प्रजातियों के लिए राइजोम बैंक की स्थापना करना।
- प्रशिक्षण और विस्तार के माध्यम से उत्पन्न तकनीकों का प्रसार करना।

क्रियाएँ और उपलब्धियाँ

- लाडपुर नर्सरी (उत्तराखंड बांस और फाइबर विकास बोर्ड बांस नर्सरी और प्रदर्शनी केंद्र में तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- प्रशिक्षण मैनुअल प्रकाशित किए गए।
- परिसर में बांस प्रजातियों की उच्च गुणवत्ता उत्पन्न करने और नर्सरी विकसित करने के लिए मिस्ट चौंबर और हार्डनिंग चौंबर स्थापित किए गए।
- परिसर में बांस की प्रजातियों के पौध सामग्री उत्पादन के लिए हाई–टेक नर्सरी की स्थापना और बांस पर एक वेबसाइट विकसित की गई।
- बांस की प्रजातियों के वर्णनात्मक पहलुओं के बारे में जानकारी देने वाले फल्कोड वाले साइनबोर्ड स्थापित किए गए।

परियोजना प्रबंधन इकाई के तहत उत्तराखंड में जल गुणवत्ता निगरानी परियोजना

जल जीवन मिशन के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य की 26 जनपदीय व उपखंडीय जल गुण्वत्ता परिक्षण एवं अनुश्रवण प्रयोगशालाओं (NABL Accredited) का संचालन एवं निगरानी कार्य उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (यूकॉस्ट), देहरादून व उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में घटित परियोजना प्रबंधन इकाई (पी०एम०यू०) द्वारा किया जा रहा है। सभी 13 जिला प्रयोगशालाओं व 13 उपखंडीय जल गुणवत्ता प्रयोगशालाओं को NABL द्वारा मान्यता दी गई हैं। इस परियोजना के माध्यम से वर्तमान कुल 120 कार्मिक कार्यरत है, जिसमे परियोजना प्रबंधन इकाई के तहत केमिस्ट, प्रयोगशाला सहायक अथवा जल नमूनों को एकत्रित करने के लिए सैम्पलिंग सहायक हैं।

जल गुणवत्ता में सुधार हेतु विभिन्न भौतिक– रासायनिक व बैक्टेरिओलॉजिकल मापदंडो की BIS 10500 (2012) के तहत जांच की जा रही है, जिसकी निगरानी से आमजनो को बिना किसी शुल्क के अपने जल की गुण्वत्ता की जानकारी मिलती है व इस कार्यक्रम से माध्यम से उनकी जल गुणवत्ता भी सुरक्षित रहती है। उत्तराखंड के ग्रामीण भागों पर मुख्य ध्यान देने के साथ राज्य भर से पानी के नमूनों का परीक्षण किया जाता है, जिसमे जल गुणवत्ता की जांच व परीक्षण प्रदेश के विभिन 38,000 से अधिक जल श्रोतों, 20,000 से अधिक विद्यालयों, 20,000 से अधिक आंगनवाड़ी केन्द्रो तथा राज्य के लगभग 15,000 गाँव में की जा रही हैं ताकि उत्तराखण्ड के लोगों को सुरक्षित पानी सुनिश्चित किया जा सके।

जल जीवन मिशन (जे0जे0एम0) के दिशानिर्देशों के अनुसार परियोजना का उद्देश्य पानी की गुणवत्ता की जांच विभिन्न 16 भौतिक– रासायनिक जल गुणवत्ता के पैरामीटर अर्थात् पीएच, टी0डी0एस0, टर्बिडिटी, कुल कठोरता, कुल क्षारीयता, फ्लोराइड, लोहा, नाइट्रेट, सल्फेट, क्लोराइड, कैल्शियम, मैग्नीशियम, अवशिष्ट मुक्त क्लोरीन, रंग, गंध, स्वाद तथा 02 बैक्टेरिओलॉजिकल मापदंडो कुल कोलीफॉर्म और ई0 कोलाई सेकी जा रही हैं। वर्ष 2024 के दौरान, उत्तराखण्ड में 26 जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं में कुल 1 लाख 15 हजार से अधिक जल नमूनों की जांच की जा चुकी है।

26 जनपदीय व उपखंडीय जल गुणवत्ता परिक्षण एवं अनुश्रवण प्रयोगशालाओं के लिए उनके आंतरिक ऑडिट के साथ निगरानी और मूल्यांकन कर सभी प्रयोगशालाओं में भ्रमण कर उनके द्वारा सम्पादित किये जा रहे कार्यों का भी मूल्यांकन किया गया। इसके अतिरिक्त एन0ए0बी0एल0 से संबंधित प्रयोगशाला कार्यों में तकनीकी सुधार लाने के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई के जिला और उपखंडीय स्तरीय जल गुणवत्ता परीक्षण और निगरानी प्रयोगशालाओं के रसायनज्ञों को समय–समय पर प्रशिक्षण प्रशिक्षण दिया जाता है।

उत्तराखण्ड@25 आदर्श चम्पावत

उत्तराखण्ड राज्य को देश का एक श्रेश्ठ और अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी द्वारा बोधिसत्व विचार श्रृंखला के माध्यम से उत्तराखण्ड@25 की परिकल्पना की गयी। इसके लिए चम्पावत जिले को उसकी भौगोलिक पृष्ठ भूमि के आधार आदर्श जनपद के रूप में विकसित करने के लिए चयन किया गया, जिसके लिए उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून को नोडल एजेन्सी नामित किया गया है। यूकॉस्ट द्वारा चम्पावत जनपद में राज्य के रेखीय विभागों, केन्द्रीय संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों एवं एन0जी0ओ0 के साथ समन्वय स्थापित कर ग्रामीण आजीविका, विज्ञान के प्रचार–प्रसार के क्षेत्र में जो कार्य किये जा रहे है, उनका विवरण इस प्रकार है:

1. उद्यमिता विकास कार्यक्रम के माध्यम से ऐपण आर्ट एवं हथकरघा प्रशिक्षण
2. गैनोडर्मा मेडिशिनल मशरूम की खेती एवं प्रसंस्करण
3. पिरूल से ब्रिकेटस बनाने हेतु प्रसंस्करण इकाई की स्थापना
4. मॉ पूर्णागिरि मंदिर में चढावे के फूलों से धूप, सुगन्धित तेल बनाये जाने हेतु प्रसंस्करण इकाई की स्थापना
5. चम्पावत जनपद में एरोमा मिशन के अन्तर्गत एरोमा पार्क की स्थापना
6. चम्पावत जनपद के लिए जी0आई0एस0 आधारित डैशबोर्ड का विकास
7. स्टैम लैब्स की स्थापना
8. लैब्स ऑन व्हील्स
9. विज्ञान केन्द्र चम्पावत की स्थापना
10. महिला प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना
11. विविध खाद्यय प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा समय–समय पर आदर्श चम्पावत परियोजना की समीक्षा बैठक ली जाती है। इसी क्रम में दिनांक 13 जून 2024 को माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में राज्य सचिवालय में चंपावत को मॉडल जिला बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करने और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी ने कहा है कि उत्तराखंड को एक मॉडल राज्य बनाने के प्रयास में चम्पावत को एक मॉडल जिले के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रयासों के परिणाम जमीन पर दिखाई दें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मॉडल चंपावत योजना के लिए नोडल अधिकारियों को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें करनी चाहिए साथ ही उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में स्थानीय लोगों के सुझाव भी लिये जाने चाहिए।

6

प्रकाशन/पुस्तकालय

आलोच्य अवधि में परिषद् ने निम्नलिखित प्रकाशन किये।

न्यूज लेटर

आंचलिक विज्ञान केंद्र (आरएसएसी), देहरादुन
सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग,
उत्तराखण्ड सरकार
वार्षिक प्रतिवेदन
2024

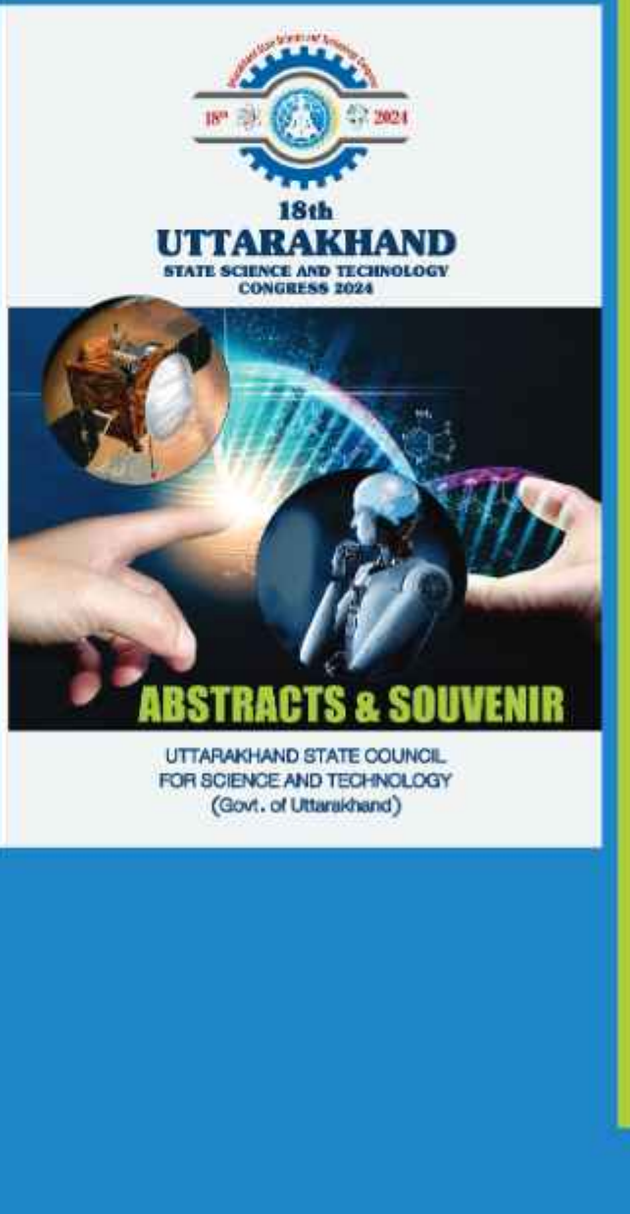

18TH
UTTARAKHAND STATE SCIENCE AND
TECHNOLOGY CONGRESS - 2024
ABSTRACTS & SOUVENIR

19 TH
UTTARAKHAND STATE SCIENCE AND TECHNOLOGY CONGRESS - 2024
ABSTRACTS & SOUVENIR

DIGITAL NEWS BULLETIN

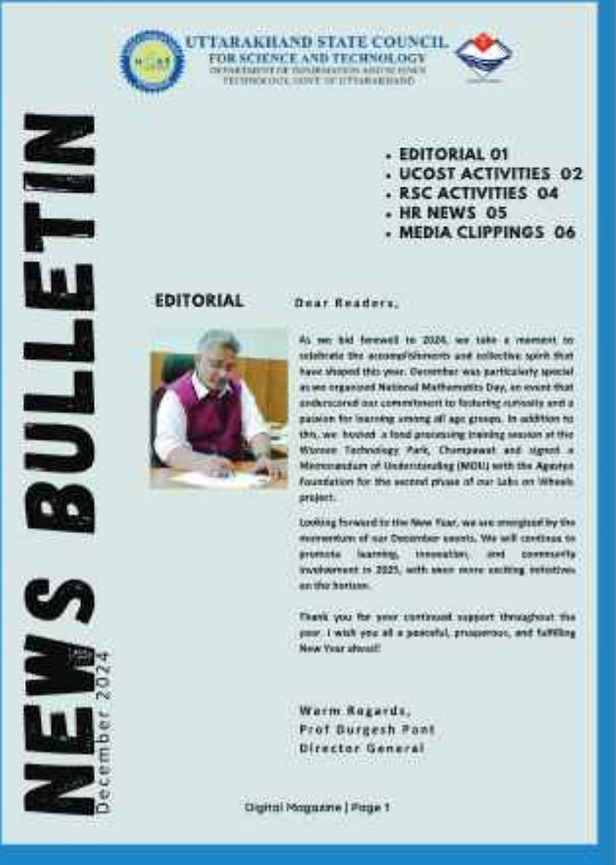

विज्ञान परिचर्चा

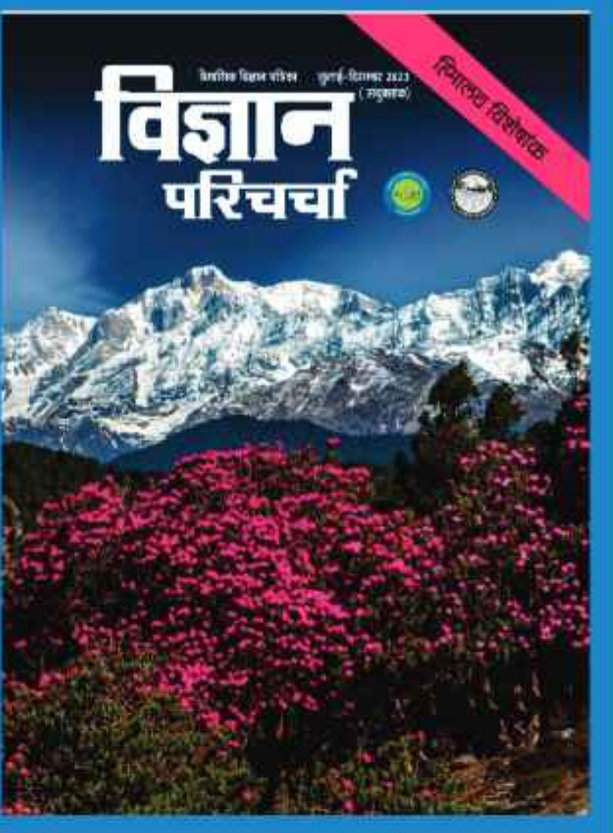

The Triumph of Silkyara

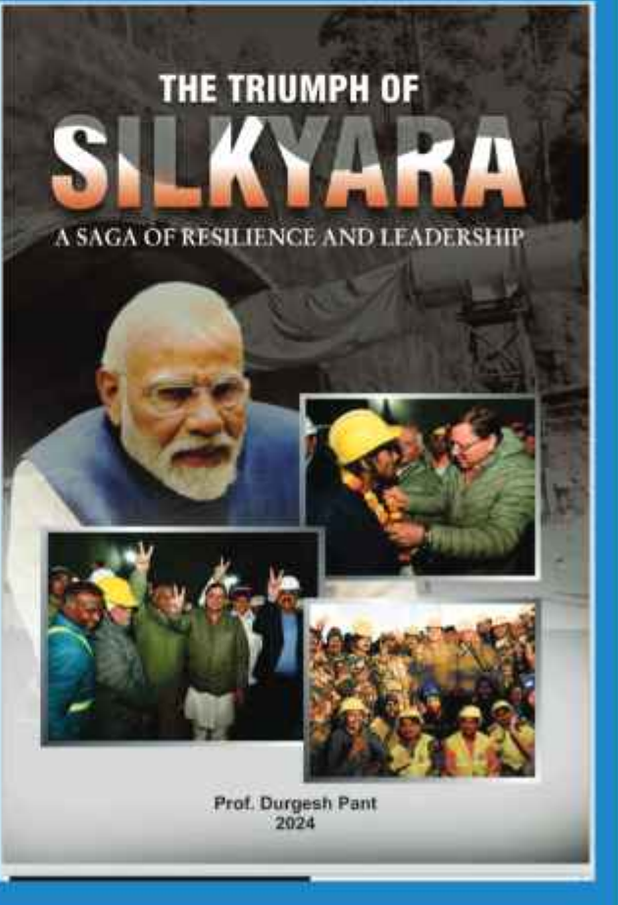

7

सारांश

इण्डिया इन्टरनेशनल सांइस फेस्टिवल महोत्सव में प्रतिभाग किया –

दिनांक 17 से 20 जनवरी, 2024 को डी0बी0टी0, टी0एच0एस0टी0आई0, आर0सी0बी0 कैम्पस, फरीदाबाद, हरियाणा में इण्डिया इन्टरनेशनल सांइस फेस्टिवल महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री जितेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। आयोजन में राष्ट्र के विभिन्न विभागों एवं संस्थानों से वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। परिषद से डॉ0 जगबीर असवाल, वैज्ञानिक सहायक एवं श्री अर्चित पाण्डे, परियोजना प्रबन्धक द्वारा परिषद के विभिन्न कार्यक्रमों, परियोजनाओं के बारे में विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों एवं आम जनमानस को अवगत कराने हेतु परिषद द्वारा प्रर्दशनी लगवायी गयी।

18वीं विज्ञान कांग्रेस के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन –

18वीं विज्ञान कांग्रेस 8 व 9 फरवरी, 2024 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में होनी प्रस्तावित है। जिस हेतु उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस नेगी जी के साथ परिषद से डॉ0 आशुतोष मिश्रा, वरि0 वैज्ञानिक अधिकारी, ई0 जितेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी व श्री हिमांशु गोयल, वैज्ञानिक–2 द्वारा दिनांक 10 जनवरी, 2023 को बैठक में प्रतिभाग किया गया। इस वर्ष सम्मेलन की थीम **'विश्व शांति और सद्भाव के लिए भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा'** रखी गई है। कुलपति प्रो. ओ. पी. एस. नेगी ने कहा कि 2 दिन तक चलने वाला यह सम्मेलन भव्य होगा, इसमें देश–विदेश के कई विषय विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में विज्ञान की अलग–अलग विधाओं एवं नवाचार पर वैज्ञानिक चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान स्थानीय उत्पदों व स्थानीय स्तर पर किए गए नवाचार से संबंन्धित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। साथ ही उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का भी इसमें स्टॉल लगाया जायेगा। यूकॉस्ट के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 आशुतोष मिश्रा ने कहा कि यह सम्मेलन विज्ञान के 12 विधाओं पर आधारित 12 अलग–अलग सत्रों में चलेगा, 'विश्व शांति और सद्भाव के लिए भारतीय ज्ञान विज्ञान परम्परा' पर 6 सत्र चलेंगे तथा एक सत्र नवाचार पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि शोध पत्र पढ़ने के लिए व सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 15 जनवरी, 2024 रखी गई है। अब तक लगभग 350 इच्छुक प्रतिभागी नामांकन कर चुके हैं तथा 500 से अधिक प्रतिभागियों की प्रतिभाग करने की उम्मीद है।

मानसखण्ड विज्ञान केंद्र, अल्मोड़ा –

मानसखण्ड विज्ञान केंद्र, अल्मोड़ा में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) द्वारा एक एक महत्वपूर्ण और परिवर्तन कारी पहल है। यह केंद्र क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, देहरादून के बाद उत्तराखण्ड में दूसरा विज्ञान केंद्र है, और राज्य के कुमाऊं क्षेत्र में पहला है। इस केंद्र का उद्देश्य उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों

में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है, जिसमें अल्मोड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस केंद्र का अंतर्निहित विचार यह है कि व्यावहारिक गतिविधियों से वैज्ञानिक और आलोचनात्मक सोच के साथ–साथ समस्याओं को हल करने की क्षमता विकसित की जा सके। मानसखण्ड विज्ञान केंद्र, अल्मोड़ा का उद्घाटन उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी द्वारा 10 मार्च, 2024 को वर्चुअली किया गया था। यह केंद्र सभी उम्र के लोगों, विशेषकर छात्रों के लिए विज्ञान को सुलभ बनाने के लिए समर्पित है। केंद्र अपने विभिन्न दीर्घाओं के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, पारंपरिक औशधि, मनोरंजन विज्ञान और खगोल विज्ञान (तारामंडल) पर विशेष जोर देने के साथ विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में ज्ञान प्रदान करता है। केंद्र में एक नव प्रवर्तन केंद्र भी है जहाँ छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इलैक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और रोबोटिकस, कोडिंग, आदि परियोजनाओं पर काम कर सकते हैं। मानसखंड विज्ञान केंद्र न केवल विज्ञान और पर्यावरण की गहरी समझ को बढ़ावा देता है, बल्कि समुदाय को सार्थक और प्रभावशाली तरीकों से जोड़ता है, स्थिरता और वैज्ञानिक जिज्ञासा की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

आज, मानसखण्ड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा में एक प्रमुख आकर्षण बन गया है, जहाँ नियमित रूप से स्कूल, कॉलेज और विभिन्न संस्थानों से विद्यार्थी, शोधार्थी एवं अध्यापकगण आते हैं। चमोली और पिथौरागढ़ जैसे दूरदराज के जिलों से छात्र भी इस केंद्र में आ रहे हैं, जो इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, मानसखण्ड विज्ञान केंद्र अब अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भी आकर्शित कर रहा है, जिससे इसकी वैश्विक छवि में वृद्धि हो रही है। 15 मई, 2024 से शुरू होकर, केंद्र रोबोटिक्स और कोडिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, जीव–विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान और कला और शिल्प पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन कर रहा है। ये शिविर युवा वैज्ञानिकों को पोषित करने और उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक विषयों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए परिकल्पित किए गए हैं। अल्मोड़ा में मानसखण्ड विज्ञान केंद्र वैज्ञानिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और समारोहों के आयोजन में भी सक्रिय रूप से शामिल है। इसके द्वारा आयोजित प्रमुख कार्यों में शामिल हैं: **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, अंतर्राष्ट्रीय वन–दिवस विश्व पृथ्वी–दिवस अंतर्राष्ट्रीय दिवस जैव–विविधता एंव विश्व पर्यावरण दिवस आदि।**

उत्तराखण्ड@25 आदर्श चम्पावत –

उत्तराखण्ड को देश का एक श्रेष्ठ और अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी द्वारा बोधिसत्व विचार श्रृंखला के माध्यम से उत्तराखण्ड@25 की परिकल्पना की गयी। इसके लिए चम्पावत जिले को उसकी भौगोलिक पृश्ठ भूमि के आधार आदर्श जनपद के रूप में विकसित करने के लिए चयन किया गया, जिसके लिए उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट), देहरादून को नोडल एजेन्सी नामित किया गया है। यूकॉस्ट द्वारा चम्पावत जनपद में राज्य के रेखीय विभागों, केन्द्रीय संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों एवं एन0जी0ओ0 के साथ समन्वय स्थापित कर ग्रामीण आजीविका, विज्ञान के प्रचार–प्रसार के क्षेत्र में कार्य किये जा रहे है।

महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना –

यूकॉस्ट देहरादून द्वारा चम्पावत जनपद में प्रथम महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। उक्त महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य महिलाओं को विभिन्न प्रौद्यागिकियों में प्रशिक्षित करने के साथ ही रोजगार के नये अवसर भी उपलब्ध करवाना है। यूकॉस्ट द्वारा हथकरघा से संबंधित बेसिक एवं एडवांस विभिन्न मशीनो को महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र, खर्ककार्की में स्थापित किया गया है। भविष्य में महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र में अलग–अलग प्रौद्योगिकियों क्रमशः ड्रोन प्रौद्योगिकी, डिजिटल प्रौद्योगिकी, ए0आई0 प्रौद्योगिकी इत्यादि को स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिससे चम्पावत की महिलाओं को विभिन्न प्रौद्योगिकी के बारे में प्रशिक्षित किये जाने के साथ ही रोजगार के नये अवसर भी उपलब्ध होगें। साथ ही भविष्य में जनपद के प्रत्येक ब्लॉक में महिलाओं को प्रशिक्षित करने एवं रोजगार के नये अवसर उपलब्ध करवाने के लिए महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम के माध्यम से ऐपण आर्ट एवं हथकरघा का प्रशिक्षण –

यूकॉस्ट, देहरादून एवं निर्मला सोशल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी, हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 6 मई से दिनांक 20 मई 2024 को 15 दिवसीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में चम्पावत ब्लॉक के विभिन्न गॉवों से 30–35 चयनित महिलाओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को ऐपण आर्ट के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा, साथ ही जूट के विभिन्न उत्पादों जैसे बैग, फोल्डर इत्यादि के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा। भविष्य में चम्पावत जनपद में कुल 500 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

पिरूल से ब्रिकेट्स बनाने हेतु इकाई की स्थापना –

यूकॉस्ट देहरादून एवं आई0आई0पी0 देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में पिरूल से ब्रिकेट्स बनाने की इकाई की स्थापना भिगंराड़ा गॉव, पाटी ब्लॉक चम्पावत में किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में क्षेत्र की विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से कुल 50 महिलाओं के द्वारा पिरूल एकत्रित किया जा रहा है और माह जुलाई 2024 में पिरूल आधारित 50 किलो0 प्रति घंटा क्षमता वाली ब्रिकेटिंग इकाई की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। इस इकाई के माध्यम से पिरूल से ब्रिकेट्स बनाये जायेगें, जिससे क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होगे। साथ ही ब्रिकेट से चलने वाले 500 उन्नत चूल्हों का प्रयोग ग्रामीण घरों में ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कराया जायेगा।

यूकास्ट द्वारा चंपावत जनपद में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गैनोडर्मा मशरूम की खेती वैज्ञानिक तरीके से करायी जायेगी –

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी आय में वृद्धि करना है। जिसके प्रथम चरण में 50 महिलाओं को चयनित कर उन्हे मेडिसिनल मशरूम गैनोडर्मा के बारे में प्रशिक्षित करने के बाद द्वितीय चरण में प्रत्येक महिला को यूकॉस्ट द्वारा 50–50 बैग गैनोडर्मा मशरूम के खेती करने के लिए दिये जायेगें, जिससे महिलाओं के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होगे। इस कार्य में तकनीकी सहयोग हैन एग्रोकेयर, देहरादून के द्वारा किया जायेगा।

मॉ पूर्णागिरि मंदिर में चढावे के फूलों से धूप, सुगन्धित तेल बनाये जाने हेतु प्रसंस्करण इकाई की स्थापना –

दिनांक 1 मई 2024 को यूकॉस्ट देहरादून एवं सीमैप लखनऊ की संयुक्त टीम ने मॉ पूर्णागिरि मन्दिर क्षेत्र का भ्रमण किया और स्थानीय फूल विक्रेताओं से वार्ता की। भ्रमण का उद्देश्य क्षेत्र में औषधि एवं सगंध पौधों का उत्पादन और मन्दिर में चढावे के फूलों से धूप, सुगन्धित तेल इत्यादि का निर्माण किया जाना है। साथ ही एरोमा मिशन के अन्तर्गत महिला समूहो को गुलाब, गुडहल, लेमनग्रास, जिरेनियम, रोजमैरी की पौध उपलब्ध करवायी जायेगी और भविष्य में क्षेत्र में एक प्रसंस्करण इकाई की स्थापना भी की जायेगी, जिससे महिलाओं के लिए रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होगें।

चम्पावत जनपद में एरोमा पार्क की स्थापना–

चम्पावत जनपद के मुडियानी गॉव में यूकॉस्ट देहरादून द्वारा एक एरोमा पार्क की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है। उक्त पार्क के लिए भूमि जिला प्रशासन, चम्पावत द्वारा यूकॉस्ट को दी जायेगी। उक्त कार्य हेतु तकनीकी सहयोग सीमैप लखनऊ के द्वारा दिया जायेगा। उक्त पार्क में एरोमैटिक पौधो की नर्सरी बनाने के साथ ही एरोमैटिक पौधो की खेती भी की जायेगी और एक प्रसंस्करण इकाई की स्थापना भी की जानी प्रस्तावित है। साथ ही पार्क के माध्यम से भविष्य में चम्पावत जनपद में भ्रमण के लिए आने वाले यात्रियो को एरोमैटिक पौधो की जानकारी मिल सकेगी। उक्त पार्क का संचालन महिला स्वयं सहायता समूहों के द्वारा किया जायेगा। वर्तमान में यूकॉस्ट द्वारा नरसिंह डांडा एवं पुनेठी गॉवों में चयनित किसानों को एरोमैटिक पौधों जिरेनियम एवं रोजमैरी के 30000 पौधे वितरित किये गये। दिनांक 2 मई 2024 को नरसिंह डांडा गॉव में यूकॉस्ट देहरादून एवं सीमैप लखनऊ के वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया और किसानों को सगंध पौधों जिरेनियम, रोजमैरी, लेमनग्रास इत्यादि से बनाये जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी दी गयी।

उत्तराखण्ड@25 आदर्श चम्पावत के अन्तर्गत चम्पावत जनपद के सिप्टी गॉव में यूकॉस्ट द्वारा टैक्नोलाजी रिर्सोस सेन्टर की स्थापना–

उत्तराखण्ड@25 आदर्श चम्पावत परियोजना के अन्तर्गत चम्पावत जनपद के सिप्टी गॉव में यूकॉस्ट एवं चैतन्य मौनालय एवं कृषि सेवा समिति, हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में एक टैक्नोलाजी रिर्सोस सेन्टर की स्थापना की गयी। इस अवसर पर प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकॉस्ट ने ऑनलाइन माध्यम से जुडकर कहा कि इस टैक्नोलाजी रिर्सोस सेन्टर की स्थापना का उद्देश्य महिलाओं को विभिन्न प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी देने के साथ ही प्रशिक्षित करना है। उन्होने कहा कि वर्तमान में इस केन्द्र में महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए ऐपण एवं हथकरघा से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें महिलाओं को ऐपण एवं जूट के बैग बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा और स्वरोजगार के नये अवसर उपलब्ध हो सकेगे। इस अवसर पर श्री देवेन्द्र सिंह, समन्वयक, यूकॉस्ट ने कहा कि यूकॉस्ट द्वारा चम्पावत जनपद में महिलाओं की आजीविका में सुधार करने के लिए महिला प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना के साथ ही अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित श्री संजय जोशी अध्यक्ष चैतन्य मौनालय एवं कृषि सेवा समिति, हल्द्वानी ने कहा कि यूकॉस्ट द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार से जोडने के लिए इस केन्द्र की स्थापना की जा रही है। इस अवसर पर सिप्टी सहित अन्य गॉवों की 50 से 60 महिलाओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विभव मधुमक्खी दिवस 2024 का आयोजन–

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) देहरादून और चौतन्य मौनालय एवं कृषि सेवा समिति, हल्द्वानी के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 20 मई 2024 को विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका इण्टर काजेल चम्पावत में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों के संरक्षण और परागण के महत्व के बारे में किसानों, युवाओं एवं विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाना था। इस अवसर श्री संजय जोशी, अध्यक्ष, चौतन्य मौनालय एवं कृषि सेवा समिति, हल्द्वानी के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियो एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया और उन्होंने कहा कि मधुमक्खियां केवल शहद ही नहीं, बल्कि हमारी खाद्य श्रृंखला के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। श्री देवेंद्र सिंह, समन्वयक, यूकॉस्ट, देहरादून के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को यूकॉस्ट द्वारा उत्तराखंड@25 आदर्श चंपावत परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे विविध कार्यो के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही उन्होने प्रतिभागियों को विश्व मुधमक्खी दिवस के महत्व एवं उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उनके द्वारा प्रतिभागियों को विश्व मधुमक्खी दिवस के इस वर्ष के विषय "Bee Engaged With Youth" के बारे में भी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर प्रो0 दुर्गेश पंत, महानिदेशक यूकॉस्ट द्वारा ऑनलाइन माध्यम से जुडकर कहा कि मधुमक्खियां हमारे पारिस्थितिकी तंत्र का अनिवार्य हिस्सा हैं। इनके बिना हमारा खाद्य उत्पादन और जैव विविधता दोनों ही संकट में पड़ सकते हैं। मधुमक्खी पालन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण करने के साथ ही किसानों को रोजगार के भी नये अवसर उपलब्ध होगें। जिला उद्यान अधिकारी श्री टी0एन0पांडे के द्वारा उद्यान विभाग में चल रहे मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों श्री बृजपाल सिंह नेगी एवं श्री हरीश जोशी के द्वारा उपस्थित किसानों एवं छात्राओं को मधुमक्खी पालन एवं विभिन्न मधुमक्खी पालन संयंत्रों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न गांव के 15 से 20 किसानों के द्वारा प्रतिभाग किया गया और किसानों को उनके मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार भी दिया गया। प्रभारी प्रधानाचार्या श्रीमती आशा टम्टा के द्वारा धन्यवाद देते हुए कहा कि यूकास्ट द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार की ज्ञानवर्धक कार्यशालाओं का आयोजन करवाने के लिए निवेदन किया गया। इस अवसर पर 80 से अधिक छात्राओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिमवत्स संस्था के द्वारा भी सहयोग किया गया। कार्यक्रम में नवीन नेगी सहित विभिन्न गांव के किसानो के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विभव जैव प्रौद्योगिकी दिवस–2024 का आयोजन –

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (यूकॉस्ट), देहरादून के उत्प्रेरण एवं सहयोग तथा रुरल एन्वायरमेंटल एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसायटी, रीड्स द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2024 के उपलक्ष्य में राजकीय बालिका इंटर कालेज, चंपावत में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

किया गया, कार्यशाला में चंपावत क्षेत्र के सैकड़ों छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या चंद्रकला टम्टा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. बी डी सुतेडी, सेवा निवृत प्राचार्य तथा डॉ. रजनी पंत, कृषि विज्ञान केंद्र लोहाघाट ने जैव विविधता संरक्षण विषय पर विस्तार से छात्रों को जानकारी दी, डॉ. सुतेडी ने जैव विविधता की जानकारी देने के साथ साथ उसके समय और व्यक्तिगत जीवन में उपयोग के बारे में जागरूक होना आवश्यक बताया और कहा की अधिक उत्पादन पैदा करने की होड़ में हमने पारंपरिक पद्धति को छोड़ दिया है, जो की चिंताजनक है, हम नया कुछ जरुर अपनाएं परंतु पारंपरिक पद्धति को न छोड़ें। कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. रजनी पंत ने जंतुओं और वनस्पतियों के आपसी सम्बन्ध के बारे में बताते हुए कहा की खाद्य श्रृंखला के महत्व को समझाया और आधुनिक खेती आदि कैसे हो, की जानकारी दी, रीड्स के इंद्रेश लोहनी ने सभी आगंतुकों और यूकॉस्ट का आभार व्यक्त किया की जिले में ऐसी कार्यशाला आयोजित की जा रही है, जिसका लाभ छात्रों को मिल रहा है और जिला आदर्श जिला बनने की ओर को आगे बड़ रहा है, इस हेतु महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत जी का आभार, यूकॉस्ट समन्वयक देवेंद्र सिंह ने विशेष रूप से चंपावत जिले में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी जिन में प्रमुख रूप से महिला प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना, गैनोडर्मा मशरूम का उत्पादन, जूट बैग का निर्माण और पिरुल से ब्रिकेट्स निर्माण प्रमुख हैं, रीड्स समन्वयक कुसुम थ्वाल ने जैव विविधता पर कविता के माध्यम से विषय पर प्रकाश डाला तथा किरन गहतोड़ी ने सभी का आभार व्यक्त किया, डॉ. एम पी जोशी ने जैव विविधता दिवस मनाने के कारण तथा जरूरत पर बल दिया। कार्यशाला में चम्पावत के विभिन्न विद्यालयों के छात्र एवं छात्राओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उत्तराखण्ड@25 आदर्श चम्पावत समीक्षा बैठक –

माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 13 जून 2024 को राज्य सचिवालय में चंपावत को मॉडल जिला बनाने के लिए चल रही कार्य योजना और परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड को एक मॉडल राज्य बनाने के प्रयास में चम्पावत को एक मॉडल जिले के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चम्पावत जिले में तराई, मैदान, भाभर और पहाड़ों की सभी भौगोलिक विशेषताएं मौजूद हैं। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि सभी परियोजनाओं में पारिस्थितिकी और विकास के बीच समन्वय बनाया जाये. उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रयासों के परिणाम जमीन पर दिखाई दें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मॉडल चंपावत योजना के लिए नोडल अधिकारियों को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में स्थानीय लोगों के सुझाव भी लिये जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चंपावत में धार्मिक, आध्यात्मिक और साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि चम्पावत में तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के तीन से चार दिन के प्रवास के लिए जिले में सर्किट विकसित किये जाने चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूर्णागिरि मंदिर में तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने चंपावत में शारदा कॉरिडोर और आईएसबीटी के विस्तार की जरूरत पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी को बताया कि जिले में पर्यटन, कृषि, बागवानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और दुग्ध उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए एक विस्तृत योजना पर काम चल रहा है। जिले में लघु, मध्यम और दीर्घकालिक योजनाओं पर काम चल रहा है। जिले में साहसिक पर्यटन, डेस्टिनेशन वेडिंग, कीवी उत्पादन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने पर काम चल रहा है। चंपावत के जिलाधिकारी श्री नवनीत पांडे ने कहा कि यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है कि केंद्र और राज्य सरकार की सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से शहर की ओर बढ़ते पलायन को देखते हुए टाउन प्लानिंग पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

विज्ञान संवाद एवं संचार 'पोडकास्ट' –

यह चर्चा भारत सरकार के प्राधिकरण एनडीएमए के संस्थापक सदस्य प्रोफेसर एन विनोद मेनन के साथ हुई, जिसमें व्यापक जोखिम मूल्यांकन, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और समुदाय–आधारित जागरूकता कार्यक्रमों सहित सक्रिय आपदा प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। प्रो. मेनन ने आपदा तैयारियों को बढ़ाने के लिए

शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी और अनुकूली रणनीतियों को एकीकृत करने पर भी चर्चा की।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर डॉ. डी.के. भारत सरकार के BARC में स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण समूह के निदेशक असवाल, यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत के साथ एक दिलचस्प पॉडकास्ट सत्र में शामिल हुए। हरित प्रौद्योगिकी से लेकर परमाणु ऊर्जा और उससे आगे तक, उनकी गहन बातचीत वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे के भविष्य का पता लगाती है।

उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद समझौता ज्ञापन (एमओयू) –

उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद और एसजीआरआर विश्वविद्यालय के बीच सहयोगात्मक और पारस्परिक रूप से लाभप्रद कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित करने और सुविधाजनक बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो अनुसंधान, प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए काम करते हैं। दोनों परिसरों में बौद्धिक जीवन और सांस्कृतिक विकास से संबंधित आउटरीच, और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने में योगदान देता है।

उत्तराखंड काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूकॉस्ट) ने डिजिटल उद्यमियों को समाज से सहयोग के उद्देश्य, प्लास्टिक के पुनः उपयोग और पूरे उत्तराखंड में प्लास्टिक मुक्त गांवों की स्थापना तथा प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए सोसाइटी ऑफ डिजिटल एंटरप्रेन्योर्स (SODES) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) किया गया। समझौता ज्ञापन नवाचार को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी–संचालित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर भी केंद्रित होगा। और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य सेवाओं जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके टिकाऊ व्यवसाय मॉडल विकसित करने के लिए उद्यमियों का समर्थन भी करना भी है। उत्तराखंड के युवाओं के लिए कोडिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा को सुलभ बनाकर डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा प्रदान करने के उद्देश्य से क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र देहरादून में कोडिंग लैब स्थापित करने के लिए उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (UCOST) और REACHA के बीच एक समझौता पत्र (LoU) पर हस्ताक्षर किए गए।

जंगल में आग सन्दर्भ में ग्रामीणों को व्यवहारिक परिक्षण कार्यक्रम का आयोजन –

दिनांक 22 से 26 अप्रैल, 2024 तक सामाजिक सरोकार से जुड़ी संस्था देव भूमि स्वराज फाउंडेशन और उत्तराखंड राज्य विज्ञानं एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में चला पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। चमोली जिले के कई गांवों के ग्रामीणों और स्कूलों में पढ़ने वाला छात्र–छात्राओं को जंगल में लगने वाली आग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस कार्यशाला के माध्यम से जंगल में आग लगने के प्रमुख कारण और उसका पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला के जरिए जंगल में आग से बचाव और इससे होने वाले नुकसान के बारे में सार्थक जानकारी उपलब्ध कराई गई। पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की छात्र–छात्राओं और ग्रामीणों ने जमकर तारीफ की और इसमें मिली जानकारी को बहुत लाभकारी बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आई0आई0टी दिल्ली में परियोजना सलाहकार समिति (पी0ए0सी0) की बैठक का आयोजन –

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से देश मे **अनुसूचित जाति उप योजना** (एससीएसपी) के तहत, अनुसूचित जाति को विज्ञान एंव प्रद्योगिकी के माध्यम से ससाक्त एंव समृध करने के उददेश्य **से** भारत के विभिन्न राज्यों से प्राप्त विभिन्न वैज्ञानिक परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए दिनांक 23, 24 और 25 अप्रैल 2024 को महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो0 दूर्गेश पंत के अध्यक्षता मे आईआईटी दिल्ली में परियोजना सलाहकार समिति (पीएसी) की एक बैठक आयोजित की गई है। प्रो0 दुर्गेश पंत द्वारा देशभर से प्रप्त विभिन्न वैज्ञानिक परियोनओ का मूल्यांकन कर देश के विभिन्न राज्यो मे निवासरत अनुसूचित जाति के वज्ञान एंव प्रद्योगिकी के माध्यम से समृध करने के उददेश्य से सर्मपित किया

राज्य में एसटीईएम शिक्षा कार्यशाला –

उत्तराखंड विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) ने स्कूल शिक्षा सरकार के सहयोग से राज्य में एसटीईएम शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रीजी टेक्नोएस्पायर प्रा0 लिमिटेड, गुजरात के साथ एक व्यापक एक

दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला की शुरुआत यूकॉस्ट, देहरादून में आईसीटी सेल के प्रभारी श्री मनोज कन्याल द्वारा सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों के परिचय और स्वागत के साथ हुई। इसके बाद, प्रोफेसर गुलशन कुमार ढींगरा, जिला समन्वयक यूकॉस्ट और डीन साइंस, श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, उत्तराखंड, ऋषिकेश; एसटीईएम प्रयोगशालाओं के महत्व पर प्रकाश डाला और विभिन्न क्षेत्रों में अधिक वैज्ञानिकों की आवश्यकता पर जोर दिया। यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने सभी प्रतिभागियों को एसटीईएम शिक्षा पहल में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया और व्यावहारिक सीखने के महत्व के बारे में बताया, उन्होंने प्रतिभागियों से छात्रों को अपनी सीखने की यात्रा में व्यावहारिक दृष्टिकोण लागू करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आग्रह किया। श्री जी.एस. रौतेला, सलाहकार, साइंस सिटी देहरादून ने एसटीईएम शिक्षा में व्यावहारिक दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि विज्ञान की शिक्षा व्यावहारिक प्रदर्शनों के बिना पूरी नहीं हो सकती। उन्होंने हर संभावित ब्लॉक में एसटीईएम प्रयोगशालाओं को लागू करने के लिए उत्तराखंड की अग्रणी पहल की घोषणा की, जिससे वह ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के संस्थापक सदस्य की एक प्रस्तुति भी शामिल थी, जिन्होंने अबेकस जैसी वैकल्पिक शिक्षण पद्धतियों के लाभों का प्रदर्शन किया। परामर्श सलाहकार श्री प्रहलाद सिंह अधिकारी ने एसटीईएम के क्षेत्र में उत्तराखंड की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित किया और प्रतिभागियों से छात्रों को सीखने के संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने का आग्रह किया, जिससे समझने में आसानी हो।

राष्ट्रीय वैज्ञानिक दिवस का अयोजन –

दिनांक 22 अप्रैल को उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा महिला प्रौद्योगिकी संस्थान और उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून के सहयोग से **प्लास्टिक बनाम प्लेनेट** विषय के अंर्तगत पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया । इस अवसर पर परिषद द्वारा एक लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन भी किया गया जिसके मुख्य वक्ता प्रोफेसर अभ्यानंद सिंह मौर्या, पृथ्वी विज्ञान विभाग, आईआईटी रुड़की रहे। डॉ डी.पी. उनियाल, संयुक्त निदेशक यूकोस्ट ने स्वागत उद्बोधन दिया और माइक्रोप्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम और प्लास्टिक सामग्रियों का उपयोग करने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ मनोज कुमार पांडा, निदेशक, डब्ल्यूआईटी, देहरादून ने कहा कि प्लास्टिक प्रबंधन के क्षेत्र में अंत:विषय अनुसंधान की आवश्यकता है और हम सबके समग्र प्रयासों द्वारा ही धरती को हरित, स्वच्छ और बेहतर स्थान बनाया जा सकता है। डॉ0 रीमा पंत, शिक्षाविद, ने इस अवसर पर माइक्रोप्लास्टिक, इसके हानिकारक प्रभाव और इसके संभावित समाधानों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उनके द्वारा हमारा भविष्य हमारे हाथ में है, उसे फेंकना बंद करो विषय पर एक वीडियो संदेश भी दिखाया। डॉ अभ्यानंद सिंह मौर्या, आईआईटी रुड़की, ने मिट्टी और जलीय प्रणाली में माइक्रोप्लास्टिक पर एक विस्तृत प्रस्तुति और शोध प्रस्तुत किए और माइक्रोप्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग और उपभोग पर चर्चा की। प्रोफेसर ओंकार सिंह, कुलपति, यूटीयू, देहरादून ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को प्लास्टिक और इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। उन्होंने भविष्य में यूटीयू के छात्र– छात्राओं को हरित योद्धाओं के रूप में प्रशिक्षित करने की भी बात की, जो विश्वविद्यालय कैम्पस, इसके संस्थानों और आसपास के समुदाय में लोगों को प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने में सहायक होंगे। कार्यक्रम मे 250 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

हिमालयन एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एचएएसटी) की स्थापना –

परिषद मे हिमालयन देशो तथा राज्यो को विज्ञान एंव प्रौद्यिगिकी के माध्यम से ससाक्त एंव समृध बनाने के उदेदश्य से **एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एचएएसटी)** की स्थापना की गई है। **एकेडमी का उददेश्य** पर्वत–विशिष्ट अध्ययनों, अनुसंधान और तकनीकी हस्तक्षेपों के लिए एक समुदाय–संचालित मंच को बढ़ावा देने के लिए हिमालयन दृष्टिकोण को रेखांकित करने के लिये किया गया। डॉ. आर. पी. सिंह, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान ने पृथ्वी की सुंदरता और पर्यावरण की रक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर एक आकर्षक व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉ. रीमा पंत ने लैंगिक समानता पर चर्चा सहित भविष्य की पीढ़ियों के लिए

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। रौतेला, सलाहकार, साइंस सिटी ने समाज की सेवा में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डॉल्फिन पीजी कॉलेज, बीएफआईटी इंस्टीट्यूट, ग्राफिक एरा और देहरादून के विभिन्न अन्य कॉलेजों के छात्रों, विकल्प संस्था के स्कूली बच्चों, शोधकर्ताओं, विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के अधिकारियों, यूसीओएसटी और आरएससी के अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया, जिससे विश्व पर्यावरण दिवस उत्सव शैक्षिक और प्रभावशाली दोनों बना।

सी फार स्टेम कार्यशाला का आयोजन –

उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) और विज्ञानशाला इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन भाषण में माननीय राज्यपाल ने सी फार स्टेम की महत्वता को रेखांकित करते हुए इसे महिलाओं के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा, जिससे न केवल उनके करियर में अवसर बढ़ेंगे बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। माननीय राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युग में बेटियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपने कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर देना महत्वपूर्ण है। इससे न केवल उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं को पहचान मिलेगी, बल्कि समाज को भी विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनकी संभावनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी देश के विकास और उसकी वैश्विक स्थिति को सशक्त बनाने में सहायक होगी।

8

लेखा परीक्षा रिपोर्ट
(वित्तीय वर्ष 2023-24)

K K D & ASSOCIATES
Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

To,
The Members
Uttarakhand State Council for Science & Technology
Vigyan Dham, Jhajra, Dehradun
Uttarakhand

Report on Financial Statements

We have examined the attached Balance Sheet of **UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY, DEHRADUN,** as at 31st March, 2024 and the annexed Income and Expenditure Account and Receipt and Payment Account for the period ended on that date. These financial statements are the responsibility of the Society Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

Auditor's Responsibility

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement.

An audit includes examining on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on financial statements.

Opinion

Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanation, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;
(ii) In our opinion, proper books of accounts have been kept by the Society as far as appear from our examination of those books.
(iii) The statements of account dealt with in this report are in agreement with the books of account.

1st Floor, Chagan Lal Building, Panditwari, Chakrata Road, Dehradun - 248006 (Uttarakhand)
Call: 9458901355, 7579463631 | Email: cakkdassociates@gmail.com

(iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts, gives the information in the manner so required and give a true and fair view:

- In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, 2024.
- In the case of the Income and Expenditure Account of the deficit for the period ended on that date.
- In the case of the Receipts & Payment Account of the cash flow for the year ended on that date.

FOR K K D & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
(FRN: 021388C)

CA KAMAL KUMAR
FCA, PARTNER
M No. 430329
UDIN: 24430329BKZKAP7141
Date:28.09.2024
Place:Dehradun

1st Floor, Chagan Lal Building, Panditwari, Chakrata Road, Dehradun - 248006 (Uttarakhand)
Call: 9458901355, 7579463631 | Email: cakkdassociates@gmail.com

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2024

PARTICULARS	SCHEDULE	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
LIABILITIES			
GRANT FUND	A	92,412,926.32	91,457,424.73
GENERAL FUND (Interest fund & Depreciation fund)	B	(1,081,053.53)	(477,562.95)
FIXED ASSET CAPITAL FUND	C	101,773,486.17	59,056,573.17
Group Gratuity Scheme		-	2,000,000.00
PROJECT/ PROGRAMMES (Funds from DST, Govt of Uttarakhand)		4,477,577.36	9,766,614.95
Total.....		**197,582,936.32**	**161,803,049.90**
ASSETS			
FIXED ASSETS	D	101,773,486.17	59,056,573.17
PROJECT/ PROGRAMMES (Funds from DST, Govt of Uttarakhand)		4,477,577.36	9,766,614.95
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES	E	91,331,872.79	92,979,861.78
Total.....		**197,582,936.32**	**161,803,049.90**

Significant Accounting Policies & Notes on Accounts

"As Per Our Separate Report of Even Date"

FOR K K D & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA KAMAL KUMAR
[FCA, PARTNER]
[M No. 430329]
[FRN No. 021388C]

S. D. BIJALWAN
[ACCOUNTANT]

DR. D. P. UNIYAL
[ACCOUNT OFFICER]

PROF. DURGESH PANT
[DIRECTOR GENERAL]

Date: 28.09.2024
Place:Dehradun
UDIN: 24430329BKZKAP7141

UTTARAKHAND STATE COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY
VIGYAN DHAM, JHAJRA, DEHRADUN
RECEIPT & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDING ON 31ST MARCH 2024

PARTICULARS	SCH No.	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
Balances as on April 1, 2023			
UBI A/c No.5097		-	2,563,310.80
PLA Account No 844600110000000		-	31,067,952.00
PLA A/c No 888101		87,988,065.00	
UBI A/c No.5097		4,988,558.78	
Petty Cash (Imprest money)		-	5,000.00
Grant-in-Aid received form Govt of Uttarakhand	E	158,200,000.00	153,000,000.00
Grant in Aid received from Others	F	1,333,800.00	-
Grant in Aid refunded	F	942,381.00	1,229,026.00
Grant in Aid from Uttarakhand Council for Biotechnology, Haldi, US Nagar	F		750,000.00
Bank Interest		155,131.42	77,146.00
Miscellaneous Receipt		61,572.00	40.00
Transportation Receipt		-	226,500.00
Group Gratuity		231,635.00	2,000,000.00
Sale of Fixed Assets		416,999.00	-
Building Security Deposit		-	46,849.00
Total (A) in Rs....		**254,318,142.20**	**190,965,825.80**
PAYMENTS			
Direction & Administration			
Recurring Expenses	H	44,465,857.41	42,334,703.80
Capital Expenditure	D	43,954,106.00	7,043,235.00
Grant-in-Aid Disbursed	G	33,443,460.00	47,815,699.75
Project Expenses	H	38,894,449.00	795,563.47
Group Annuity		2,231,635.00	0.00
Total (B) in Rs....		**162,989,507.41**	**97,989,202.02**
Balances (A-B) as on 31 March, 2024			
PLA A/c No 888101		87,898,076.00	87,988,065.00
UBI A/c No.5097		3,430,558.79	4,988,558.78
		91,328,634.79	**92,976,623.78**

"As Per Our Foot Note on the Balance Sheet of Even Date"

FOR K K D & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

CA KAMAL KUMAR [FCA, PARTNER] [M No. 430329] [FRN No. 021388C]

S. D. BIJALWAN [ACCOUNTANT]

DR. D. P. UNIYAL [ACCOUNT OFFICER]

PROF. DURGESH PANT [DIRECTOR GENERAL]

Date: 28.09.2024
Place:Dehradun

9

आंचलिक विज्ञान केंद्र

केंद्र की अन्य परियोजनाएं तथा कार्यक्रम

तारामंडल तथा 3डी फिल्म शो

वर्ष 2024 में केंद्र द्वारा 3डी फिल्म शो तथा तारामंडल शो के माध्यम से वर्ष भर वैज्ञानिक चेतना का प्रचार–प्रसार किया गया। केंद्र में तारामंडल एक पोर्टेबल मिनी तारामंडल है जिसमें एक इन्फ्लेटेबल गुंबद और सरल प्रक्षेपण उपकरण है जो खगोल विज्ञान की प्रारंभिक समझ के लिए इंटरैक्टिव डिस्कशन का अवसर प्रदान करता है। वर्ष भर चले तारामंडल शो में छात्रों तथा परिवारों ने प्रमुख ग्रह–नक्षत्रों, राशियों, विभिन्न तारामंडलों, ध्रुव तारे एवं इसके अनुसार दिशा ज्ञान आदि को प्रदर्शित किया। इसके साथ ही वर्ष भर 3डी फिल्म शो में दर्शकों को "म्यूजियम अलाइव" तथा "एस0ओ0एस0" 3डी फिल्मों का प्रदर्शन किया।

साइंस डेमोंस्ट्रेशन लेक्चर्स (एस0 डी0 एल0)

स्कूल के छात्र–छात्राओं तथा फैमिलीज़ के लिए केंद्र समय–समय पर विज्ञान प्रदर्शन व्याख्यानों का आयोजन करता है। इन व्याख्यानों में श्री जी एस रौतेला, श्री अंकित कंडियाल और श्री ओम प्रकाश रावत द्वारा छात्र छात्रों और 3डी फिल्म की ऑडियंस के लिए समय समय पर, बरनौली सिद्धांत, प्रेशर, क्रिया–प्रतिक्रिया, फ्री फॉल आदि सिद्धांतों पर विज्ञान प्रदर्शन/साइंस डेमोंस्ट्रेशन लेक्चर किये गए। इस तरह छात्रों के समूहों तथा परिवारों ने इन रोचक गतिविधियों में प्रतिभाग कर विज्ञान सीखने का आनंद उठाया, साथ ही इससे शॉप की विक्री भी बढ़ी। वर्ष 2024 के दौरान इन एस0डी0एल0 में बीस हजार से ज्यादा छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

रोबोटिक्स कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2024 में आंचलिक विज्ञानं केंद्र में रोबोटिक्स के कैंप आयोजित किये गए जिनमे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग और प्रशिक्षण प्राप्त किया किया। इसके साथ ही वर्ष भर में लगभग 100 से अधिक जनरल विजिटर्स, एक्सपर्ट्स आदि ने रोबोटिक्स कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। रोबोटिक्स के तहत आंचलिक विज्ञान केंद्र में वर्षभर कई गतिविधियाँ और कार्यशालाएं आयोजित की गयी। ग्रीष्मकालीन साइंस कैंप में रोबोटिक्स के परिचय और बुनियादी रोबोट डिजाइन से सम्बंधित गतिविधियां आयोजित की गयी जिनमे छात्र–छात्राएं सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग का उपयोग करके रोबोट्स निर्माण और रोबोट्स की कार्यप्रणाली का भी प्रदर्शन भी करते हैं। यह सत्र बच्चों को उनकी समस्या–समाधान कौशल और तार्किक सोच कौशल में सुधार करने में मदद करते हैं। इस सत्र की सहायता से शिक्षार्थी विज्ञान के लिए रचनात्मक गतिविधि की ओर अग्रसर हुए।

इसके साथ ही इनोवेशन हब द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ग्रीष्मकालीन विज्ञान शिविर में 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इन शिविरों में बच्चों ने विभिन्न रोबोट तैयार किए जैसे अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करके गिटार रोबोट, अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करके बॉल रोलर कोस्टर रोबोट, टच सेंसर या ध्वनि सेंसर का उपयोग करके मशीन गन, लाइट सेंसर का उपयोग करके पेग छोटा रोबोट, सर्वो मोटर्स का उपयोग करके माउस ट्रैप रोबोट, अल्ट्रासोनिक सेंसर का उपयोग करके भर उठाने वाला रोबोट और टच सेंसर, लॉजिक्स गणना का उपयोग करते हुए रोबोट आर्म आदि। इस सत्र में प्रतिभागियों ने अपना स्वयं का एम–बॉट रोबोट और कोडी रॉकी डिवाइस और इसकी कोडिंग बनाई। इसके साथ ही सनराइज अकादमी के इनोवेशन हब के सदस्य छात्रों के लिए भी समय–समय पर रोबोटिक्स गतिविधियाँ आयोजित की गयी। यह सत्र प्रतिभागियों की तार्किक क्षमता को बढ़ने में सहायक होते हैं। इस सत्र में प्रतिभागी स्क्रैच का उपयोग करके अपनी स्वयं की इंटरैक्टिव कहानियां, एनिमेशन, गेम बनाते हैं।

इनोवेशन हब में 01 जुलाई से 03 जुलाई, 2024, को आयोजित तीन दिवसीय विज्ञान शिक्षक कार्यशाला, में बी.एल.एम. एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हलद्वानी, नैनीताल के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस रोबोटिक्स कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रेजेंटेशन और व्यावहारिक शिक्षण के माध्यम से बुनियादी रोबोट डिजाइन किए और प्रोग्रामिंग और सेंसर के बारे में सीखा। प्रतिभागियों ने उनके द्वारा डिजाइन किए गए रोबोट में साउंड सेंसर, टच सेंसर, अल्ट्रासोनिक सेंसर और लाइट सेंसर की प्रोग्रामिंग भी सीखी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए0आई0) स्किल लैब

आरएससी देहरादून ने इंटेल के सहयोग से आर0एस0सी0 परिसर में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए0आई0) स्किल लैब की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में ए0आई0 अनुप्रयोगों को डिजाइन करने के घटकों के साथ–साथ जागरूकता पैदा करने के मॉड्यूल भी हैं। ए0आई0 स्किल लैब का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों के बीच ए0आई0 की बुनियादी समझ पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण प्रदान करना तथा मानवता के भविष्य को आकार देने में इसकी क्षमता का प्रदर्शन करना है। इस संदर्भ में युवाओं के प्रशिक्षण के साथ–साथ आम लोगों के बीच इस अत्यंत महत्वपूर्ण उभरती हुई प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता पैदा करने का कार्य यह लैब कर रही है। ए0आई0 स्किल लैब का शुभारम्भ 3 फरवरी 2023 को केंद्र के वार्षिकोत्सव के दौरान महामहिम राजयपाल श्री लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) जी द्वारा किया गया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में आने वाले भविष्य में काफी संभावनाएं हैं।

आज के तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरा है, जो उद्योगों में क्रांति ला रहा है और काम के भविष्य को फिर से परिभाषित कर रहा है। चूंकि एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसलिए यह जरूरी है कि हम अगली पीढ़ीं को इसकी पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कौशल और विशेषज्ञता से लैस करें। इस आवश्यकता को पहचानते हुए, एआई स्किल लैब की स्थापना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ की गई :

- एआई का रहस्य उजागर करें और युवाओं को एआई तैयारी के लिए आवश्यक कौशल सेट और मानसिकता से लैस करें।
- एआई और उससे संबंधित मुद्दों के सामान्य डोमेन का परिचयात्मक ज्ञान प्राप्त करें और व्यक्तिगत शिक्षण योजनाएं बनाना शुरू करें।
- इंटेल प्रौद्योगिकियों के साथ एआई उपकरणों तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण करें और युवाओं को उनका कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करें।
- उपलब्धि के प्रमाण के रूप में सार्थक सामाजिक प्रभाव समाधान बनाएं।

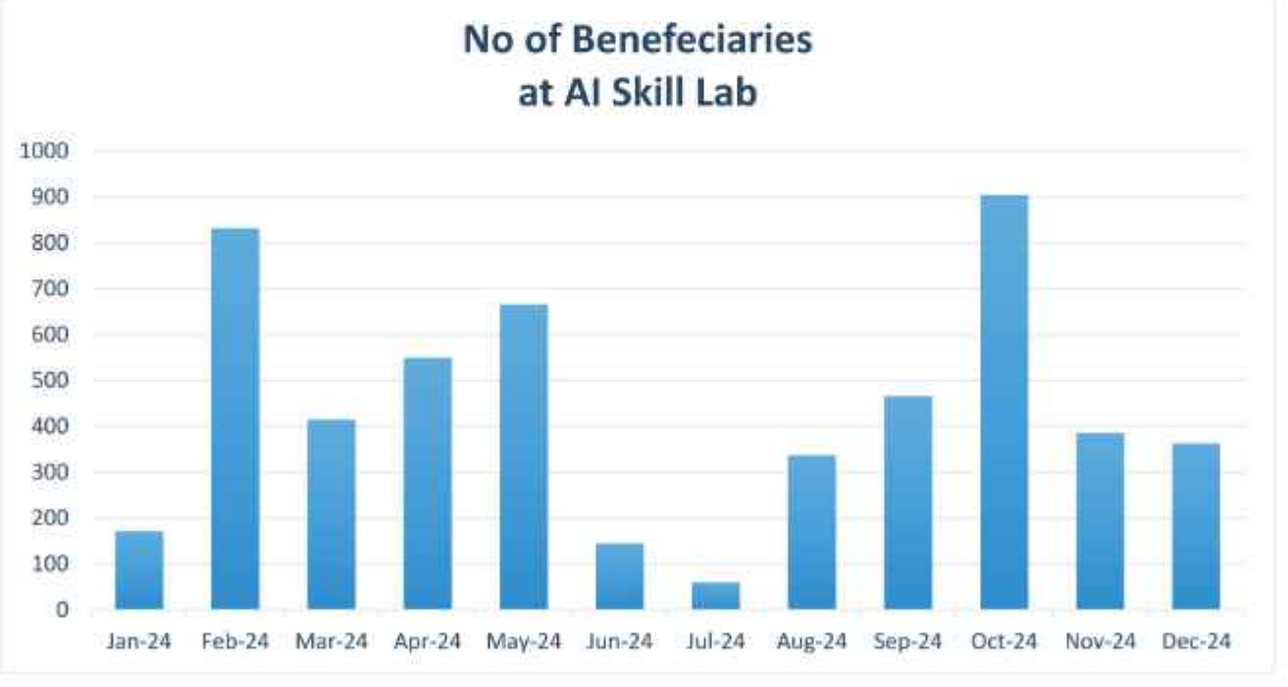

2024 में, देहरादून में एआई स्किल लैब ने आकर्षक व्याख्यानों, कार्यशालाओं और प्रदर्शनों के माध्यम से 5,296 छात्रों को "एआईरेडी" बनने के लिए सफलतापूर्वक सशक्त बनाया। कौशल विकास को और बढ़ावा देने के लिए, 2 इमर्सिव एआई कौशल शिविर आयोजित किए गए, जहाँ 12 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और 3 अभिनव सामाजिक प्रभाव परियोजनाएँ विकसित कीं। लाभार्थियों का महीनेवार विवरण नीचे दिया गया है।

आगंतुक सारांश एवं सांख्यिकी

Programs, Lectures & Summer Camps Organized by RSC

Total No. of Programs: 25

Total No. of Beneficiary in programs: 4500

Total No. of Science Camp: 02

Total No. of Beneficiary in Science Camps: **>100**

Total No. of students enrolled in Innovation Hub through Membership: **>50**

Total No. of Students Beneficiary in AI Lab: **>350**

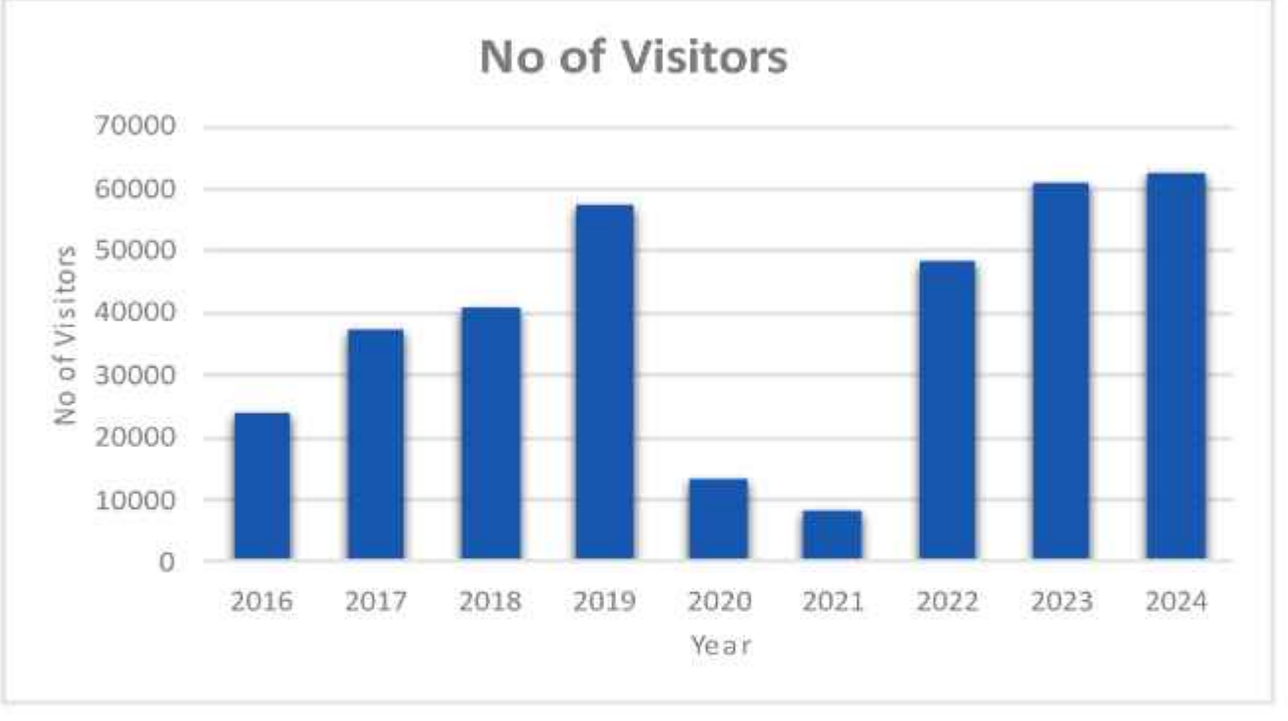

केंद्र ने 3 फरवरी, 2016 को अपनी स्थापना के बाद से दिसंबर, 2024 तक 3,50,000 से ज्यादा विजिटर्स को पंजीकृत किया है। वर्ष 2024 में जनवरी से दिसंबर तक केंद्र के भ्रमण को आये 63,794 लोगों में कुल 42,780 स्कूल/कॉलेज, अन्य स्कूल समूह 566; जनरल विज़िटर्स 19,998; तथा लगभग 6500 से अधिक केंद्र अथवा यूकॉस्ट द्वारा आयोजित प्रोग्राम्स में आये फ्री विज़िटर्स थे।

तालिका : वर्ष 2024 में आगंतुकों का मासिक वर्गवार विवरण

Table: Monthly Category-wise Summary of Visitors (2024)					
Month	**General Visitors**	**Visitors of Govt Schools**	**Visitors of Public Schools**	**Number of School Groups**	**Total Visitors**
January	3403	1440	389	24	5256
February	2542	2722	1914	43	7221
March	1406	3086	895	57	5444
April	1066	376	1751	20	3213
May	1464	863	1923	32	4282
June	3942	0	570	10	4522
July	1163	0	624	6	1793
August	665	205	1137	25	2032
September	1079	1596	925	38	3638
October	774	4434	2635	103	7946
November	1382	5000	4637	123	11142
December	1562	2955	2703	85	7305
Total	**20448**	**22677**	**20103**	**566**	**63794**

सामान्य जानकारी

जनसाधारण व परिवार के सदस्य कार्य दिवसों में केंद्र के भ्रमण के लिए टिकट काउंटर व्यक्तिगत पंजीकरण पर कर सकते हैं। हालाँकि विद्यालय/महाविद्यालय अथवा अन्य समूहों से उनके समुचित भ्रमण के लिए अग्रिम ऑनलाइन पंजीकरण का अनुरोध किया जाता है। आगंतुकों के समूह पूर्व में ही https://rscdoon.com के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करें। अधिक जानकारी के लिए आगंतुक सीधे संपर्क कर सकते हैं:

खुलने का समय : सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

टिकट का समय : सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक

E-mail: rscdehradoon@gmail.com, ucost@ucost.in

Website: https://rscdoon.com, https://ucost.uk.gov.in

Facebook: @rscdehradun, @ucostpage

YouTube: @rscdehradun, @ucostdehradun

Instagram: @rscdehradun, @ucostdehradun

Ph.: +91-135-2976267, +91-7060774352

नोटः साप्ताहिक अवकाश (सोमवार), राष्ट्रीय अवकाश (स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस एवं गाँधी जयंती) तथा दीपावली व होली पर केंद्र जनसामान्य के लिए बंद रहता है।

टिकट विवरण : आरएससी देहरादून में प्रवेश टिकट और अन्य सुविधाओं की दरें (प्रति व्यक्ति रुपये में)

Name	General Visitors	Group Visitors (25+)	Government School/ College Group (25+)	Private School/ College Group (25+)
General Entry	50	40	25	40
3D Theater	35	30	15	30
Taramandal	25	20	15	20

पुष्कर सिंह धामी
बोधिसत्व
Date: 05 August, 2024
Organized by
Uttarakhand State Council for Science & Technology
दिनांक - 09 सितम्बर, 2024